

₹ • 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तुबर 3, 1981 (आश्विन 11, 1903)

No 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 3, 1931 (ASVINA 11, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may at need as a separate compilation)

माग III-खण्ड ।

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखानरीक्षक, संघ लोक येवा आयोग, रेन विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 अगस्त 1981

सं. पी./1744-प्रशा. ।। (भाग 4)—संघ लोक सेवा बायोग के कार्यालय के स्थायी अनुसंधान सहायक (हिन्दी) तथा संप्रति आयोग के कार्यालय में किनष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री चंद किरण को 28 अगस्त, 1981 के अपराहन से इस कार्यालय से एतद्द्वारा इन अनुदेशों के साथ कार्यभार मृक्त किया जाता है कि वह श्री एम. पी. सिंह, अवर सचिव, भारत सरकार, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय, विधायी विभाग (विधि साहित्य प्रकाशन), नई दिल्ली को तत्काल इयूटी के लिए रिपोट करें।

दिनांक 31 अगस्त 1981

सं. ए. 32014/3/80-प्रशा -।।—सघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनाक 5-3-81 के अनुक्रम में सिचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा निम्नलिखित अधि-कारियों को 1-9-1981 से 6 मास की अग्रेतर दिनिष् अधवा आगामी आदिशों तक, जो भी पहले हों, रु 650-30-740-35-870-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1+26604/81

1200 के वेतनसान में अधीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

1--श्री एम. एम. शर्मा

2--श्री जगदीश लाल

3--श्रीमती डी. जे. लालवानी

4--श्रीमती राज संठी

5--क मारी सुदर्शन हांडा

6--श्री आर आर. भारद्वाज

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत करले कि अधीक्षक (त.सं.) के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति से नियमित विलियन का अथवा उक्त ग्रेड में तरिष्ठना का स्वत हक नहीं मिलेगा।

पी. एस. राणा अनुभाग अधिकारी **कृते** सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 ज्लाई 1931

सं. ए 11016/1/76-प्रशा -।।। — ं लेड सवा आयोग के अनुभाग प्रधिकारी श्री कैलान चन्द को राजित द्वारा जुलाई, 1981 से 10 जुलाई, 1981 तक की अग्रेतर निषि के लिए राघ लोक सेवा आयोग के कार्यालग में डेस्क अधि-कारी के पद पर नार्य करने के लिए सहर्ष नियक्त किया जाता है।

(11401)

नक सुधार विभाग के का जा सं दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की

्या च्युतार श्री कैलाश चन्द्रारः 75 प्र. मा. की दर से विशेष वेतन प्राप्त करोंगे।

दिनांक 31 अगस्त 1981

सं. पी./1818-प्रशा.-।—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 अगस्त,. 1978 और 14 सितम्बर, 1979 के अनुक्रम में, गृह मंत्रालय, कार्मिक और प्रशासनिक स्धार विभाग की अनुमति से; देखिए उनका पत्र सं. 39817/19/79-स्था. (ख) दिनांक 27-8-81 संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर डा. वी. स्वमण्यन की नियुक्ति को कार्मिक और प्रशासनिक सृधार विभाग के का.जा.सं. 39/70/पी.पी. दिनांक 9-1-79 को शतों के अनुसार 1 सितम्बर, 1981 से 6 मास की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, जारी रखा गया है।

दिनांक 4 सितम्बर 1981

सं. ए. 32014/3/79-प्रशा.-।—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थागी विरिष्ठ वैयिक्तिक सहायकों (के. स. स्टे. से. का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्विष्ट तारीख से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अन्तिम, अस्थायी और तदर्थ खाधार पर निजी सचिव (के. स. स्टे. से. का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

ऋ सं. नाम अविध

- 1. श्री जोगिन्दर सिंह--7-9-81 से 6-11-81 तक
- 2. श्री आर. एल. ठाकुर--27-8-81 से 26-10-81 तक

सं० ए० 32014/1/81-प्रशा० 1—संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में निम्निलिखित चयुन ग्रेड वैयिक्तिक सहायकों को राष्ट्रपित द्वारा नीचे उल्लिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णत: ग्रनंतिम, ग्रस्थायी ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर वरिष्ठ वैयिक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्ति किया जाता है:—

ऋ०सं०	• नाम	ग्रवधि
1;	श्री टी० ग्रार० शर्मी	7-9-81 से 6-11-81 तक
		ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक
		जो भी पहलें
2.	श्री शाम प्रकाश	27-8-81 से 26-10-81 तक
		स्रथवा स्रागामी स्रादेशों तक,
		जो भी पहले हो

2. सर्वंश्री टी० घ्रार० शर्मा ग्रौर शाम प्रकाश ग्रवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी ग्रौर तदर्थ ग्राधार पर है ग्रौर उन्हें इससे उक्त ग्रेड में वरिष्ठता ग्रथवा के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलियन के लिए कोई हक नहीं मिलेगा । ग्रागे उपर्युक्त तदर्थ नियुक्तियों का श्रनुमोदन कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा भी किया जाना है।

> य० रा० गांधी ग्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

eaca or produced to sent & fix beomorpee and also a fixed

गृह मंत्रालय

महानिदशालय केन्दीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिजांक 8 मितम्बर 1981

सं. ओ. दो. 1578/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. स्रोन्द्रसिंह को 6-8-1981 के पूर्वाह्न से 17-8-1981 के पर्वाह्न तक केन्द्रीय रिजर्व पिलस बल में किनष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद एर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 9 सितम्बर 1981

सं ओ. दो. 1524/80-स्थापना—-राष्ट्रपति ने किनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल हयटी अफसर ग्रेड-।।) डा. बलिवन्दरिसंह सैरीन, बेम हाम्पिटल-१, केन्द्रीय रिजर्व प्लिस बल, नई दिल्ली को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अन्सार एक माह के नोटिस की समाप्ती पर दिनांक 24-8-1981 के पूर्वाहन से कार्यभार से मुक्त कर दिया है।

सं. एफ-2/22/81-स्थापना—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्निलिसित चिकित्सा अधिकारियों को जनरल ड्यूटी अफसर ग्रेड-।। के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:--

- 1. डा. (श्रीमती) शारदा सिरोही
- 2. डा. मोहन चरण सेठी
- 3. डा. ललित कमार श्रीवाजी
- '4. डा. जीतेन्द्र क्सार सर्वागिरी
- 5. डा. (श्रीमती) आर. पी. बालानी
- 6. डा. कपिल भल्ला
- 7. डा. लिंग राज जैना
- 8. डा. भोला जंकर मिश्रा
- 9. डा. मोहम्मद रगिल्याम अलि सां
- 10. डा. एम. जी. लिमये
- 11. डा. एस. डी. किनिकर
- 12. डा. स्वारूपानंद नायक
- 13 डा. रमाकान्त वहोडा
- 14. डा. एच. आर. पाटिल
- 15. डा. उमेष गौतम
- 16. डा. ईश्वर दयाल
- 17. डा. स्नहरीलाल निमेष

दिनांक 14 सितम्बर 1981

सं. बो. दो.-1601/81-स्थापना—राष्ट्रपति डा. एस. एस. संखारी को अस्थाई रूप से आदोग जारी होने तक केन्द्रीप रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयटी अफसर ग्रेड-! (डी.एप. पी./कम्पनी कमांडर) के पद पर टिमांक 1 सिनम्बर, 1981 के पूर्वाहन से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्न पर नियक्त करते हैं।

ए. के. सूरी सहायक निदशक (स्थापना)

महानिदान का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बुल

३ दिल्ली-110019, दिनांक 10 मितम्बर 1981

- सं. ई-16014(4)/2/77-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए निवर्तन की आयू पूरी करने पर श्री एच. नटराजन ने 30 जून, 1981 के अपराहन से के. औ. सू. ब. दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय, मद्राम के सहायक कमांडेंट के पृद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं ई-38013(4)/5/81-कार्मिक—रसायनी से स्थानां-तरित होने पर, श्री इन्दर मोहन ने 16 जून, 1981 के अपराहन से के जैं. सु.व. यूनिट एस.पी.टी. गोआ के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभात लिया

स. इ-38013(4)/5/81-कार्मिक—गोवा से स्थानान्तरित हाने पर श्री बी. ए. देवाया ने 27 जून, 1981 के पूर्वास्न स दक्षिणी क्षत्र के प्रशिक्षण रिजव बल, मुद्रास के सहायक कर्मार्डट के पद का कायभार संभाल लिया।

स. इ -38013(4)/5/8।-कामिक--थुम्बा में स्थानान्त-रित हाने पर श्री एन. एन. म्रम् ने 30 जून, 1981 के अपराह्न से के. ी. खु.ब. यूनिट एस एच ए. आर्. सेन्टर के सहायक कमाण्ट के पद का कार्यभार छोड दिया।

मं. इ-38013(4)/5/81-कार्मिक—-रसायनी को स्थानां-तारेल होने पर श्री इंशम सिंह नं 29-6-81 के पूर्वाहन से के.औ.सू व: यूनिट, नी.आई.एल., भिलाई के सहायक कमांडंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स. ई-38013(4)/25/81-कार्यिक—मद्रास से स्थानांत-रित होने पुर भी पी. के. पी नॉयिंग ने 28 मई, 1981 के पूर्वाह्न से के औ. सु. ब यूनिट, एच. जेंड एन े टिंपेंड्र के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभानु लिया।

मं. $\hat{\mathbf{x}}$ -380 i 3(4)/5/81-क्रामिंदा--- भूम्बा से स्थानान्त- रण होने पर, श्री एल. वी. जोसंफ ने 8 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से के. ओ. सु. ब. यूनिट एस. एच. ए. आर. सेन्टर के सहायक कमां केंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरन्द्र नाथ, महानिव श्रक

भारत के महापजीकार का कार्यालय

नर्झ दिल्ली-11001।, विनांक 10 सितम्बर 1981

स. 11/15/80-प्रशा.-।—इस कार्यालय की तारीख़ 7-4-1981 की सममस्यक अधिसूचना में आशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति, कर्नाटक मिविल सेवा के अधिकारी श्री पी. वासदेव को कर्नाटक, बंगलीर में जनगणना कार्य निद्यालय में तारीख़ 3 मार्च, 1981 के अपराह्न से तारीख़ 31 दिसम्बर, 1982 तक या अगले आदंशों तक, जो भी अविध पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप् निद्युक्त जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री वासुदेव का मुख्यालय हसन में हांगा।

पी. पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

भारत सरकार टकसाल,

कलकत्ता-88, विनांक 10 जुलाई 1981

सं. पी. 55/6491—भारत सरकार टकसाल, अलीपूर, कलकत्ता-88 के स्थायी उप-लेखाकार श्री एन. सी. बनर्जी को 'लेखा अधिकारी' (वर्ग बी राजपत्रित) के पद पर, 840-40-1000-व. रो -40-1200 रुपये के वंतनमान में स्थानापन्न रूप से तदथ आधार पर 6 महीने की अविध के लिए अथवा नियमित नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, 2-3-1981 से नियुक्त किया जाता है, चूंकि 1-3-1981 को श्री एम. एल. मित्र स्थानापन्न लेखा अधिकारी की सेवा निवृति हो गयी है।

सं. पी. 86/6492—भारत सरकार टकसाल, अलीपूर, कलकत्ता-88 के स्थागी उप-लेखाकार श्री पी. के. गोस्वामी को भारत सरकार, वित्त मत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली के पत्र संख्या एफ. 3/23/80-सी. बाई. दिनांक 24-12-1980 के माध्यम से सृजित 'प्रवासन अधिकारी' (वर्ग बी राजपत्रित) के पद पर, 840-40-1000-द रो.-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर 2-3-1981 से 6 महीने की अविध के लिए अथवा नियमित् निय्वित तक, जो भी पहले हो नियुक्त किया जाता है।

ह. ना. गुप्ता, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभागु भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नुर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 11 सितम्बर 1981

सं. वा. ले. पं. /56-77—अपर उप नियंत्रक-महालेखा-परीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री जी. टी. सम्पथ क्माराचर लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को सी. सी. एस. (पेन्शन्स) नियमावली, 1972 के नियम 48-ए के अधीन दिनांक 17-8-1981 अपराहन से सरकारी सेवा से स्वेच्छा-पूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति वे दी है।

> एम . ए. सोमेश्वर राव, उप निदोशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय: निर्देशक लेखा-परीक्षा, केन्स्रीय राजस्व नर्ष विल्ली-2, दिनांक 9 सितम्बर 1981 शृद्धि पत्र

सं. प्रशा. - । /का. आ. 212—इस कार्यालय के आदोश सं. प्रशा. 1/199 दिनांक 24-8-81 के आंश्विक संशोधन के अनुसार एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में श्री बाई. एस. गुप्ता की प्रवोन्नित तिथि जिनका नाम उस आदोश की कम संख्या 2 पर उल्लिखित है दिनांक 24-8-1981 के बजाय दिनांक 2-9-81 पढ़ा जाय ।

. एस. सी. आनन्द संयुक्त निदोशक लेप. (प्रशा.)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रवेश हैवराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं. प्रशा. $1/8 \cdot 132/81-82/223--श्री वी <math>\cdot 1$ वारस्थामी नायुक्, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंध्र प्रवेश । सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-8-81 अध्राह्न, 1

सं. प्रशा. 1/8.132/81-82/223---श्री जयराज पनकी लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंधू प्रदेश ।। सेवा से निवृत्त हुए दि. <math>31-8-81 अपराह्न ।

रा. हरिहरन वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र.) के. रा.

वाणिज्य मंत्रालय

मृख्य नियंत्रक, आयात-निर्मात का कार्यालय नर्द्द दिल्ली, विनांक 12 अगस्त 1981 आयात तथा निर्मात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

- सं. 1/12/81-प्रशा. (राज.)/4953---राष्ट्रपति, श्री । द्राध्य किशन, केन्द्रीय सचिवालय संवा के (वर्ग-। प्रवरण स्ची 1980) और नियंत्रक, आयात-निर्यात की केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-। में स्थानापन्न रूप से और इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में कार्य करने के लिए 29 जनवरी, 1981 से 30 जून, 1981 तक की अविध के लिए नियंक्त करते हैं।
- 2. केन्द्रीय सिचवालय सेवा के वर्ग-1 और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री राधा किशन की उपयुक्त नियुक्ति उच्चतम न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायौलय में रिट याचिका पर निलम्बित निर्णय के अधीन हैं और जिसमें श्री थामस मैथ्यू और 2 अन्य बनाम भारत संघ की 1980 की सिविल रिट याचिका संख्या-511 भी शामिल है।

दिनांक 28 अगस्त 1981

- स. 6/1192/77-प्रशा (राजः)/5252---राष्ट्रपित, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री टी. के. चौधरी सहायक मृख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का त्याग-पत्र 29 जून, 1981 के दोपहर के बाद स्वीकार करते हैं।
- 2. श्री टी. के. चौधरी सी एस आर. 418-स के अन्तर्गत अनुमेय सभी लोगों के लिए अधिकारी है।

एन. एन. कील उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(बस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नइ दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1981

- म. ए.-32013/6/80-व्यवस्था ।।(क)---राष्ट्रपति, श्री जे. एन. सूधाकर, स्थायी सहायक निद्याक ग्रेड 1 (डिजायन) की 10 अगस्त, 1981 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, वाराणसी में उप निद्याक (डिजायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. ए. 32013/6/80-व्यवस्था ।।(क)---राष्ट्रपति, श्री एस. के. दास, स्थायी सहायक निष्ठाक ग्रेड 1 (डिजायन) को 10 अगस्त, 1981 में आगामी आदोशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, कलकत्ता में उप निद्याक (डिजायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी. शंकर अक्षिरिक्त विकास आयुक्त (हथकरण)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, विनांक 10 सितम्बर 1981

सं. 12(669)/70-प्रशा (राज)— तदर्थ प्रतिनियुक्ति की समाप्ति तथा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के बौद्योगिक विकास विभाग संवर्ग (केंडर) में अनुभाग अधिकारी के उनके स्थाइत पद पर प्रत्यावर्तित होने पर, श्री महर्दे पाल गुप्त ने दिनांक 26 अगस्त, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के उप निद्याल (सामान्य प्रशासन प्रभाग) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

विनांक 11 सितम्बर 1981

सं. 12/360/62-प्रशा (राज)— राष्ट्रपतिषी, क्षेत्रीय प्रिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के उप निविधाक (वैश्वत) श्री सी. राधाकृष्णनन् को दिनांक 22 अगस्त, 1981 (पूर्वाहन) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में तवर्थ आभार पर निद्धाक, ग्रेड-2 (वैश्वत) के पद पर नियुक्त ्र से हैं।

सी सी राय उप निदंशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिद्देशालय (प्रशासन अनुभीग-6)

नह दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1981 सं ए-17011/193/81-प्र-6--महानिद्योक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकरता निर्द्रोक्षण मण्डल में भण्डार परीक्षक (इन्जी.) श्री जी--बन्योपाच्याय को दिनांक 13-7-1981 के पूर्वाहन से और आगामी आदेशों के पारी होने तक उसी निरी-क्षण सण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी.) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानपन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

> - सोहन लाल कपूर उप निक्रोंक (प्रशासन) कृते महानिद्याक पूर्ति तथा निष्टान

इस्पात और सान मंत्राल्य

(सान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण

कलकरता-700016, पिनांक

1981

सं. 4339वी/ए-32014(2-ए जी)/79/19बी.---भारतीय भूभूवैज्ञानिक सर्वोक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री च. वी. वी. सत्यनारायणन मूर्ति को सहायक भूभौतिकी-विव के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण मे वेतन नियमान्तुसार 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापत्न क्षमता में, 4-7-81 के पूर्वाहन से पदोन्नित पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 5546बी/ए-19012 (1-एम एफ ए.)/80-19-ए ---श्री महम्मद फीज अहमद को सहायक भूनैज्ञानिक के रूप में

भारतीय भूनैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु प्रतिमाह के प्रारंभिक बेतन पर 650-30-740-35-810-द रो 35-880-40-1000-व रो -40-1200 रु के वेतनमान में , स्थानापन्न क्षमता मे, आगामी आव के होने तक 17 जुलाई, 1981 के पुर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

> वी एस कृष्णस्यामी, महा निद्रोपक

भारत का राजपन्न, अक्तूबर 3, 1981

भारतीय खान ब्यूरो

नागप्र, दिनांक 14 सितम्बर 81

मं. ए-194012 (83)/77-स्था. ए.----विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री आर एस नोगिया, स्थानापन्न सहायक प्रशाननिक अधिकारी की स्थानापन्न रूप मे प्रशासनिक अधिकारी के पद पर भारतीय खान ब्युरों में 13.8.81 के भपराह्न से पदानिति की गई हैं।

> एस. वी. अली, कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यू खे

आकाशवाणी महानिद्देशालय

नर्दं विल्ली, दिनांक

1981

सं . 2/32/60-एस .वा---महानिद्येशक आकाशवाणी एतद-व्वारा श्री आर. एन क्णड् प्रशासनिक अधिकारी आकाशवाणी बेतार जगत कलकत्ता को (पूर्वाह्न) 27-8-81 से वरिष्ठ प्रशा-सनिक अधिकारी के पर पर दूरदर्शन केन्द्र कालकरता में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> एस. वी. संषाद्री, " जन्मदिव शक प्रशासन कृत मेहानियं लेक

स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालयः

नहीं दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1981

. सं. ए 31013/3/81 (ए. आर्ड. आर्ड. पी. एच. र्ड.) प्रैंगा-।---राष्ट्रपति ने श्रीटी पी मिराजकर को 30 जुन, 1978 से असिल भारतीय भौतिक चिकित्सा एवं पूनर्यास संस्थान, बम्बर्ड में प्रोस्थेटिक इन्जीनियर के पद पर स्थापी आधार रिनियुक्त कर दिया है।

> टी. सी. जैन. उप निष्कांक प्रशासन

ग्रामीण प्निर्मिण मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निद्यालय

फरीवाबाद, विनाक 4 सिसम्बर 1981

सं. ए. 19027/1/78-प्र. तृ.--सांख्यकीय विभाग, नर्द - विल्ली के अधीन राष्ट्रीय प्रतीक सर्वोक्षण संगठन, कलकरता मो [']सहायक निवोधक के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री ए. को. श्रीवास्तव, सांस्यकीय अधिकारी फरीवाबाद, विनांक 31-7-81 को अपराह्न में इस निवंशालय रो अपने पद से कार्यम्कत हो गए الح

दिनांक 5 सितम्बर 1981

- सं. ए. 19025/10/81-प्र. तु.——संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियां के अनुसार श्री वीपक रंजन रे को इस निवंशालय के अधीन बम्बद्द में 10-8-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग 3) के रूप मे नियुक्त किया गया है।
- सं. ए. 1902.5 ∕ो।8 ∕81-प्र. तु.---श्रीपी. पी. मुक्खी-पाध्याय वरिष्ठ निरीक्षक को इस निद्यालय के अधीन गौहाटी में दिनांक 3-8-1981 (पूर्वाह्नन) से अगले शादोश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।
- सं. ए. 19025/20/81-प्र. तृ.~--श्री के. टी. राजर-कार, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निष्कालय के अधीन नागपुर में विमांक 14-7-1981 (पूर्वाह्म) से अगले आदशे होने तक तवर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विभणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप मे नियुक्त किया गया है।
- सं. ए. 19025/21/81-प्र. तु.---श्री एस. ओ. गर्नोकर, वरिष्ठ निरक्षिक को इस निवंशालय के अधीन बम्बई मे चिनांक 25-7-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदशे होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 8 सितम्बर 1981

- स. ए. 19023/1/80-प्र. तु.---हिमाचल प्रदेश सरकार के अधीन नूरपुर (जिला कागड़ा) में खड विकास अधिकारी के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री एम. सी. आहरी ने इस निदे-शालय के अधीन अबोहर में विनांक 6-8-81 (अपराहन) में विषणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।
- सं ेए 19023/9/81-प्र. त ---श्री एन जे. पिल्ले, सहायक निष्णन अधिकारी को इस निष्यालय के अधीन बस्बई मो बिनांक 27-6-81 (पूर्वाहन) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तीन महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधारु पर अप्स जाता है, बानि में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप् मे विषणन अधिकारी (यर्ग-1) के पद पर नियुक्त किया जाता
- 2. विपणन अधिकारी के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री पिल्ले ने एलप्पीमे दिनांक 15-6-81 के अपराहन में सहायक यिपणन अधिकारी के पव का कार्यभार छोड़ दिया है।
- स ८ ए . 1902 3 / 10 / 81 प्र. तु . -- श्रीर्षः एस . पॉल्प्प , सहायक विपणन अधिकारी को इस निद्येशालय के अधीन उज्ञंका मे दिनांक 27-7-81 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया तदर्थ आधार पर तीन महीने की अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न बिपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।
- 2. बिपणन अधिकारी के रूप में पदान्निति होने के उपरान्त श्री पालुज ने बीदिकनायकन्तर मे दिनांक 10-7-1981 के अप-हाह्न से सहायक विपणन अधिकारी के पद से कार्यभार छोड़ दिया है।

विनाक 9 सितम्बर 1981

सं. ए. 31014/2/78-प्र.। .---कृषि विष्णन समाहकार, भारत सरकार, भी राजेन्द्र सिंह को विपणन एवं निरीक्षण निर्दे - शालय में सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-।।) के स्थाई पद पर मूल रूप में दिनांक 6-10-1979 से नियुक्त करते हैं।

> बी. एल. मनिहार निदशेक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

स्थायी सुरक्षा अधिकारी, श्री लक्ष्मण हीरानंद करमचंदानी को सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर 31 मई 1981 अपराह्नु को सेवा-निवृत किया गया।

दिनाक 29 जुलाई 1981

स. एम/242/स्थापना 11/3212—इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखा अधिकारी तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी ।। तदर्थ रूप मे नियुक्त लेखा अधिकारी।।। श्री मनोहर केन्न्य मौंगरी को सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर 31 मार्च 1981 अपराहन को सरकारी नौकरी से सेवा निवृत किया ग्या।

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई -400085, दिनाक 27 जुलाई 1981 स. के-197/स्थापना 11/3171--इस अनुस्थान केन्द्र के

दिनांक 30 जुलाई 1981

सं० 5/1/81/स्थापना-II/3236—नियत्नक भाभा परमाणु ग्रनुसंघान केन्द्र निम्नलिखित ग्रधिकारियो को तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने ग्रंकित समयाविध के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त करते है।

क्रमांक नाम तथा पदनाम			स्थानापन्न रूप मे नियुक्ति	समयावधि	समयावधि समयावधि	
				से	तक	
1. श्री जे० वी० नाइक सहायक	 	*	स० का० ग्रधि०	2-3-81	10-4-81	ग्रुपराह्न
2. श्रो डी० एस० इगले, सहायक	•		स० का० ग्रधि०	4-5-81	12-6-81	अपराह्न
3. श्री पी० वी० देशपांडे सहायक			स० का ग्रधि०	25-5-81	10-7-81	अपराह्न
4. श्री बी॰ वी॰ भागुड़े, सहायक	•		स० का० ग्रधि०	30-4-81	30-5-81	ग्र पराह्न
•				8-6-81	10-7-81	भ्रपराह्न

दिनाक 5 अगस्त 81

सं. एच/71/स्थापना 11/3317—इस अनुसंधान केंद्र के स्थायी अधिकारी श्री ई. हजारी लाल को सेवा निवृति की आयु प्राप्त करने पर 30 जून 1981 अपराहन को सरकारी मौकरी से सेवा-निवृत किया गया।

क्. एच. बी. विजयकर उप स्थापना आधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

ऋय और भण्डार निद्शालय

बम्बर्ड-400001, दिनांक 1 सितम्बर 1981

सं. कभिन/23/1/81-स्थापना/17696--- कय और भण्डार निदंशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग के निदंशक ने श्री एल. बी. चन्द्रिगरी लेखा अधिकारी-।। की लेखा अधिकारी-।। के रूप में पदोन्ति हो जाने पर इस निदंशालय के स्थायी सहायक लेखा अधिकारी श्री के. पी. बाडिया को 27 अप्रैल 1981 (प्वीहनी) से 30 मई 1981 (अपराह्न) तक के लिये रुपये 840-40-1000-दर्श-40-1200 के बेतन कम में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी-।। नियुक्त किया ही।

के. पी. जोसफ प्रशासन अधिकारी

(परमाण खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनाक 7 सितम्बर 1981

सं. प. ख. प्र.-2/2897/79-प्रशासन---श्री एस. एल. धटगे द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस. बी. के. अस्थायी पद से दिया गया त्यागपत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निद्शेक द्वारा 31 जुलाई, 1981 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

दिनांक 10 सितम्बर 1981

स. प. ख. प्र.-2/3003/81-प्रशासन---श्री डी. सी. श्रीवास्तवा द्वारा परमाणू ऊर्जा दिभाग के परमाण् खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस. :गि. के अस्थायी पद में दिया गया त्यागपत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निद्शेक द्वारा 28-8-1981 के अपराहन से स्वीकार कर लिया गया है।

दिनांक 11 सितम्बर् 1981

स. प स प्र-1/1/81-भर्ती — परमाणु डार्जा कि र का पर- माणु सिनज प्रभाग के निद्देशक एतद्द्वारा श्री कार. सुर श का परमाणु सिनज प्रभाग में 20 जुलाई, 1981 के पूर्वाहन से अगले आदोश होने तक अस्थायी रूप से वर्जानिक आधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी' नियुक्त करत है।

स प ल प्र-1/1/81-भर्ती---परमाणू उठज विभाग, पर-माणू खनिज प्रभाग के निद्देशक एत्रब्द्वारा श्री सैयद जाकौल्ला को परमाण् खनिज प्रभाग में 17 अगस्न, 1981 के पूर्वीहन से अगले आहोत होने तक अस्थायी रूप से बैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस वी ' नियक्त करते हु⁵।

> एम एस राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो शार केन्द्र

श्री हरिकोटा सामान्य स्विधाण का और सा. प्र. प्रभाग भीतर्रीकोटा-524124, दिनांका 26 जुलाई 1981

पं एस सी एफ/का. और सा प्र/स्था. 1 72—शार केन्द्र के निक्शांक ने निक्सांकित कर्मशारियों की त्यागपत्र, वैज्ञानिक/ इंजीनियर एस बी के पद से, अंतरिक्ष विभाग, धार केन्द्र, श्रीहरिकांटा से अंकित तिथियों में स्वीकार की हैं सर्व/श्री

- (1) एन कामार-31-6-81-मध्याहन
- (2) क्रे के वी एस रधुराम-30-6-81-मध्याहन
- (3) वार सर्गप्रकाश-30-6-81-मध्याह्न
- (4) ए एस जगन्नाथा गव-28-7-81-मध्याहन
- (5) एम वी एल प्रसाद---6-8-81---मध्याह्न

आर गोपालरन्नम प्रधान, कर्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग, **कृते** निद्देशक महानिद्देशक तागर विमानन का कायलिस

नई दिल्ली, दिनाक 11 सित्मद्वर 1981

स ए. 32013/8/80-इंसी—-इस तिभाग की दिनाक 24-12-80 की अधिस्चना सख्या ए 32013/8/80-ईसी के कम में राष्ट्रपति ने श्री जे बी. डाबर, तकनीकी अधिकारी को जो इस सभय निक्षांक, निर्माण और विकास एकक, नई विल्ली के कार्यालय मे विरष्ठ तकनीकी अधिकारी के पंद पर तदर्ध आधार पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 31-3-1981 से विरष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रंड मे नियमित आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी कार्यालय मे तैनात किया है। उन्बतर पदोन्नित के अधोग के लिए।

2. श्री जे. बी डाबर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में उनकी नियमित नियमित का तारीस के अनुसार ब.त.अ./ व. संचार अधिकारी की संयुक्त पात्रता सूची में यथा स्थान रखा जायगा लेकिन शर्त यह होगी कि वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/व. संचार अधिकारी ग्रेड भो उनकी परस्पर वरिष्ठता बनी रहें और यह शर्त भी होगी कि इजीनियरी संवा परीक्षा के आधार पर नागर विमान विभाग में नियम्बत अधिकारियों के मामले में तकनीकी अधिकारी/संचार अधिकारी के पद पर नियमित के लिए उनकी परस्पर वरिष्ठता भी रखी जायगी।

प्रेम चन्य सहायक निद्देशक प्रकासन कृते महानिद्देशक नगर विमानन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क समाहतेलिय

पुणे, दिनाक 8 सितम्बर 1981

में ने में ने 1/केन्द्रीय उत्पादशुल्क पुणे/81 में मार्गहिली द्वारा, जिन व्यक्तियों में केन्द्रीय उत्पादशुल्क निमय, 1944 की व्यवस्थाओं का उल्लं-यन किया है, तथा जिन पर दस हजार अथवा उस से अधिक रूपयों का दंड देने की सजा लागू की गयी है ऐसे व्यक्तियों के नाम, पते तथा अन्य व्योरे दिखलाने वाला विवरण :—

ऋम सं ख् या	निर्वारिति का नाम तथा पता	नियम, जिन की व्यवस्थाओं के प्रधीन सजा/दंड लागे किया है	लागूकी गयी दंड की राशि	प्राधिकार
1	2	3	4	5
	र्स श्री डाइज केमिकल इडस्ट्रीज, भदनगर	केन्द्रीय उत्पादशुरुक नियम 1944के नियम 9(1) के साथ पठित नियम 173-ख, 173-ग 173-ख, 177-छ (1), नियम 52 के साथ पठित 173-छ (2) तथा नियम 53 के साथ पठित नियम 173-छ (4) तथा उसी के नियम 173-थ के म्राधीन दंडनीय	रुपए, 25000/-	केन्द्रीय उत्पादशुरुक तथा सीमा- शुल्क पुणे के समाहत्ता से जारी की गयी दिनांक 3-4-1979 की भाषेण सं० (14 डी) 15-88/न्याय निर्णयन/79

l	2		3	4	5
	क्ष्मण डाहज एंण्ड स्रष्टमदनगर	केमिकल प्राष्ट्वेट	केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम 1944 के नियम 9(1) के साथ पठित नियम 173ख, 173ग, 173घ 173छ (1) नियम 52क के साथ पठित 173 छ (2) तथा नियम 53 के साथ पठित नियम 173छ (4) तथा उसी के नियम 173थ के ग्रधीन दंडनीय	हप ए 50,000 / -	केन्द्रीय उत्पादभुल्क तथा सीमा- श्रुल्क पुणें के समाहत्तां से जारी किया गया दिनांक 13-10- 1980 का मूज आवेश सं० (14 डी) 15-99/न्याय- निर्णयन/79

एव० एम० सिंह् समाहर्सा, केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा सीमाशुल्क, पुणें

सीमाशुल्क/स्थापना

मद्रास-1, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं 8/81—-श्री ए. बी. निरन्जन बाबू को संघ लोक आयोग के उम्मीववार 3-7-81 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक, अस्थार्ड रूप से गीमाशूल्क घर में मीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशे-बज) नियुक्त किया जाता है। वे वो माल तक परखाधीन काल में रहाँगे।

> ए^२. सी. सलवानता, सीमाशुल्क समाहर्ता

कोन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण पश्चिम ब्लाक सं.-8 रामकृष्णपुरम्

नर्क दिल्ली-110022, दिनांक 29 अगस्त 1981

सं. 22/1/81-प्रशासन-। (बी.)—अध्यक्ष, कोन्द्रीय विद्यूत प्राधिकरण, एतद्व्वारा, श्री सृशील कुमार, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्यूत प्राधिकरण में कोन्द्रीय विद्यूत इंजीनियरी (ग्रूप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निद्रशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में 10-8-81 (पूर्वाष्ट्रन) से आगामी आवोश होने तक कोनियर के ग्रेड

सन्तोष विद्यास*,* अवर सम्बद

रेल मंद्रालय

अनुसंधान प्रश्चिकस्यः और **अध्यक्षक संग**र्टन

नजनऊ 226011, विनांक 31 भगस्त 1981

सं ६० एस०/सो० एक एम०/ जो: किम्मिनिकित अधिकारियों को सतुसंधान प्रधिकल्प और मानक संगठन, अधिकारियों को सतुसंधान प्रधिकल्प स्थाप स्थाप

वास्तु (बरिष्ठ वे० मा०)	र स्थायी किया	पद जिस पर स् गया	ov o-	वर्तमान प्रवनाम	नाम	ऋमांक
	(द्वितींय श्रेणी)	ायक बास् तृ ० (दि	1-5-1979 सहायक	•	गीलकुमार पंजरत्न	1. श्री सुर्री
2. श्री के॰ के॰ सेतिया स्था॰ उपनिर्वशक/वास्तु॰ (वरिष्ठ 25-10-79 सहायक वास्तु॰ (बेतनमान)	(द्विताय श्रेणी)	ग्रय क वास्तु ० (द्वित	25-10-79 सहाय	स्था० उपनिदेशक/वास्तु० (वरिष्ठ	० के० सेतिया	2. श्रीके

विभि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी ला बोर्क

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और रोपमीन आयल प्रक्रिकशन का 'हर्न्डिश) प्राइविट लि<u>मि</u>टेड के विषय में ।

नद्दं दिल्ली, विनांक

सं. 8589/10038--कम्पनी अभिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह स्चना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रोपमीन आयल प्रोडक्शन का. (इन्डिया) प्राइंबर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो शिजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

हर लाल, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा।

महा निदेशक

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मनासी एन्टरप्राइजेज प्राः लिभिटोड को निष्य मो ।

नई दिल्बी, डिनाक 30 जार्ड 1981

सं 4689/14267—ज्ञास्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना-दी जाती है कि इस तारीख स तीन मास के अवसान पर मैसर्स मनारी एन्टरप्राइजेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति-कूल कारण दिश्त न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उंक्स कम्पनी विषटित करू दी जायेगी।

जी. जी. सब्सेना, स्हायक कम्पनी राजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टीम एण्ड माई निंग (सुई चिगयर) लिमिटेड के विषय में।

कलकता, दिनांक 2 सितम्बर 1981

सं 25910/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अमुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टीम एण्ड माइनिंग (सूइ ग ग्यार) लिमिटेड का नाम आज रिपस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी भिटित हो गई है।

एस. आर. वि. वि सत्यनारायण कम्पनियों का स्हायक रिजस्टार

पश्चिम बंगाल

ग्वालियर-474 001, दिनांक 5 सितम्बर 1981

सं. कमांक 1039/लिक्वीड रेन/3228--यत मैसर्स स्पी-इंडरन रबर एण्ड टायर्स प्रायवेट लिमिट डे का पंजीकृत कार्यालय 359/1, मोहालपुर, जवलपुर (म प्र.) में हैं और इस कपनी का परिस्मापन किया जा न्हा है,

क्षेत्र किना हस्ताक्षर हतो के पास एस बात पर पिनास उरने के नमार्चन अल्प हो कि छ।ई परिसमापक कार्य नहीं कर रहा हो।

अत अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के अनुसरण में इसके द्वारा यह नोटिस जारी किया जाता है कि जब तक विपरित कारण न वताए जाए, तब तक इस नाटिस की तारील में तीन मास के अविध बीत जाने पर कम्पनी का नाम रिजस्टर में से काट दिया जायेगा और कम्पनी का विघटन हो जायेगा।

सुरोन्द्र कुमार सक्सोना कम्पनी रजिस्ट्रार, म प्र. गर्वालियर

कार्यालयः आयकर आयुक्त, लखनजः आयकर विभाग

लखनक, दिनांक 11 सितम्बर 1981

सं 108—शी सैयद जुबरे अहमद आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ण ''ख'') के पर्य पर तदर्थ रूप से आफि सियेट करने के लिये रु 650-30-740-35-810-दरा-35-880-40-1000-दरो-40-1200 के वेतन-मान में दिनांक 4-3-81 से 31-8-81 (पूर्वाह्न) तक हुई रिक्ति में पदोन्नत किया गया। श्री जुबेर अहमद की निय्क्ति आयकर अधिकारी (वर्ण ''ख'') को श्री राम कुमार गुप्ता आय-कर अधिकारी (वर्ण ''क'') के 31-8-81 (अपराह्न) में सेवा निवृत होने से हुई। रिक्ति में नियमित किया गया है। प्दान्नित पर उन्होंने अयकर अधिकारी, रायबरेली के रूप में कार्यभार संभाला।

धरनी धर आयकर आयुक्त, संखनज प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रश्विनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैवराबाद

्हर्वराबादे, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं. आर.मे.सी.नं. 137/81-82—स्यतः म्फो, एस. गोविन्दराजन,

श्रायंकर प्रक्रितियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नान् 'उन्ने प्रधिनियम' कहा गमा है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्वावर संस्पेति, जिसकी उचितं बाजार मूल्य 25,000/- व• से प्रधिक है

और जिसकी सं 1-2-524/3 हैं, जो दीमलंगुड़ा, हैवराबाद में स्थिति हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, जनवरी, 1981

को पर्वोक्त सम्पति के चित्र बाजार मृहम से कम के वृश्यमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गई हैं भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंबापूर्वोक्त सम्पत्ति का चित्र बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के विद्वह यित्या से प्रिकृ है और यह कि प्रवेतरक (श्रव्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रयापित का, निम्नलिखित उद्देश्य से चन्त अन्तरण लिखित में शास्तिक, क्य से कथिन नहीं किया नया है :--

- (क) धन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी जिसी प्राय पाकिसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिस्तें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिता दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना, चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की प्रारा 269-ण की उपन्नारा (1) के अधीन सिग्नलिखित अ्यक्तियों, सर्वात

- (1) मेसर्स स्वस्तीक बील्डर्स, 1-2-524/3, बोमलगुडा, हैंदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री पी. प्रकाश पिता श्री. पी. पाज्या, 15-8-417/1, फीलखाना, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी ऋरके पूर्वीवत कश्यांस के **अर्थ**म के लिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उपत सम्पंति के अर्जन के संबुध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस लूचना के राज्यत में प्रकाशन की संदर्भ से 48 दिन की कंबीय या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, भी भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न के किसी अन्य व्यक्ति काड़ा, अधीहस्ताकारी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरमः - - इसुर्के प्रकृतकाशीं और करां उर जो 'इता विश्व-नियम', के सक्त्याम, 20-क में परिभाषिक हैं, बहुी प्रयं होगा, जो सस अक्वाय में दिया गया है।

मन्त्र्ची

आफीस नं. 3200 (50%) सागरिवव बील्डींग नं. 1-2- 524/3, की तीसरी मंजील, दोमलगुडा, हैवराबाद। विस्तीर्ग 1218 ची. फूट। रजीस्ट्रीकृत विलेख नं. 326/80 है। रजीस्ट्रीकृत बिलेख नं. 326/80 है। रजीस्ट्रीकृत अधिकारी, हैदराबाद।

एस. गोविन्द रा**जन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ह**ैदराबाद**

सारीस : 13-8-1981

मोहर ;

मक्ष्य साई≉ ही • एत • एस •ः----

आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत ग्रुकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आमुक्त (निरक्षिण) -अर्जन रंज, हैदरायाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1981

सं अगर ये सी कं 438/81-82--यतः म्फे, एस गोबिन्द राजन,

आमकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्रका उजित साजार मूल्य 25,000/- ठ० से प्रधिक है

और जिसकी सं. फैक्ट्री और बील्डींग है, तथा जो आवांनी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आवांनी में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के जिल्ल का कार मूल्य में कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रक्रिफल से, ऐसे दृश्यमां भिन्न प्रक्रिफल का पन्द्र स्मृतिक्स से पधिक है भीर धन्तरिक (धन्तरिकों) भीर प्रम्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तय पाया नया प्रति-फल निष्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखिन में वास्तिक का से किथान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आम मा किसी घन या घरम घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) था उस्त घष्टिनियम, या धन-कर घष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घरतरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

खनः, अव, चनस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उनत प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के, अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, खर्थात्:--- (1) श्री एसः नागेश्वर ताम भिक्का एसः नेकटेस्वराल्, नांच मैनेजर, फार आंध्र प्रवेश स्टेट फाइनांनसीयल कार्पोरोशन, कर्नल।

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स रजनी इंटरप्राइजेस, राम नं 214, रोवा चेम्बर्स, 31, न्यू म्रीन लाइन्स, बम्बई-20। (अन्तरिती)

को यह **शृह्यमा जासी** क्रारके भूहोंकित सरूप्रक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रचैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की सूज्ञि सा तर्सक्त्रव्यी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की घवित, जो भी घवित बाव में सजाप्त होती ही, के भीतर पूजांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर चका स्थावर सम्पत्ति में हित्ह द किसी सन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रश्याय 20-क में यथा परिमाणित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस मुहस्याय में हिमा स्थान है।

मनुस्थी

मंसर्स आदोनी सोलबंटस् प्राह्मबंट लिमिटंड, आदोनी की कम्पनी, हमारत और भूमि। रिजस्ट्रीकृत घिलेख नं 121/80 ह 8 । रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आदोनी।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैंबराबाद

तारीच : 17-8-1981

मोह्यर :

प्रकृप भाई. टी. एन. एस. ----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, हाँदराबाद

हैदराबाद दिनांक 22 अगस्त 1981

सं और ये सी नं 139/81-82-यतः म्के, एस गोबिन्य राजन, आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति जिसका उच्चित्त आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. कृषि भूमि सर्वे नं. 27/1-2-3 है तथा जो हबसीगृडा, है दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, है दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्म ते किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-िमयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) (1) श्री पी. मभूस्वन रोड्डी पिता पी. व्ही. रोड्डी (2) श्री पी. जगमाहन राड्डी पिता पी. व्ही. रोड्डी, (3) श्रीमती रानी क्मृद्रीनी देवी पित राजा रामदेवर्राव, बेगमपेट, हैं बराबाद।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री के ब्रंप्यस्या पिता श्री मातस्या, घर नं 7-63, इंदोरानगर, रामृतपुर, हैंदराबाद। (2) श्री भोजा वेंक्क्टरेस्वरलू पिता श्री शीवस्या, घर नं 4-104, सानीटोरीएम, रामृतपुर, हैंदराबाद। (3) श्री के कोष्णा पिता के गूँधस्या, रामृतपुर, हैंदराबाद। (4) पस्नूरो माधव रेख्डी पिता चीलका रेड्डी, घर नं 8-112, रामृतपुर, हैंदराबाद। (5) श्री बी शाम मनोहर पिता बी कामराज, 1-7-660, रामनगर, हैंदराबाद। (6) श्री के मृत्यालू के दर्गस्या, घर नं 2-1-396/3, नल्लाक्टा, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन को तः तील से 45 दिन को अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पद्र सूचलें। की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती ही, की मीतर पूर्वांकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) ते मुक्का के बीच के में कि कि के भीतर जकत स्थावर संपीरत में हित बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

समसंभी

कृषि भूमि सर्वे नं. 27/1, 27/2 और 27/3, हबसी-गूडा, हैदराबाद में स्थित है। निस्तीर्ण 4 एकड़, 23 गुंठे। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 324/80 है। रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एसः गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, **हैंव**राबाद

तारीच : 22-8-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, हौदराबाद

ॅह⁸दराबाद, दिनाक 24 अगस्त 1981

सं आर थे नी न 140/81-82---यतः म्फे, एस गोविन्द राजन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसेके प्रचीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी मं 11-5-454/1 है, तथा जो रोड हिल्स, हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजर्ड़ोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खेरताबाद में, भारतीय रिजर्ड़ोकर्रा अधिकारी के कार्यालय,

(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1981 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उजित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित के जीत बाजार मुख्य से कम के दश्यमान अतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे विस्तिण के लिए तय प्राया गया प्रतिफाल निम्निसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अब या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निणिखत व्यक्तियों, अधृति :---

- श्री यदती यशवंत राव पिता लेट वाई. सत्यनारायण,
 श्री यदाती श्रीनीवास राव पिता लेट वाई. सत्य-नारायण, घर न. 11-6-842 और 11-6-845, रोड हील्स, होदरायाद।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नजीब्नीसा पति मोहमद सीराज्द्दीन, घर नं 5-6-631, न्यूआगा प्रा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

इमारत जिसका एम नं 11-5-454/1, विस्तीर्ण 1298 चौ गज, रोड हील्स, हैंबराबाद। रीजस्ट्रीकृत विलेख न 30/80 है। रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी, हैंदराबाद।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, हैंदराबाद

तारीव 24-8-1981

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269म(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्तत (निरीक्षण)

अर्जन र्रज, हौदराबाव हौदराबाद, दिनांक 24 अगस्त 1981

⊣. आर.ये.सी.नं. 141/81-82---यतः मुफ्ते,

गायिक्य राजन, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अभिक है और जिसकी सं. 58/एम-8-3 आर.टी. है, तथा जो मलेपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाखद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरीन 1981 को पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से उधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकृत कल निम्निलिखित उद्दृष्ट य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री डी. सीताराम पिता लक्ष्मीनरसम्या, घर नं 12-10-92, सीताफल मंडी, सीकदराबाद। (अफ्तरक)
- (2) श्री टी. व्ही. नारायणा पिता श्री वेकटय्या, वर नं. 58/एम. आइ. जी. //3 आर.टी. पोटी श्रीरामल् नगर, हैवराबाद-500457। (अन्तरिती)

का यह सूचना रारी करके पूर्तजा सम्पत्ति के अवस्क के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के श्रवपत्र में प्रकाशन की तारीच के #5 किन की जनभि का तत्सम्बन्धी क्यां करवाँ पत्र सूचना की तत्रीमल से 30 किन को बन्धि, जो भी जनभि बाद में समान्त होती हो, के भीतर सूची नहां व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्षभ किसी अन्य व्यक्ति वृद्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्सिक में किए का सकेंगू।

स्यव्होकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उसर अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषिक हैं, वहीं मर्थ हींगा जो उस सध्याय में विभा

अनुसूची

घर नं. 58/एम 8-3 आर.टी. मल्लेपल्ली, एम.सी.एच. नं. 10-2-289/120/13, हैंदराबाद। विस्तीर्ण 497-22 चौ. गज। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 18/80 है। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 18/80 है। रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, खैराताबाद।

एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हीदराबाद

तारीय : 24-8-1981

त्ररूप आई० टी० एन० एस०----

क्शयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 268 प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्तत (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 अगस्त 1981

नियाँश सं. आर. ये. सी. नं. 142/81-82---यतः मुक्ते; एस. गोविन्य राजन, आयक्तरं अधिनियम, 1961 (1961 को ध3) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उन्ति वाजार मृत्य 25,098/- व॰ से अधिक है

और जिसकी सं. भाग 3-6-760 है, तथा जो 13वीं स्ट्रीट, हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्तो अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपति का अवित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिकल से, एसे स्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का मिन्निलिशत उद्वेश्य से स्मा सन्तर्म हिन्दु है है है है से वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) कुन्तरण से हुइ किसी नाम की वाबत, दक्त नाँभू-जियम के प्रधीन चर देने के प्रन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविका के जिए। प्रोर/या
- (ब) प्रेसी किसी अप्य या किसी धन या अप्य आफ्तियों को जिम्हें भारतीय बाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम या धन-अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-अमार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त प्रविनियम की बारा 269-ग के प्रगृतरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) (1) श्री राचसाथीरज्यसम्मा पति आर. नारायण गौड, (2) श्री राचसाबालराजः गौड पिता आर. नारायण गौड,
 - (3) श्री राघला सयान्ना गौड पिता आर. नारायण गौड, (4) श्री राघला मेघनाथ गौड पिता आर. नारायण गौड, रहने का ठिकाना कोथा कोटा गांव वानपरथी तालूक, महबूबनगर, जीला। (घर नं. 3-6-760, हिमायत नगर, 13वीं स्ट्रीट, हैदराबाव)।

(2) (1) श्री जन्नमानेनी बेंकट राव पिता घेंकट राय, मानेगूंडम गांव, मेटपली-तालुक, जिला करीमनगर। (2) श्री आलीमेनी जगन मोहनं राव पिता लक्ष्मी-नारायण राव, मधे गांव, जगतीयाल तालुक, जीला करीमनगर। (घर नं. 3-6-760, हिमायत नगर, 13वीं स्ट्रीट, हैवराबाद)।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

नते यहं सूचना जारी करके पूजेंनत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भन्निय या तत्स्य क्वा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भन्निय, जो भी प्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्या किसी त्रिश्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरण :--इसमें प्रमुक्त मध्दों भीर पर्दो का, जो सकत भिवित्यम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस सम्बद्धाय में दिया गया है।

भन्सूची

षर नं. 3-6-760, 13वीं स्ट्रीट, हिमायतनगर, हैंदराबाद का भाग। विस्तीर्ण <math>143 चौ. गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 394/80 है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैंदराबाद।

एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, हैंदराबाद

तारीख : 27-8-1981

प्ररूप आई. टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जन, हौदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 27 अगस्त 1981

निदंश स आर ये सी न 143/81-82---अत एस गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा ्र ६९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा से अधिक ही और जिसकी स भाग 3-6-760 है, तथा जो 13वी स्ट्रीट, हिमायत नगर, हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981 की पूर्वीक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई िक सी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नजिखित व्यक्तिये अधीत -

- (1) (1) श्री राचलाथीर पतम्मा पति आर नारायण गौड, (2) श्री राचलाञ्चालराज गोड पिता आर नारायण गौड, (3) श्री राजना मयाना गौड पिता आर नारायण गोड, (4) राजना मेघना हा विष्य आर नारायण गौड, रहने का ठिकाना काथा कोटा गाव वानपरथी तालक, महबबनगर, जीता (धर न 3-6-760, हिमायननगर, 13वी स्टीट, हैदराबाद)। (अन्तरक)
- (2) (1) आलीनीनी लक्ष्मीनारायण राद पिता ए व कट-रामराव, माथा गाव जगीतीयाल तालक, जीला करीमनगर। (2) चेन्नामाननी व कट राव पिता वे कट राव, मानग्डम, मेटपली ताल्क, जीला करीमनगर, (घर न 3-6-760, हिमायत नगर, 13वी स्ट्रीट, ह दराबाद)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना. की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस, से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नें 3-6-760, 13वी स्ट्रीट, हिमायत नगर, हैदराबाद का भाग, विस्तीर्ण 347 2 चौ गज रजिस्ट्रीकृत विलेख न 416 80 है। रजिस्ट्री ऽर्ला अध्विज्ञारी, हैदराबाद।

> एस गोविन्द राजन रक्ष्म प्राधिकारी महायक अयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, हैदराबाद

नारीख 27-8-1981 **मोहरः** प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, हरिरानाथ

है बराबाद, विनांक 27 अगस्त 1981

निद्येष सं. आर. ये. सी. नं. 144/81-82--यतः मुभ्ते, एस. गोविन्द राजन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं भाग 3-6-760 है, तथा जो 13वी स्ट्रीट, हिमायत नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्त्र, हैदराबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को प्रवेक्त संपत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्के विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रांक्त संपत्ति का उभित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, स्टिपाने में सर्विधा के लिए

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 3---266GI/81

- (1) (1) श्री राचलातीरुपत्रम्मा पित आर. नारायण गाँड, (2) श्री राचला बालराज गाँड पिता आर. नारायण गाँड, (3) श्री राचला सयन्ना गाँड पिता आर. नारायण गाँड (4) राचला मेघनाथ गाँड पिता आर. नारायण गाँड, रहने का ठिकाना काथा काटा गांव, बनारथी तालुक, महबूबनगर, जिला (घर नं 3-6-760, हिमायत नगर, 13वी स्ट्रीट, हैंदराबाद)। (अन्तरक)
- (2) श्री अलीनेनी जगनमोहन राय पिता लक्ष्मीनारायण राव, मोथा गांव, जगतीयाल तालूक, जीला करीमनगर, (घर नं 3-6-760, हिमायत नगर, 13वीं स्ट्रीट, हैवराबाद)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्चनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारी अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

इमारत 3-6-760, हिमायतनगर, हैदराबाद को पहली मंजील। विस्तीर्ण 137.7 चौ गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 422/80 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एस . गोविन्द राजन **सक्षम प्राप्तिकारी** सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र^रज, हदिराबाद

तारीख : 27-8-1981

म्हेर्:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 31 अगस्त 1981

निद`श सं. आर. ये. सी नं. 145 ⁄81-82—-यतः **म्भे,** एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे मस उन्त प्रश्निम मा कहा क्या है), की धारा 260-ख के प्रधीन सम्भम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000' ए॰ से प्रक्षिक है

और जिसकी सं. 1-18 है, तथा जो हाबसीगृडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजिस्टीकर्ना अधिकारी के दार्यालय, हैदराबाद में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1981

की प्रशिक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्ष ने प्रशिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिन्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--

- (1) श्री पी. मध्स्दन रोड्डी पिता श्री पी व्ही. आर. रोड्डी; (2) श्री पी. जगन मोहन रोड्डी पिता श्री पी. व्ही. आर. रोड्डी, (3) श्रीमती रानी क मदीनी देवी पित राजा राम देव राव, बेगमपेट, हौदराबाद। (अन्तरक)
- (2) (1) श्री व्ही प्रभाकर रहेडी. रामाध्यप्र, हैंदराबाद, (2) श्री बी. वेकरेस्वरल्, 4-104, सानीटोरीयम के सामने, रामन्तप्र, हैंदराबाद, (3) श्री
 के. शिवय्या पिता म्थय्या रामन्तप्र, हैंदराबाद,
 (4) श्री आय मल्ला रहेडी पिता नारायण रहेडी,
 रामंताप्र, हैंदराबाद, (5) श्री शाम मनोहर 1-7660, रामनगर, हैंदराबाद, (6) श्री एम. वेक्य्या
 पिता एम. लक्षमय्या, 2-1-396/3, नज्लाक्टा,
 हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तःक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

घर नं. 1-18, हाबसीग्डा, हैदरावाद, विस्तीर्ण 1826 55 चौ. गज। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 325/80 है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस . गोविन्ट राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, हैंदराबाद

'ता्रीब : 31-8-1981

मोहर

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हीवराबाद

हदराबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1981

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 146/81-82--यतः मृभ्हे,। एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 22-7-557 हैं, तथा जो मंडी मिरालम, हैं बराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आक्षम-पूरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप,से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) (1) श्रीमती यावरानिसा बेगम पति लंट नवब फखेर नवाज, 6-3-1102/ए, सोमाजीगृडा, है दराबाद, (2) श्रीमती जहा फरवरानिसा बेगम पति नवाब मेहवी आली खान, घर नं 6-3-891, सोमाजीगृडा, है दराबाद, (3) श्री एस. एम. झकी पिता लंट एस. एम. तक्वी, इराम मानसान, सोमाजीगृडा, है दराबाद, (4) श्री एस. एच. आसकारी पिता लंट एस. एम. तक्वी, घर नं 6-3-1102/ए, सोमाजीगृडा, है दराबाद, (5) श्रीमती रफत जहां काझीम पति श्री करीम ह्यान, जी.पी:ए. श्री एस. मनोहर प्रसाद माथूर, 6-3-530/532, पंजाचटा, है दराबाद।

(अन्तरक)
(2) मोहमद अब्दूल कादर पिता मोहमद जहांगीर घर
नं 17-5-203, आलुवा बीबी, डबीरपूरा,
हैदराबाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारोह से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्युध्वतीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्याधिनगम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

पोर्णीन नं . 22-7-557, विस्तीर्ण 375.68 श्री गज, मंडी मिरालम, हैवराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं . 179/80 है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आझमपुरा।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**यकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन र^नज, ह²दराबाद

अतः अबं, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात्:--

ता्रींच : 3-9-1981

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1981

निद्धेश सं. आर. ये. सी. नं. 147/81-82--यतः भूके, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. 22-7-557 है, तथा जो मडी मिरालम, हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अभिमपुरा दें, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सुविधा को लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों, स्थित् ध⊶

- (1) (1) श्रीमती यावरुनिसा बेगम पति लंट नवब फलेर नवाज, 6-3-1102/ए, सोमाजीगुडा, हैंदराबाद, (2) श्रीमती जहां परवरुनिसी बेगम पति नवाज मेहदी अली खान, धर नं 6-3-891, सोमाजीगुडा, हैंदराबाद, (3) श्री एस एम झकी पिता लंट एस एम तक्वी, हराम मानसोन, सोमाजीगुडा, हैंदराबाद, (4)श्री एस एक आसकारो पिता लंट एस एम तक्वी, घर नं 6-3-1102/ए, सोमाजीगुडा, हैंदराबाद, (5) श्रीमती रफत जहां काझीम पति श्री करीम हुजन, जी पी ए श्री एस मनोहर प्रसाद माथूर, 6-3-530/532, पंजागुटा, हैंदराबाद।
- (अन्तरक)
 (2) (1) श्रीमती इनाब बी पित एस. एम. घन्नी साहेब,
 22-4-594, याक्तपूरा, हैदराबाद, (2) फउम्नया
 सुलताना पित माहमद अब्दल खदीर, (3) कलीजा
 तसबीम पित मोहमद अब्दल रउन्छ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पीत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उच्चता अधिनियम, के अध्याय 20 क में पर्टिरभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

पोर्शन नं .22-7-557, विस्तीर्ण .422.52 चौ. गज, गंडी मीर-आलम, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृश विलेख नं .102/80 है, रिजस्ट्रीकृता अधिकारी, आझमपुरा।

एसः गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाद

तारी**च**ः 3**-9**-1981

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ह्रीदराबाद

हैं बराबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. आर. ये. सी. नं. 148/81-82--यतः मुफ्ते, एसः गोनिन्द राजन, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पुत्रचात् 'उक्त अधिनियम कहा गयाह"), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 / रु. से अधिक 🗗 और जिसकी सं. 22-7-557 है, तथा जो मंडी मिरालम, है वराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आज्ञमपुरा मे , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981 को पूर्वो वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रप्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उददोष्ट सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आंग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्वैव्धा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन निस्निलिसत स्यक्तियों, अर्थात् १--

- (1) (1) श्रीमती यावरुनिसा बेगम पित लेट नवाब फखेर नवाज, 6-3-1102/ए, सोमाजीगृडा, हैदराबाद, (2) श्रीमती जहां परवरुनिसा बेगम पित नवाब मेहवी अली खान, घर नं. 6-3-891, सोमाजीगृडा, हैदराबाद, (3) श्री एस. एम. झकी पिता लेट एस. एम. तक्बी, इराम मानसोन, सोमाजीगृडा, हैदराबाद, (4) श्री एस. एच. आसकारी पिता लेट एस. एम. तक्बी, घर नं. 6-3-1102/ए, सोमाजीगृडा, हैदराबाद, (5) श्रीमती रफत जहां काझीम पित श्री करीम ह्चान, जी.पी.ए. श्री एस. मनोहर प्रसाद माथूर, 6-3-530/532, पंजगृटा, हैदराबाद।
- (2) श्रीमती नूरजहां पति मोहमद अब्दूल कावर, 17-5203, अलवा बीबी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्ज व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास, लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुवा हाँ।

अनुसूची

भाग नं . 22-7-557, मंडी मीरआलम, हौदराधाद, विस्तीर्ण $346\cdot 17$ घीं . गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं . 91/80 ही। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आभामपूरा।

एसः गोविन्दः राजन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, हैंदराबाद

तारीख - 3-9-1981 मोहरः

प्ररूप आईं । टी । एन । एस । —

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1981

निर्देश सं आर. ये. सी. नं. 149/81-82--यतः मुक्ते, एस गोविन्द राजन,

प्रायक्तर ग्रिधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रिधिनियम' हहा गया है), की घारा 269-ख में प्रधीन नक्षण पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- न्पए से ग्रिधिक है और जिसकी सं. खुला प्लाट नं. 9 है, तथा जो बेगमपेट, हैंदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को वर्गोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना पाना गा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) उत्तरा में हुई िमो प्राप्त की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तभ बचने में मुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी घन या स्रन्य स्नास्त्यों को, जिन्हें भारतीय स्नायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रधिनियम, या धनकर स्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जे किया जानां चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रत: ध्रव, उक्त ध्रिविनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त ध्रिधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ख्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट:—

(1) मैसर्स धनलक्ष्मी को. ओपरेटोव्ह हाउजीन सांसाइटी लिमिटेड, टी.ए.बी. 109, द्कान नं 16, इंडारे स्टेडीयम, फते मैदान, हैंदराबाद, श्री डी. रामकृल्णा रेड्डी संकेटरी पिता डी पुल्लारेड्डी, चीकडपल्ली, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) (1)श्री एन. नरंदर प्रसाद पिता सत्यनारायणा, 3-4-663/22/1, नारायणगृडा, हैंदराबाद, (2) श्री डी. रमेश पिता डी. मल्लय्या, आकुलामइलावरम (3) श्री एम. गनेशराव पिता कृष्णा स्वामी, नारायण गृडा, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के तस्त्रन्य में कोई सी प्राक्षीत: --

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डीकरग: --इपमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-निरम के श्रद्याय 23 के में प्रिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

ख्ला प्लाट नं. 9, विस्तीर्ण 1020 चौ. गज, एम.सी.एच. नं. 6-3-1186, बेगमपेट, ब्लुमून होटल, हैंदराबाद के पास, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 444/80 हैं। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैंदराबाद।

> एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन ट्रॅंज, हैंदराबाद

तारील : 4-9-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 209-घ (1) के घंबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, विनांक 5 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. आर. ये. सी. नं. 150/81-82--यतः मृभ्ते, एस. गोशिन्द राजन,

आयकर अधिनियमः 1961 (1961, का 43) (जिसे इनमें इसके पण्चान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 299-ख के ज्ञित सम्म प्राजिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिल्ला उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं 4-1-824 है, तथा जो जवाहरलाल नेहरू रोड, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबत्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

1908 (1908 का 16) के अधान, जनवरा, 1981 को पूर्वांकत सम्पत्नि के उचिन बाजार मूल्य में कम के बृश्यमान प्रतिफल के िए प्रनारित की गई है और मुझे यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति- फल निश्वित उहेश्य से उक्त प्रश्वरण निव्वत में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त स्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धण्तरक के दाविश्व में कमी करने या उक्तसे बचने में बुविधा के लिए। और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर शिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थं ग्रन्तिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के अमु-सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 268-वृकी उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिखन ठाविनणी अर्थात् 1-→

- (1) समझल बस्तावाला पिता अल रुस्तूमजी बस्तावाला, 4-1-824, जवाहरलाल नेहरू राष्ट्र, हैवराबाद। (अन्तरक)
- (2) मैसर्म डाइमड बील्डर्स 4-1-824, ज. एत. रांड, हैदराबाद, मेनेजींग पार्टनर श्री शहाबुद्दीन पिता लंट म्राइअली, 2-3-66, राम गोपाल पेट, सीकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उका सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा भाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीश्व से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर लूचना की सामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ध्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राज्य : में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उत्त स्कावर अंपित में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति अरा, अधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपध्टीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंनुसूची

परिसर नं. 4-1-824 (पूराना नं. 8-2-824) जवाहर-लाल नेहरू रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 940 चौ. गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 436/80 है। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो, हैदराबाद।

> एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज हैंदराबाद

त्रीब : 5-9-1981

प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैदराबाद

हैवराबाद, 5 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. आर.ये.सी. नं. 151/81-82-- यतः। मुफे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 21-7-168 और 469 है, जो सकर कोटा है दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, है दराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1.908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अधिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

- (1) श्री मोहमद सुलेमान पिता मोहमद राभानी, 21-7-436 और 437, शकर काँटा, हदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मीथलेश पति लक्ष्मनदास आगरवाल, 22-5-780, चौकमैदान सान, (21-7-468 और 469 शकर कोटा, (हैदराबाद) हैदराबाद। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन औं लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जनसंची

घर नं. (वा मंजील) 21-7-468 और 469, शकर कोटा, हैदराबाद । विस्तीर्ण 1748 चौ. फूट । रजीस्ट्रीकृत विलेख नं. 426/80 हो। रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद।

> एस. गोविन्द राजर्भ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^नज, ह^नदराबाद

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

तारीब : 5-9-1981

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

हैवराबाद, 10 सितम्बर 1981

निद^भरा सं. आर.थे.सी.नं. 152/81-82---यतः म्फ्रे, एस. गोविन्द राजन,

प्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं 6-3-1186 है, जो बेगमपेट, हैंदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1981

को प्रांक्त संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करके का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्ष्ण, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पम्द्रश्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप में कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५--- 4--266GI/81

(1) मेसर्स धनलक्ष्मी कोआपरोटिव हाउजिंग सोसाइटी टी.ए.बी. 109, द्कान नं. 16, इन्डोर स्टोडि-यम, फलेमइदान, हैदराबाद बाइ सकेटरी डी.डी. रामकृष्णा रोड्डी, पिता डी. पुल्ला रोड्डी, शीक्कड पल्ली, हैदराबाद।

(असर्पत)
(2) मंसर्स एन वी. इन्बंस्टमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड इंडिया हाउस, 5 वीं मंजील जी.पी.ओं. फोर्ट के सामने, बबई-400001 बाइ डाइरबेटर एम. एम. खेमानी पिता मूल्बंद एच. खेमानी, प्लाट नं. 30, नरसापूर रोड, बालानगर, हदिराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पतिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधास तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधा , जो भी अविधा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकोंगे।

स्पक्किक्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका गमा है।

अनुसुची

भूमि, इमारत स्ट्रक्चर और बाउं ह्रीबाल के साथ। एम. नं. 6-3-1186, बेगमपेट, ह्रीदराबाद 1/3 मुख्य इमारत और बाहर के घर जिसका परिसर 7000 ची. गण मेसे 2333 ची. गण है। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 386/80 ही। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, ह्रीदराबाद।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हाँदराबाद

तारीख: 10-9-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्तत (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैंदराबाद हैंदराबाद, 10 सितम्बर 1981

निर्दोश मं. आर.ये.मी.नं. 153/81-82---यतः म्भे, एस. गोविन्द राजन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपालि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी स. भूमि सर्वे नं. 182/ए हैं, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1981

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दहयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्तिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखन में रास्तिक अप से अधिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती अभमतीनोसा बंगम पति लेट अब्दुल कथ्याम जान, 8-3-960, अमीरपेट, हैंदराबाद ।
- (2) (1) मेमर्स पुष्पा देवी तीबीरवाला पति चंद्रप्रकाश घर नं 5-2-355, हैदरबस्ती।
 (2) दीलीपक्मार तीबेरवाला पिता ऑमप्रकाश तीबेर-बाला, घर नं 5-9-22/41/बी आवर्श नगर, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पहित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्धारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लेंड विस्तीर्ण 837.20 चौ. गज बोगमपेट, हैंवराबाद सर्वों नं. 182/9/ए रिजसीकृत विलेख नं. 140/80 हैं। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैंदराबाद।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 10-9-1981

1 1

प्ररूप माई० टी• एन• एस•---आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निद^{*}श स. 24/काकीनाडा स्कोड/81-82---यतः म्फे, एस. गोविन्द राजन,

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मुख्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं. स्थल है, जो बीच रोड, विशाखापट्टनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापट्टनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (कः) बन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त श्रिष्टिनयम के श्रिष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्री मरोला वोकटचला (वरीष्ठ) काशोमकोटा के जमीन-दार, अनकापल्ली के करीप ।

(अन्तरक)

2. श्री बाचला रमनय्या पिता बी. वी. सुब्बाय्या, ओंगल। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी सरक पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के प्राप्त लिखित में किए जा सकोंगे।

स्। ब्रह्मिकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला स्थल 640 चौ. गज बीच रोड विशासापट्टनम, वालटीयर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 272/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशासापट्टनम।

एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी 'सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ृअर्जन रॉज, हैंदराबाद

तारीख : 7-9-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निदें शे सं . आर . ये . सी . नं . 25/81-82/काकीनाडा स्कोड-एस . गोविन्द राजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. असेसमेंट 20934 और 20824 है तथा जो विजयवाड़ा नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-1-1981

का पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भित्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल के पन्भ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विध्वित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिसु;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अर्नुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री वेमुरी शीवाजीराव पिता सत्यनारायण राव, प्रिन्सीपाल साइन्टीफीक आफीसर, डीफेन्स यलक्ट्रौ-निवस लैंबोरेटरी, राजपुर रोड, देहरादून। (अन्तरका
- 2. श्री कनका दुर्गा यन्टरप्राइजेज, बकीनधामपैटा, विजयवाडा बाइ इट्स मैनेजिंग पार्टनर श्री वीराराम-चनेनी सुबा राव, कांग्रीस आस रोड, विशाखापट्टनम-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृथाँ कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1300 चौ. गज दो मंजिल की इमारत, एन.टी एस. नं. 357, रवेन्यवार्ड नं 9, ब्लाक नं. 9, विजयवाडा नगर असेसमेंट नं. 20934 और 20824। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 554/81 रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

एस गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)' अर्जन र^रज, ह²दराबा**द**

तारीख: 7-9-1981

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हाँदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 सितम्बर 1981

निद्श स. आर. ये. सी. नं. 26 और 27/81-82/ काकीनाडा स्कोंड—यत: मुके, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपोत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 4-4-81 हैं, जो सेकड लाइन चंद्रमौलीनगर, जी.टी.आर. में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 जनवरी, 81 और 15 फरवरी 81 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री नीम्मागृडा सूर्यप्रकाश राव पिता व कटाप्पथ्या, डोनेपुडी गाव काथुरु गृट्र के पास (अन्तरक)
- (2) श्री बेका चल्लास रतनम पति चंद्र शेखर राव, ब्रांडीपेटा, गुट्र, (2) श्रीमती वेका सुब्बा राज्य-लक्ष्मी पिता स्थारक राव 6 वी लाइन, ब्रांडी पेटा, गुट्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसूची

धर नं. 4-4-91, डी. नं. 210, चंद्रामौलानगर मूनीसी-पाल असेसमेंट 4817-356-84 चौ. मीटर रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 1068/81 रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी गृंटर।

> एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

तारीख : 7-9-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं. आर. ये. सी. नं. 28 और 29/81-82 काकीनाडा स्कोंड--यतः मुफ्ते, एसः गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त प्रतिविषम' कहा गया है), की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं आर एस नं 462 है, जो पदामिरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमावरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 जनवरी 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- 1 (1) श्रीमती दतुलुरी सत्यवती पित प्रकाश राजू कोपली, भीमावरम तालुक (2) श्री दतुलुरी कोट स्वरराजू पिता प्रकाश राजू को पली, भीमवरम तालुक (3) श्रीमती इंदुकुरी माधवी पित विजयरामराजू पीप्पारा ताड पलीगुडम तालुक (4) श्रीमती दतुलुरी नीलम्मा पित व कटराजा राजू का पाली, भीमावरम तालुक (5) श्री दतुसलरी सत्यनारायण पिता कीष्णम राजू को पाली।

(अन्तरक)

(2) डा. एम. बापीराजु पिता लक्ष्मीसीम्हा राजू चेयरमेन, महात्मागाधी मेमोरीयल ट्रस्ट्र, भीमावरम। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि आर.एस. नं. 462, 4 एकर, 19 सेंटस पेदा-मीरमगंव, भीमावरम तालुका भीमावरम जिला वेस्ट गोदावरी। रजीस्ट्रीकृत विलेख नं. 40 और 53/81 रजीष्ट्रीकर्ता अधि-कारी भीमावरण।

> एस गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख: 7-9-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आगकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 मितम्बर 1981

सं. आर. ये. सी. नं. 30/81-82 का कीनाडा स्कांड---यतः मुभ्ते, एसः गोविन्द राजनः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रह. से अधिक है और जिसकी सं 7 वा वार्डींब्स है, जो बतीब स्ट्रीट कंट्कर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कंडकर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31 जनवरी 1981 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रिष्णिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण ही कि प्रभागक कि रणीए के लेखेन हाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रध प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्सित उद्दोष्य मे उक्त अन्तरण लिक्सित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्नलिसिट व्यक्तिनयों, अर्थात :--- (1) श्री शक बाशा पिता भाया सांहोब, खतीब स्ट्रीट, कड्कु, जिला प्रकाशम।

(ङन्सरक)

(2) (1) श्री पेकरों लेकट मुक्क्या पिता नरगीम्हर कडुकु (2) श्रीमती पी. धनलक्ष्मम्मा पति पी. मुब्बस्या कडुकुर (3) श्री पेकरी वेकटोस्वरल पती पी. व्ही. मुब्बस्या बान्कर (4) श्रीमति पेकरी वेकटोस्वरल कडुक्। (5) श्री पुरुरी माला को डस्या पिता नरसीम्हम, बद्वीप्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध
 िकसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 िलिखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पती चावल की मील 2420 घो. गज. 7 वा वार्ड सतीब स्ट्रीट, कड्क एस नं. 765, 50 सेंटम् रजिस्ट्रीकृत विलेस नं. 149/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कंड्क

> एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, हेदराबाद

तारीख · 7-9-1981 मोहर प्ररूप आहु . टी . एस . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 क ⊿3) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हौदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं. आर. ये. सी. नं. 31, 32, 33 ,34, 35/81- 82 काकीनाडस्कांड--यतः मुभ्ते, एसः गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रत. से अधिक है और जिसकी सं. खुला स्थल है, जो तुनाली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31 जनवरी को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफर्ल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाग करते दो कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

- पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
 - (स्त) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों किसी आय को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया कियाजाना चाहिए था छिपाने में स्विधाको लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) (1) श्री समता नागेसवर राव पिता वेंकटोस्वरल, आजलपालम, (2) श्रीश्मिति तुम्मा श्रोशम्मा पति चेंट-स्थामी वैसा ही, (3) श्रीमित समता दुर्गाम्बा पहि वेंकटेस्वरल वैसं ही, (4) श्रीमित बाधी रहेडी सीतारायम्मा पति वोंकटस्वरल वैसे ही, (5) श्री थुम्मा नागा मलस्यरम्मा एति वेकट सुब्बय्या वैसे ही

(2) श्री ए. पानीर चक्रवती पिता ए. राभय्या मंनेजीं ग पार्टनर, ऋष्णा थेटर, तेनाली घर नं. 14-13-20(1), तेनाली

(अन्तरिप्ती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

ख्ला स्थल, विस्तीर्ण 2282 चौ. गज कंपाउड वाल के साथ, 2 रा वार्ड, 3 ब्लांक टी. एस. नं. 20, तुनाली नगर। रजि-स्ट्रीकृत विलेख नं. 90, 91, 92, 93 और 94/81, रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी तेनाली।

> एस. गोविन्द राजन सक्षम अधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारील : 7-9-1981

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निदर्श सं . 24/अर्जन/81-82 कानपुर--अतः मुभ्ते, विवेक बनर्जी,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से मधिक है.

और जिसकी सं. 579 प्लाट है तथा जो एन ब्लाक काकादेव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जनवरी 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्थरण से दुई किसी आय की बाबत, छक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भव, उक्त श्रष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रष्ठिमियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रष्ठीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. शर्यात:→5—266GI/81

- (1) श्री निर्मल चन्द्र घटजी पुत्र स्व. सौराविन्त ६टजी निवासी 113/62 स्वरूप नगर कानपूर (अन्तरक)
- (2) श्री अविनास चन्द्र सुसिया, श्री मती मंजुला सुसिया, अगजीत कुमार सुसिया निवासी 90/240, इफत-साक्ष्याद कनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो छनत प्रश्चितियम के प्रक्रमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्च होया, जो छस मध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

प्लाट नंबर 579 ब्लाक एन काकादेव में स्थित हैं जिनका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है।

> विवेक बनजी सक्षम् **अधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज, कानपूर

ता्रीख: 9-9-81

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निद्रोश नं. 51/अर्जन/81-82/शाजियाबाद---अतः मुक्ते, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 182 हैं, तथा जो सूर्य नगर में स्थित हैं

और जिसकी सं. 182 ही, तथा जो सूथे नगर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वावरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 8 जनवरी 81

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्रीमती कमला रजदान पत्नी स्व. श्री एल. एल. रजवान निवासी बी 67 सूर्य नगर गाजियाबाद वर्त-मान बी-8 ग्रेटर कौलाश एनकलेव सेकिण्ड नई विल्ली-48

(अन्तरक)

(2) श्री कुवंर स्जंय कुमार पुत्र श्री जागेन्द्र नाथ क्ष्युमार निवासी 9801 नवावगेज घहली-6

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कर्द । वॉक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अस्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हाँ, वही अर्थ श्रोग जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अन्स्**यी**

मकान जो सम्बन्धित नं. प्लाट 182 क्षेत्रफल 355-55 वर्ग गज स्थित सूर्य नगर गाजियाबाद तह. दादरी जिला गाजियाबाद कवर्ड एरिया 275 वर्ग गज, स्थित हैं।

> विवेक बनजीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऊर्जन रौज; कानपुर

तारील : 9-9-81

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

वर्जन रोज, मदास

मद्रास, विनांक 7 सितम्बर 1981

निक्श सं 11329--यतः मुक्ते, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रा. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 15/8, सौत अलगेसन रांड है, जो सनगनूर, कायमबट्दूर में स्थित हैं (और इससे उपाइद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कायम-बट्टूर (लेख सं. 172/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अनवरी 1981 को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वी बूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, स्थात्:—

(1) श्री बी. रान् नारायनं

(अन्तरक)

(2) श्री पलनियेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको 'पृवाँक्त सम्पृत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की 'तारिक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण-15/8, सौत अलगेसन रोष्ठ, सन्गबूर, कोयमबट्टूर (लेख सं. 172/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, मद्रास

तारीस: 7-9-81

प्रकप भाई०टी०एन०एस०-------

भावकर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निवर्ण सं. 11318--यतः मुक्ते, राधा बालकृष्तं, भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रक्रिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के मंबीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- द० से

और जिसकी सं. 21/10, हैं, जो वैसियाल स्ट्रीट, कोयम-बट्ट्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कायमबट्टूर (बाकू में ट सं. 6496/81) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरुप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर प्रस्तरण लिखित में वास्तविक 🕶 में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रांध-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसा धन या ग्रन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय अस्यकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, याधन कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः भंब, उक्तं ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, इन्स प्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थंत् :-

(1) सी. राम. लकशमिपति और सकेंदरम

(अन्तरक)

(2) श्रीजयपन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां सरता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 435 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों भौर पदों का, जो खक्त ग्रविवियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

भूमी और निर्माण-21/10, वैसियाल स्ट्रीट, कायमबट्टूर (डाक् मेंट सं. 6496/81)।

> राधा बालकुष्ने सक्षम अधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

तारीख: 7-9-81

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना (1) श्री नरिसमहन और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री वी. राजकीपाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निशीक्षण) अर्जन रोज-।।, मन्नास

मद्रास, विनांक 7 सिलम्बर 1981

निद्येश सं. 11354--यतः म्फे, राधा बालकुष्तं, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 का को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अभिक ही और जिसकी सं. टी. एस. 1/1402/1 है, जो कृष्नरायप्रम कोयमबट्टर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयभबट्टूर (डाक्समेट सं. 1565/81) मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तोरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाना गया प्रति-फल निस्नितिवित उद्देश्य से उन्त अन्तर्थ सिवित में वास्तविक रूप से करियत नृहीं किया गुया है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था एक में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पृयोंक्त सम्परित के अर्जन के ज़िए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि टी. एस. सं. 1/1402/1, कृष्नंरायपुरम कायम- बह्दूर (ठाकूमें ड सं. 1565/81)।

राधा बालकुष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मग्रास

तारीब: 7-9-81 **मोहरु** 🏿

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निष्**षितः स्वक्तियों**, अधित्।:--- प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मदास

मंद्रास, दिनाक 7 सितम्बर 1981

निद्येश सं. 11354--यतः मुक्ते, राधा बालकृष्नं , आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. एस. सं. 1/1042/1 है, जो कुष्नराय-पूरम कोषमबट्टार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टूर (लेख सं. 1564/81) मे रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च को पूर्वोक्त संपत्ति के उर्चित बाजार मूल्य से कम के सदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का परंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तं अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः ब्रबं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिस व्यक्तियों, नर्थात् :---

(1) श्री नरसिमह चेट्टियार और अदरस

(अन्सरक)

(2) श्री रा. वी. राजन

(अन्सरिती)

को यह स्वा बारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- *(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी टी. एस सं. 1/1042/1, कृष्नरायपुरम, कोयम-बट्टूर (लेख सं 1564/81)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मन्नास्

तारीख 7-9-81 मो**डर**ः प्ररूप माई० टी• एन• एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-**व (1**) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 सिलम्बर 1981

निविधा सं. 16210—यतः मुक्ते, राक्षा बालकृष्तं, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. 12 पून पी., इडिस्ट्रियल एस्टेंट हैं, जो मधास 32 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदामेंट (डाक् मेंट सं. 45/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 81

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखत उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्त्रिक हम से कथित नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के प्रणीन कर देने के प्रमारक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अम, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के समुखरण में, में उनत प्रक्षिनियम की घारा 269-म की उनदारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवितः—

- (1) श्री सदरन कनठ्यटस
- (अन्तरक)

(2) श्री शनबारे रीफ नरी

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपक में प्रकातन की तारीख से 45 बिन की अवधि या तस्वक्याधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 बिन की घवकि, जी भी खबिब बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सरक्टी करगः ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उन्त अधि नियम के अक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण 12 एन. पी. इंडस्ट्रियल एस्टेट, मद्रास 32 (ठाक में ड सं. 45/81)।

राधा आलकुर्ज सक्षम प्रा<u>धिकारी</u> सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रूजि-।।, मन्नास

तारीख: 7-9-81 मोहर: प्ररूप धाई॰ ही॰ एन॰ एस॰~-

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, मन्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निवोध सं. 9278--यतः मुक्ते, राधा बालकुष्तं, धायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गयां है), की धारा 269-ख के प्रशीत सक्षय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित म्स्य 25,000/-रुपये मधिक से और जिसकी सं. 11 **ह**ै, जो नारत कार स्ट्रीट, चिदमबरम मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विवस्वसम (लोस सं 76/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहस से कम के वृत्रयमान प्रतिकृष के सिए अन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहस, उसके वृत्रयमान प्रतिकृत से, ऐसे वृत्रयमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिकित उद्देश्य से उनत धन्तरन लिकित में वान्तिकित कप से कविन नहीं किया नवा है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधितियम के धनीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुखि। के सिए; घौर/या.
- (ख) एसी किसी श्राय या किसो छन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के घनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उक्षारा (1) के अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :~- (1) श्री समबनदम पिल्लै और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री रित्तना मनि अम्मान

(बन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजैन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वित, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 विन की सर्वित, जो घो प्रवित्त बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावश सम्पत्ति में हित-वद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो ज्वत धिवियम, के अध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वहीं घर्य होगा जो उन घडनाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-11, नारत कार स्ट्रीट, चिदमबरम (लेख स. 76/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-≀।, मदास

तारीखः 7-9-81

प्रकप माई• टी॰ एन• एस॰---

धायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 सितम्बर 1981

निवास सं. 11270--यतः मुभ्ते, राधा बालकब्तं, आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से प्रधिक है मुख्य और जिसकी सं. 22 है, जो रोलवे स्टोशन रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (ठाकामें ड सं. 38/81) में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जनवरी 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है भौर श्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त ब्रधि-नियम, के प्रधीन कर वेने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिशनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सव, इन्त प्रविनियम की धारा 269-ग के पनुसरण में. में, उस्त प्रविनियम की घारा की 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अवित्:---6-266GI/81

(1) श्री जान जी. नायठ और अवरस

(अन्तरक)

(2) श्री ई. पी. कोलनठस्वामी और ठी. जानकी (अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप'।--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मम्पन्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास निजित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्यं होगा, जो उस श्रष्टकाय में विया गया है।

मन् सूची

भूमी और निर्माण-22, रोलवे स्टोशन रोड, ईरोड (ठाकू-में ड सं. 38/81)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीख: 7-9-81 मोहर:

प्ररूप आह्रे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

मग्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निदश सं. 11271--यतः मुक्ते, राधा बालकृष्नं, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 55 बी., वैस चेरमन टी., वीरबम्र चेट्टियार रोड ही, जो इरिडे में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकर्मेंट सं. 162√81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 अनवरी को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर्त संपत्ति का उचित वाजार मुरुष, उसके इरुयमान प्रतिकल से, एसे इरुयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिसित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है ६--

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्≗-- (1) श्री स्लोचना समपत और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री रामस्वामी कांडर और कम्पनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृत्रों कर व्यक्तियों हों से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

वगुलुकी

भूमि और निर्माण 56, वैस चेरमन टी. वीरबद्र चेट्टीयार रोड, इरीड (डाक्र्मेंट सं. 162/81)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, मन्नास

कारीखः 7-9-81 मो**हर**ः प्ररूप नाइं. टी. एन्. एस.-----

बाय्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) को स्थीन सुच्ना

भारत सरकार

काम्सिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना।, मद्रास

मक्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. 16229-- यतः मुक्ते, राधा बालकृष्म, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-■ के अभीन सक्षम प्राधिकारी क्यें, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-राः संबधिक है और जिसकी सं. 2, स्ट्रेरिनिय रोड है, जो फरस्ट स्ट्रीट, मन्नास-34 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर (डाक मेट सं. 131/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 81 को पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्ट्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (**श**न्तरितियाँ) के बीच पासे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्देश्य से उनत नृत्रुण निष्तु में बास्तविक <u>रूप</u> से कथित नृहीं किया गया ह*ै:--- '*

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ब्रिश्च नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बुधने में सुनिशा के लिए। अफ़िं/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिपः।

श्तं श्रु स्व , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, सनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृ की उपधारा (1) के सुधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् हे--- (1) श्रीटी कृष्नम्माल

(अन्तरक)

(2) श्रीके. मोहमद भौस साहिब्

(अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-2, स्ट्रेलिनग रोड, फरस्ट स्ट्रीट, मद्रास-34 (डाक्यूमेंट सं. 131/81)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् र्ज-।।, मुद्रास

तारीब: 7-9-81

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 सितम्बर 1981

निद्येष सं. 9324--यतः मुभ्ते, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. इलुप्य कुडि है, जो कौरकुडि में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, करिक्डि (लेख सं. 346/81) में भारतीय रिजस्ट्रोक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च81 को पूर्विक्त संपन्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री अरुलमिगु, स्क्यमप्रहास् ईस्वरर (अन्तरक)
- (2) श्री कारक्तुठि का-आपरटेवि हाऊस बिल्डिंग सोसायटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन, के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सक्किकी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्बीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शम्बों और पंची का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वृत्सूची

भूमि इस्पर्काडि, कोरकडि (लेख सं. 346/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त अग्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मन्नास

तारीबः 7-9-81

प्ररूप माई० टी० एन० एस० ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मदास, विनांक 7 सितम्बर 81

निद्येश सं. 9324---यतः, मुभ्ते, राधा बालकृष्नं, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुख्य 25,000/- क्पये ने प्रधिक है और जिसकी सं. इलप्पकुडि हैं, जो कोरेकुडि (लंख 338/81 है, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारेक्डिमे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुम्पमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह व्यिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का ाचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (फ) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिश्रक नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए। भौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उपत प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उपत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीन:--

- (1) श्री अरुलिमिक्त स्वयमप्रहास इंद्रवशर तिरुकोयिल (अन्तर्क)
- (2) करिकुडि कोआपरेटिव हाउन्स बिल्डिंग सोसायटी (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रान्य व्यक्ति हारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पर्वो का, जो उक्त सिध-नियम के सम्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म होता, जो उन सम्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि इलुष्कुडि, कार कुडि (डाक्सेट स. 338/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी स**हा**गृक बागुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज। , मुद्रास

तारीब : 7-9-81

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

भागुकर अपिनुगुम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज ।।, मद्रास

मदास, विनांक 8 सितम्बर 81

निदेश सं. 16212—यतः, मुक्ते, राधा बालकृष्णं, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 24, हैं, जो ।। मंन रोड, मद्रास-20 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैवापेट (डाक्ट्रमेंट सं. 121/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, मार्च 81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नलिखित उद्देश्य से उध्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक इस से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) जन्तरण से हुइ किसी जाक की वावत उक्त अधि-नियम के क्षीन कर दोने की अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्कन में सुविधा के सिए; बीट/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्द्धिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण वै. मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रेमसागर नागरतनम्मा सुरन्द्र रड्डी

(धन्तरक)

(2) जयसेकर रोड्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूजांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के द्राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपुत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकृरी के पास सिचित में किए जा सकागे।

स्पष्टिकरण;——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

न्तृत्वी

भूमी और निर्माण-24, ।। मेन रोड, मद्रास-20 (डाकरू-मेट सं. 121/81)।

राधा बालकृष्मं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंजा।, मुद्रास

तारीब ? 8-9-1981 मो**हर**ः, प्ररूप आई० टी० एन० एस•---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज ।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 सितम्बर 81

निवास सं. 16252—यत:, मुक्ते, राधा बालकृष्णं, ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सम्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्मत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,009/-दग्र से बाधिक है

और जिसकी सं. 38 है, जो 4 मेन रोड, मम्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेलापूर (डाक्रमेट सं. 396/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, मार्च 81

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम ने वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिस्त्र निम्निश्चित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण तिखित में बास्तविक का से स्थित नहीं किया गया है। —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अल्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रावित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उन्तं प्रधिनियम की धारा 269-म के सनुसरण में, में, उन्तं अधिनियम की भारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन,निम्निपिता अधिनयों, अर्थात:-- (1) डाक्टर सी. वेंकटेंसन रवि वेकटेंसन।

(अन्तरक)

(2) श्री के. जी. रामामूरती आगर राजगोपालन आर. श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के सर्वन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वितकड़ किमी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्वक्वीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों प्रौर पदों का, भी उन्त पश्चिमियम के मध्याय 20-क में परिभाणित हैं, बही मधं होगा जो उस भव्याय में दिया गया है ।

अमृसूची

भूमि और निर्माण-38, 4 मेन रोड, मद्रास-28 (लेख सं. 396/81)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे।।, मद्रासु

तारी**य** : 8-9**-**81

प्ररूप कार्ष. टी. एन. एस.

(1) श्री ए. के. गोविदनराज्ला।

(अन्तरक)

(2) चन्द्रमा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भूधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन र्ज ।।, मद्रास
मद्रास, दिनांक 8 सितम्बर 81

निदश सं 16189--यतः, मुक्ते, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-इन को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. 137 आर. के मूट रोड रजनठा कालोनी है, जो मन्नास-4 मो स्थित ही और इसमें उपाबद्ध मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्दोकर्ना अधिकारी के कार्यालय, मेलापूर (लेख सं. 32/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, मार्च 81 को। पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए एय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिषधा के लिए;

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी सास्रेप्==

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वनुसूची

भूमी-137, आर. के. मेट रोड नंजुनठा कालोनी, मदास-4 (लेख सं. 32/81)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।।, मद्रास

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्नुशिचित, व्यक्तियों, व्यक्ति के—

ता**रीख** : 8-9-81

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजे, अम्तसर

अमृत्सर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निद्या नं. ए. एस. आर. /81-82/188—स्यतः, मुक्ते, आर. बी सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक जायदाद है तथा जो कटड़ा आल्वाला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतरर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

का पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक रूप से किथ्नु नृहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूर्िव्धा के लिए शुरु/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिक्त व्यक्तियों अर्थातः--

7-266GI/81

(1) राम प्रकाश पृत्र गोकल चन्द वासी कटडा आल्वाला अंदरून कचा मोशाराम।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती केलाश रानी पत्नी रिजंबर पाल बासी करूपा सोभा राम कटड़ा आलूबाला अमृतसर। . (अन्तरिसी)
 - (3) जैसा कि उपर'सं. 2 मों और कोई किरायेवार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
 - (4) ओर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृतित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-शव्भ किसी अन्य स्थावत व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया एया है।

नगुस्ची

एक मकान नं. 893/2 पुराना नं. 1194/2 जो 1120 वर्ग मी. है जो कूचा सोभा राम कटड़ा आलूबाला अमृतसर में हैं जैसा के सेल. डीड नं. 3102/1 तिथि 9-1-81 रिजस्ट्री अधिकारी अमृतसर में वर्ज हैं।

> आर. बी. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज,3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीब : 8-9-1981

सोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय महायक आयक र आयक्क (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 8 सितम्बर 1981

निदेश स. ए एस आर./81-82/189——यतः म्फे, आर बी. सिन्हा,

भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्लावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

और जिसकी मं. एक भूमि है तथा जो गांव मूदल मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप मे वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर मे राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1981

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्ति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किक्कत में वास्नविक छन में कथिन नहीं किया गया है

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायत्व में हमी करने या उससे बचने में मुविधा न लिए, और/या
- (खं ऐसी किमी ग्राय या किमी बन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिबिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त ग्रिबिनियम, या धन-कर ग्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुब्बि के लिए;

श्रत: ग्रब, उक्त ग्रांधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री करतार सिंह पुत्र चुहड़ सिंह वासी मुदल रुहसील अमृतसर

(अन्तरक)

- (2) श्री वरिन्दरपाल सिंह, महिन्दर कारे पत्नी सेवा सिंह सरहदी श्रीमती बलजीत कारे पत्नी सनिविदर पाल सिंह और विकरमजीन सिंह पृत्र जैनिंदरपाल सिंह वासी हाल बाजार अमृत्सर। (अन्तरिनी)
- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोइ (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इनमे प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्रिवित्यम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा, जो उन ग्रध्या में दिया गया है।

प्रनृसूची

भूमि 12 कनाल जो गांव मुदल तहसील जिला अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं . 9389/30-1-81 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आर बी. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, 3 चद्रप्री अमृतसर

तारील 8-9-1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निर्दोश नं. ए. एस. आर./81-82/190---य्तः मुभ्ते, आर. बौ. सिन्हा, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इ.स.के प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रहः से अधिके **ह**ै और जिसकी सं़भूमि काप्लाट है तथा जो न्यूकोर्ट रोड अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमुअसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 1981 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपति को उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्अ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; आर्रि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री गुरचरत् सिंह पुत्र हरबंस् सिंह वासी 8/13 महरप्रा अभृतसर ₩

(अन्तरक)

(2) श्री अनुष सिंह अगर सिंह पुत्र हजारा सिंह गांव बची बिंड जिला अगुतसर।

(अन्तिरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई कि रायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपरित है)

(4) और कोई

्रतह_्त्र्यक्ति, जिनके बार[े] में अ<mark>धोहस्ताक्षरी</mark> जानता है कि वह संपक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृविधित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाचित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का पलाट ससरा नं. 756 मिन जो न्यू कोर्ट रोड ठाकुर महा चंद स्ट्रीट अमृत्सर में है जैसा के सेल डीड नं. 3321/1 तिथि 30-1-81 रिजस्ट्री अधिकारी अमृतसर मे वर्ज है।

> आर बी. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी स**हायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज,3 **चंद्र**पुरी अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के स्थीन निम्निस्थित व्यक्तियों अधित्:---

तारी**स** : 8-9-1981

प्ररूप बाइ े. टी. एन्. एस.------

भाग्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्मृता

भारत सरकार

कार्याल्य सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निविध नं. ए. एस्. अगर/81-82/191---यत: मुभ्के, आर. बी. सिन्हा, आइ. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित पाजार मृल्य 25,000/-.रंज. से अधिक **ह**ै **औ**र जिसकी सं भूमि का प्लाट है तथा जो जी टी. रोड पास प्रताप नगर अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), र'जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुंकेयह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके इत्यमार्न प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति∽ फंस निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त बन्तरण मिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नायु की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविभा के लिए; जोड़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री हरप्रीत पाल सिंह पुत्र गुरपाल सिंह वासी गेंट हकामां व्वारा गुरबख्श सिंह पुत्र गुरपाल सिंह वासी जी. टी. रोड अमृतसर मुख्तारआम।
- (अन्तरक)
 (2) श्री सार्द्यास पुत्र नथूराम वासी कटड़ा परजा अमृतसर।

(अन्त'रि**ती**)

- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई कि रायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) और काइ (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 750 वर्ग मी. है जो जी. टी. रोड पास प्रताप नगर अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं 9162 तिथि 27-1-81 रजिस्टरी अधिकारी अमृतसर मे दर्ज है।

> आरं. बी. सिन्हा आईं. आरं. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 8-9-1981

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निदोश नं. ए. एस. आर./81-82/192---यतः मुभ्ते, आर. बी. मिन्हा, आर्दः आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि का प्लाट जो वसंत एवनम् अमृतसरा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जन्वरी 1981

को प्वािंक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफार के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि थ्याप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त लिखित में वास्तिवक इप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सविभा की लिए।

अतः, अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिसित व्यक्तियों सर्थात्:-- (1) चेयरमेन इंप्रथमेंट ट्रस्ट अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री अयुधिया प्रकाश पुत्र सुखदयाल और श्रीमती प्रेम-वती पत्मी अयुधिया प्रकाश वासी 86 बसंत एवनयू अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 मं और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कांद्र (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोह स्ताक्षरी जानता है कि वृह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 517.27 दर्ग मी. है जो बसंस एवनयू अमृतसर मो है जैसा कि सेल डीड नं. 3194/1 तिथि 21-1-81 रिजिस्टरी अधिकारी अमृतसर मो दर्ज हैं।

> आर. बी. सिन्हां सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारील : 8-9-1981

प्रकप आई० ही० एन० एस०----

शायकर समिवियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269क्य (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 8 सितम्बर 1981

निवंश सं. ए. एस. आर /81-82/193--यत. मुके, आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन समम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य '25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी स. भूमि का प्लाट है तथा जो करिश्ना सकेयरमें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी 1981

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलन बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, एमे वृश्यमान प्रतिकल से, एमे वृश्यमान प्रतिका से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है आर अन्तरिक (अन्तरिकों) और भन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त पन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उपत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें अबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः प्रवः, उक्त प्रधितियम को धारा 269-ग के प्रतः सरण में, में, उक्त ग्रिधितियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- (1) श्री हरीद[े]ट राज पूत्र चुहड़ चद कियाला रोड अमृतसर
- (अन्तरक)
 (2) राजेश भल्ला पुत्र सतीश भल्ला वासी लार स रोड अमृतसर।
 (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई कि रायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोइ (वह व्यक्ति, जिनके बारोमें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबब्धें हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस भूवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूवना की तामील धे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत के प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ नीगा, जो उस श्रध्याय में दिया स्पर है

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट न . 55 जो 114 फुट $\times 50$ फुट है जो करिश्ना सकेयर अमृतसर में हैं जैसा कि सेल छीड़ नं 3311/1 तिथि 29-1-81 रिजस्टरी अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आर. बी. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन रॉज, 3 **चंत्रपु**री अमृतसर

तारीख · 8-9-1981 मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निदश नं. ए. एस. आर./81-82/194--यत[.] सभी, आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस ∴, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है कि** स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-क. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो इस्ट मोहन नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम में विधित नहीं किया गया है.--

- (क) अल्लरण में हर्द किसी आय की वेदन पत्न किंध-रियम के श्मीन ता प्रेने ते अल्लरक के ता पत्न माँ कमी करने गा उससे दचने माँ मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अप्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नर्हा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) इप्रवमेट ट्रस्ट अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह कवरजीत सिंह दासी पलाट न . 265 इस्ट मोहन नगर अमतगर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न 2 में ओर कोई कि रोयदार हो (कह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सपित है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह मंपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 713.74 वर्ग मी. नं. 265 जो इस्ट मोहन नगर अमृत्सर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3314/1 तिथि 29-1-81 रिजिस्टरी अमृतसर में दर्ज हैं।

आर. बी. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख · 8-9-1981 मोहर . प्ररूप आ**र्ड**. टी. एन. एस:-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 सिंतम्बर 1981

निद्धिः नं. ए. एस. आर./81-82/195—यतः. आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-- रत. से अधिक है और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट ही, तथा जो जोशी कलोनी, अमतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कर्स्यानय, अमतसर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1981 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उददोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्ति, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती हरणीत कौर गूलाटी पत्नी मान सिंह गूलाटी, वासी शरीफ युरा, अमृतसर।
- (अन्तरक)
 (2) श्रीमती बलबीर काँर पत्नी सुरजीत सिंह वासी वटाला रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती) (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार

(3) जसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरोयदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

(4) और कोर्ड। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी क्रारको पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोहै भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्नर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं. 116, जो कि 113 व. मी. है, जो जोशी कालोनी, अमृतसर में है, जैसा कि सेल डीड. नं. 3115/1, तिथि 14-1-81 रिजम्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्क (निरक्षिण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 8-9-1981

प्ररूप भाई• टी• एन० एस•~----

भ्रायकर अक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निद्येश नं. ए. एस. आर. /81-82/192—यतः मुक्ते, आर. बी. सिन्हा, आइ. आर. एस., शायकर प्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- दं से प्रक्षिक है

और जिसकी सं. भूमि का एक प्लाट जो जोशी क लोनी अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 198 1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित वास्त्रिक एस मे कथिन नहीं सिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रष्ठि-नियम के भ्रधीन कर देने के अक्तदक के दायिक में कमी करने या उससे∮ बचने में सुविधा के लिए, और√मा
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
8—266GI/81

(1) श्रीमती हरजीत कार गुलाटी पत्नी मान सिंह ग्लाटी वासी घरीफप्रा अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलबीर करि पत्नी सुरजीत भिंह वासी बटाला रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई कि रायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति ही)-

(4) और कोइ (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोह स्ताक्षरी जानता है कि दह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में भी है भी आजिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित्र औं भी
 अवित्र वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्दीकरण:--हममें प्रयुक्त कर्दी ग्रीर पदीं का, जो उस्त प्रिष्ठि नियम, के श्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का पलाट नं. 116 जोंकि 113 वर्ग मी. है जो जोशी कलोनी अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3067/1 तिथि 8-1-81 रजिस्टरी अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> जार जी सिन्हा मक्ष्म अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज,3 चद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 8-9-1981 ——

मोहर

प्ररूप ब्राइं० टी० एन० एस०

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निदेश सं. ए.एस.आर./81-82/197--यतः मुभे, आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस., डायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रत. से अधिक हाँ

और जिसकी सं. एक भृमि का प्लाट है, तथा जो माल राड, अमन्सर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्राया मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के-सामिन, लारीख जनवरी, 1981

को प्योक्ति संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीय कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्षीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) की "योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या दिला जाना चाहिए था, छिणाने गरें सविधा 🕏 लिए:

यत' अव, तकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री मोहन सिंह पुत्र भगवान सिंह, वासी बाजार कसरियां, अमृतसर।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री चरनजीत कुमार पुत्र मनी राम, वासी चौरसती अटारी, गली नाइयां, भारतां, अमृतसर।
- (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं) (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्ध कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (**ख**) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में जिए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 🕆

अन्स्ची

एक भूमि का प्लाट ससरा नं. 1316/2, जो माल रोड, अमृतसर में है, जैसा कि सेल डीड नं. 3095/1, तिथि 9-1-81 रिजस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चंद्रप्री, अमृतसर

तारीख : 8-9-1981

प्ररूप भाई० टी० एन॰ एस०----

धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के घिषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्र्ज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 8 सितम्बर 1981

निवेश नं ए.एस. आर. /81-82/198--यत् मूफे,, आर. बी. सिन्हा, आर्द. आर. एस., आर. प्रि. हि. आर्द. एस., प्रायकर प्रिवित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

और जिसकी सं एक भूमि का प्लाट है, तथा जो माल रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिति की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिवत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से तुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिडिड नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों को जिम्हें भारतीय भ्राम-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अवः उक्त प्रश्चिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रश्चिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्नीत:—

- (1) श्री मोहन सिंह पुत्र भगवान सिंह, वासी बाजार कसीरियां, अमृतसर।
 - (अन्तरक)
- (2) अरज्ञण कामार पुत्र मनी राम, वासी चोरसटी अटारी, गली नाइयां भराइंया, अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो।
 - (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानका है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख े. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिवाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उका योध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होना, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

<u>अ</u>नुसुची

एक भूमि का प्लाट ससरा नं 1316/2, जो माल रोड, अमृतसर में स्थित है, जैसा की सेल डीड नं 3056/1 तिथि 6-1-81 रुजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आर. बी. सिन्हा, आर्द्र आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीब : 8-9-1981

मोहर 🛭

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्थन र्ज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 8 सितम्बर 1981

निदंश नं. ए.एस.आर./81-82/199--यत म्भे, आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण हो कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-उ. स आपक हा और जिसको स. एक भूभि का प्लाट तथा जा लारौस रोड म स्थित हैं (और इसस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), राजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालण, अमृतसर म रिस्ट्रीकरण अभिविषम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरा, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार मूल्य, उत्तव दश्यम । भित्रफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तारातया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिबुक

रूप से काथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मोहन सिंह पूत्र भगवान सिंह, वासी बाजार कसोरियां, अमृतसर।
- (2) श्री मनी राम पुत्र मोहन लाल, वासी चौरसटी अटारी, अमृतसर,
- (अन्तरिती) (3) औँसा कि उज्प<u>र</u> सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सुम्पृत्ति हैं)

(4) और कोई। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्तु सम्पत्ति को खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं : 110 है जी 122-22 बु.मी. है जो लार स रोड़, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं : 3034/. 1, तिथि 5-1-81 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में वर्ष है।

आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 8-9-1981

प्ररूप बाह् .टी . एन् . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सुभूना

आर्त सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जि, अमृतसर

अ्मृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निदोश नं ए.एस. आर. /81-82/200--युत्ः मुभ्ते, आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस., बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उन्तितु बाजार मूल्य 25,000 / रह. से अधिक **है** और जिसकी स. भूमि का प्लाट है, तथा जो सुलतानिवड अरबन में स्थित हैं (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालये, अमृतसर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्ति संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् ती अधीन कर दोने के अन्तरक के वापिस्य में कभी करने या उससे ब्यूने में सूविधा की आए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन निुम्निणिखन व्यक्तिस्यों अधीत् ः--

- (1) श्री चरनजीत पृत्र बाला मल माडल टाउन, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती करतार कार पुत्री अमर सिंह और रनजीत कार पत्नी प्रताप सिंह जरनेल सिंह पुत्र किरपाल सिंह, वासी गांव पंजराए तहसील अजनाला, जिला अमृतसर।

(3) जैसा कि उज्प<u>र</u> सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सुम्पृत्ति हैं)

(4) और कोई। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **अर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत्र व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः ह्यै, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स युषा है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 1158 वर्ग गण है जो सुलतानविंड अरबन अमृतसर में है जैसा कि सेल डोड न . 3171/1, तिथि 20-1-81 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर में वर्ण है।

> आर. बी. सिन्हा, आइ.आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारील : 8-9-1981

मोहर 🔞

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 8 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/201—यत. मु \hat{n} , आर वी निन्हा, धार्च. आर. एस., ग्रायतर अजिनियम, 196 (196) का 43) (और जिसे इसमें इसके 'एका' 'उक्त अधिनियम' हिनाया है), की धारा 269-ख ं के यधीन अलान प्राधिकाती को यत् विश्वास करने का कारण है कि

स्थानर नम्बन् निकार रन माजार मुख्य 25,000/- रूपये

और जिसकी स भीन का प्लाट है तथा जा सलतानिवंड अराबन अभृतराज मा स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप मो विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय म रिज्य्ट्राप्तरण जिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधान, तारोग जनवरी, 1981 को पूर्वाक सन्तरम् क उपचन वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक ल किल् जनकर का गई ही और मुक्ते, यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपको रुष्टमा अंत्राल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नीलीखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भिध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को न्त्रेत्रारतोष ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ता नी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री मनोहर लाल पुत्र बाला मल, वारी रानी का बाग,

(अन्तरक)

2. श्रीमती करतार कौर पुत्री अमर सिंह और रनजीत कौर पत्नी प्रताप सिंह, जरनेल सिंह पुत्र किरपाल सिंह, वासी गांव पंजुराए, तहसील अजनाला, जिला अमृतसर।

*3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

*4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

• एक भूमि का प्लाट जो 1159 व. मी. है जो सुलतानविंड अरबन अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 3172/1 तिथि 20-1-81 रिजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज, 3 चंद्रपुरी, अमृत्सर

तारीब : 8-9-1981

(अन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्याल्य सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/202—यतः मूफे, आर. बी. सिन्हा, आर्द. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/2 भाग दुकान का है तथा जो ढाबू बसती राम, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किनम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती प्रीतम कार विधवा गृंदर सिंह, वासी
 7, टोलर रोड, अमृतसर द्यारा स्रिंदर सिंह
 पुत्र लेहना सिंह, 7, टोलर गोल अमृतसर (मुख्तार)।
- श्री गोपाल दास पुत्र सन्द्रया लात, वासी ढांब बस्ती राम लकड़→ मंडी बाजार अमृतसर। (अन्तरिती)
- *3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) *4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण ६--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

1/2 भाग दुकान नं. 232/5 जो हाब दस्ती सम अपृतसर है जैसा के सेल डीड नं. 3135/1 तिथि 16-1-81 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीब : 8-9-1981

मोहर 🖁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 8 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. ए. एस. आर. /81-82/203—यसः म्भे, आर. बी. सिन्हां, आई. आर. एस., कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रह. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 1/2 भाग द्कान का ϵ^2 तथा जो ढाब बसती राम, अमृतसर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, सारीस जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपीरत के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करें। का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्ित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अन्तरणु लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ज़लारक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृतिभा. को लिए; शौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः-=

- श्रीमती प्रोत्तम कार विधवा सुंदर सिंह, वासी
 7, टेलर रोड, अमतसर व्वारा कूरिदर सिंह
 पुत्र लहेंना सिंह, 7, टेलर रोड अमृतसर
 (मुख्तार)।
- (अन्तरक) 2. श्री धनर्हाया लाल पुत्र राम चंद्र, वासी ढाज बस्ती राम बाजार लकड़ मंडी अमृतसर।
- (अन्तरिती) *3. औसा कि ऊपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) *4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अ**धोहस्ताक्षरी**

जानता है कि वष्ट सम्पत्ति में हितबदेश हैं)

को यह स्वाना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से
 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या-

अनृत्त्वी

1/2 भाग दुकान नं. 232/5 जो ढाब बस्ती राम अभृतसर हैं जैसा को सेल डीड नं. 3134/1 तिथि 16-1-81 राजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 8-9-1981

मोहुरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निर्धिण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 8 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/204—यतः मुक्ते, आर. बी. सिन्हा, आर्द. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुंगपाई बटाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची हों और पूर्ण रूप में वर्णित है), रंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रंजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का गन्दह पतिकात से अधिक है और अन्तर्थ (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्भारिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और र्या
- (कां) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म[®] उक्त अधिनियम की धारा 269-**म की उपधारा (1)** के अधीन, निस्नलि**खित व्यक्तियों अर्थात् ं--**9—266GI/81

- श्री जोगिन्दर सिंह पृत्र संगत सिंह, धासी गांव मजीहा तहसील जिला अमृतसर।
- (अन्तरक)
 2. श्री सरदूल सिंह गिल देवा सिंह गिल, वासी गीव दूधाला तहसील जिला अमृतसर।

(अन्तरिती) *3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में और को**इं** किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही)

*4 और कोई। (बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबष्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि मा तरणम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्थळ्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो क्ये, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

एक प्लाट नं. 42 जो तुंगपाई बटाला रोड अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 8899/19-1-81 रिजस्ट्री अधि-कारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> आर. बी. सिन्हा, आई. आर. एस. सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारी**स**ः 8-9-1981

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस.----

श्रायुकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/205—यतः मुक्ते, आर. बी सिन्हा, आइ. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो मकबूल रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाडद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रोकिती अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रोकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितंयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को ११) या उपा अर्धिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनिष्म की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

- श्री जसवंत सिंह पुत्र भगवान सिंह, वासी नवां नाग अमृतसर।
 (अन्तरक)
- श्रीमती सिवंदर काँर प्त्री किरपाल सिंह, वासी मारी मेघा तहसील पटी।

(अन्तरिती)

- अंसा िक उज्पर सं. 2 में और कोई िक रायेदार हो।
 - (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारें में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनलची

एकभूमि का प्लाट 285 व. ग. खसरा नं. 325 मिल जो मेंकब्ल रोड अमृतसर में हैं जैसा के सेल डीड नं. 8832/16-1-81 रिजस्ट्री. अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आर. बी. सिन्हा, आइ.आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंद्रप्री, अमृतसर

तारीख · 8-9-1981 मोहर: प्ररूप आहर् .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर./81-82/206—~यतः मूक्ते, आर. बी. सिनहा, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो एलबर्ट रोड मजीठा होंस अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1981

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वां कर मर्पान्य का उचित बाणार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल जिम्मालिक उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी असत, उवन अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- लंफ्टीनेन्ट करनल कुलवंत सिंह गिल पुत्र मल सिंह सूरिंदर सिंह गिल कुलवंत सिंह, वासी रांनी का बाग अमृतसर।
- (अन्तरक)
 2. श्रीमती कुलवंत कारे पत्नी अजमेर सिंह और अजमेर सिंह पुत्र हरगोपाल सिंह, वासी जगदेव कता, अमृतसर।

(अन्तरिती) 3 जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।

(बहुव्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की व्यक्तियां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पिट्त में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्द्रकी

भूमि का प्लाट जो 411 वर्ग. गज है जो एलबर्ट रोड, एसटेट मजीठा हाँस, अमृतसर में है जैसा कि सल डीड नं. 3033/1 तिथि 5-1-81 रिजस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आर. बी. सिनहा, आइ आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 8-9-1981

(अन्तरक)

भा<u>रतः</u> स्रकार कार्यालयः, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनीक 9 सितम्बर 1981

निर्देश सं. ए. एस. आर. /81-82/207— यतः मू%, आर. बी. सिनहा, आइ. बार. एस.

धायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से मेंधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय ग्रदासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत धिवियम के घधीन कर देने के धन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। धीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अम्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अश्वित्यम, या अन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को सुधीन निम्नुलिखित स्पृषित्यों अधितः--

- श्रीमती इन्द्मती पत्नी किरपा नाथ, वासी गुरदास-पुर।
- 2. श्री वलीप सिंह पुत्र सेवा सिंह, वासी चौतरा, डाकखाना वर्रांगला, जिला गुरदासप्र।
- (अन्तरिती)
 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई कि रायेदार
 हो।

्रा (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभेहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में ने किसी अस्ति अस्ति ।
- (खा) इ.स. सूचना क राजनत में प्रकाशन का नारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबाद किमी यन्य व्यक्ति द्वारा प्रभोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदितिकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भिधितियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस शब्धाय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि 22 मरला जो गुरवासपुर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 7057 तिथि 22-1-81 रिजिस्ट्री अध्कारी गुरवासपुर में दर्ज है।

आर. बी. सिनहा, आइ.आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रजा, 3 चंत्रपुरी, अमृतसर

तारीस : 9-9-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. ए. एस. आर./81-82/208--यतः मुक्ते, आर. वी. सिन्हा, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो काहनोवान ग्रदासपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रदासप्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981

अधान, ताराख जनवरा, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के टीन एसे अन्तरण के लिए तम ज्या गया प्रति-फल निम्नतिष्ठित उद्देश्य से एक अन्तरण विश्वित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात ह

 श्री रघबीर सिंह करम सिंह पुत्र धिरत राम, कश्मीर सिंह पुत्र खजान सिंह, वासी गांव काहनोवान तहसील जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री महिदर सिंह पुत्र गरधारी लाल, राए सिंह पुत्र रघवीर सिंह, शिवचरन दास पुत्र हरी राम, वासी काहनोवान तहसील जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार हो।
 - (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पात्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजग्रव में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के नीतर उस्त ज्यावर नमानि में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

5 कनाल भूमि जो काहनोवान तहसील गुरदासपुर में है जैसा कि सेल डीड नं. 6615/5-1-81 रिजस्ट्री अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

आर. बी. सिन्हा, आइ.आर.एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख: 9-9-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ड्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रेज-।।।, कलकता कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्दोश नं. 944/एक्यू आर-।।।/81-82--यतः म्भो, आर्इ. वी. एस. जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 / - रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 21, 22/1, 93/2, 93/3बी, है तथा जो कानक लिया रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिएर में , रिजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका ें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उत्करा अधिनियम के अधीन कर वोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आग्रंया किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) श्रीमती कमला देवी

(अन्तरक)

(2) कांआपरोटिव हाउसिंग सासाइटो

(अन्तरक)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स.सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियो पर सच्ना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ॅ21, 22/1, 93/2, और 93/3**बी**, कानकुलिया रोड, कलकत्ता । 8 कोण जिमन पर मकान।

> आई. वी. एस. जनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।।, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीय : 7-9-1981

प्रह्म चाई० ही० ए४० १४० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत परकार

भार्यालय सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निर्दोश नं 945/एक्य् आर-111/81-82--यतः म्फ्रे, आई. वी. एस जुनेजा,

बायकर पिंधितियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'रक्त श्रिधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम श्रिधिकारी को, यह जिण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० मं श्रिषक है

और जिसकी स 21, 22/1, 93/2 और 93/3बी, है तथा जो कानक लिया रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इस्से उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त समात्ति के उवित का जार मूल्य से कम ने दृश्यमान प्रतिफल ने लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का हारण है कि यथापूर्वोका उम्पति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल म, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे पन्तरम के लिए नय स्था मया प्रतिफत, निमालिखन उद्देश्य से उक्त अरूपर में बोबन में विकास के किया गया है ——

- (क) प्रस्तरम से पुर्देश्वसी श्राय की वाबत, उक्त प्रधिनियम अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में वमी रणतेण उससे बचने में सृत्रिक्षा के जिए; प्रौर/या
- ख) रेमी किसी आय या किसी उन उर श्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें गरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त प्रधिनियम, या भन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उथे निवार्थ श्रन्तियम, वारा एक नहीं विशासित से पुविध, के लां,

श्रतः ग्रब अक्त स्पिनियम को धारा 269-म के अन्सरण में, में रक्षा पिधनियम का गरा 269-च को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् -- (1) श्री जिवन किशार आचार्य चौधरी

(अन्तरक)

(2) कांअपरेटिव हाउसिग सोसाइटी

(अन्तरिती)

को यह स्वतः जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति हे प्रजैन हे संबंध में होई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम क ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थे हाए जो उत्प्रकृताय में वियागया है।

अनुसूची

21, 22/1, 93/2 और 93/3बी, कानक ुलिया रोड, कलकत्ता। 8 काण जमीन पर मकान।

आई. वी. एस जुनेजा सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।।, 54 रफीअहम्द किटगई रोड, कलकक्ता-16

तारीख · -7-9-81 मोहर: प्रारूप आइ. टी. एन. एस. ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 7 सितम्बर 1981

निविश्व न . 946/एसीक्यू आर-।।1/81-82--यत मुक्ते, आर्द्द वी . एस जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं -

और जिसकी स 21, 22/1, 93/2 और 93/3बी हैं तथा जो कानक निया गोड़, कलक ता स्थित हैं। और उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय आलिए में, रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1981 करें पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्धानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धाण 269-ग के अन्सरण भें, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) श्री नारायन आचार्य

(अन्तरक)

(2) कोजपरेटिव हाउजिंग सोसाइटि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हू।

उक्त सम्पत्ति के गर्ना के तम्बन्त्र में कार्य औ त्राक्ष्य ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

21, 22/1, 93/2 और 93/3बी, कानकुलिया रोड, कलकत्ता। 8 कणि जमीन पर मकान।

आर्द वी एस जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जान रजे-।।।, 54, रफीअहमद किदवार्द रोड, कलकत्ता-16

तारीब · 7-9-1981

त्राकर पाईं- डो- एन- एस----

धानकर महिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के घर्षीन सूचना

बास्त बरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 स्तिम्बर 1981

निवेश नं. 950/एसीक्यू आर-।।।/81-82--यतः मुभे, खामका प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् जन्त प्रधितियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पंति, जिसका छिचत बाजार मूर्य 25,090/- स्पए से प्रधिक है

और जिसकी सं. 25ए हैं तथा जो जितन बागची रोड, कल-कत्ता स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल-कत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के द्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उनित बाजार नृस्य, उसके वृत्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे द्र्यमान प्रतिक्रम का बन्बह प्रतिवाद से भिषक है और सम्तर्क (सम्तर्कों) और सम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरक जिल्लाख में बास्तविक्र कर से कन्ति नहीं क्रिया नया है:---

- (भ) सम्बद्ध से हुई ज़िसी भाव की वायत उपत सर्विभियन के सबीन कर देने के भग्तरक के सर्विश्व में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के ज़िए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आक्सियों की, जिन्हें आरतीय धावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिश्रनियम, या धन-कर पिश्रनियम, या धन-कर पिश्रनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत । जब, उन्त प्रविनिधम की बारा 269-व के चनुकरण में, में, उक्त प्रविनिधम की धारा 269-व की उपवारा (1) के बधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थाक '----10—266GI/81 (1) श्री दरशा रकशिन

(जन्तरक)

(2) ''शबनम शिउलि'' कोपारेटिव दाउजिं सोसा-यटी लि.

(भन्तिरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूबता के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन की अवधि वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामी ज से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर वृश्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत क्यावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहक्ताखरी के पास लिखित में किए जा सर्वेषे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रवृक्त शंक्यों और पर्यो का, जो एक्त श्रांक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अये होगा, जो एस बक्षाय में विधा नया है।

प्रनसुची

हटि लि... 25ए, जितन बागिच रोड, कलकत्ता। 9के-12छ-8 वृजिकटि जिमन पर मकान का 1/2 हिस्सा।

> आर्ह. वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक जामकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।।, 54 रफीअहमद किदवार्ह रोज, कलकत्ता-16

तारील 8-9-1981 मोहर: प्ररूप आहू . टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निविधा नं. 951/एसीक्यू आर-।।।/81-82---यतः मृभ्ने, आर्ह्यः वी. एस. ज्नेजा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. 25ए हैं तथा जो जितन बागिच रोड, कल-कत्ता स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्क्र प्रतिषत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ल अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आर्य या किसी धन या अंत्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) डा. सुभा रक दित

(अन्तरक)

(2) ''शबन्म ज्ञिजल'' कोआपरोटिय दाजिजं सोसायटी लि.

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्वींक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्षिमं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्न्क्छिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्सूची

25ए, जीतन बागीच रोड, कालकत्ता, 9के-12छ-8 वर्ग-फीट जमीन पर मकान का 1/2 हिस्सा।

> आर्दाः वीः एसः जुनेजाँ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रोज-।।।, 54, रफीअहमद किदवार्द रोड, कलकत्ता-16

तारील . 8-9-1981 मोहर: प्रकृप आ**र्च . टी . एन . एस .** २५७-१८-१८-१८

(1) श्रीनपेन्द्रनाथ घोष

(जन्तर्क)

(2) श्री जामीनी मोहन चायना

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याज्ञम्, सहायक जायकर बायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निर्दोश स ए. सी-48/रोज-4/काल/1981-82---यतः। मुभी, को सिन्हा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रा. से अधिक है और जिसकी सा. 35 है तथा जो शास्त्री एन एन गंगोली

रांड, सात्रागाछी, हावडा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्णारूप में निणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमानू प्रोक्तिल की लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास कक्ष का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके इस्थमान प्रतिकत्त से, एसे इस्थमान प्रतिकल का पन्ध्य प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्न्तिविद्य उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखन में बास्त-निक्त कृष्ट के कृष्टिम्त गृहीं किया ग्या है कि—

- (क) अन्तरंग ते शुद्द निक्सी आव की वावत, उक्त, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी कहने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बाँद/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, स्थिमने में समिया के लिए;

कांयह सूचना वारी करके पूर्वोंक्त धम्पृत्ति के जुर्वन के सिप् कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् किसी का में किए का सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं ४

अनुसुची

अमीन 35, शास्त्री नरेन्द्र नाथ गंगोली रांड, शिवपूर, हवडा मे स्थित हैं। जमीन का माप 6क 13छ वस्तावेष् नं 1981 का 113 के अनुसार हैं।

> के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अक्षः अच्च, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण, में, मैं, सक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जुधीन निम्नतिचित व्यक्तियों अभित्ः=

तारीख . 8-9-1981 मोहर् प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकसा, विनांक 8 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. ए. सी.-49/रोज-4/क्राल/81-82--यतः। मुभ्ते, के. सिन्हा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उष्टित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो मौजा-जनग्रा थाना-राजा रहाट स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर (बमदम) मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इत्यमान फ़्रीलफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास **करने का कारण है कि यथापुत्रीक्त संपर्दित का उन्नित** बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अ तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण तेहुई किसीआय की बाब्त, उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारः प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विभा के लिए;

अलाभ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) 🤻 अभीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ वृथात् :--

(1) श्री रजत गोस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोता गोस्वामी, रोवा गोस्वामी

(अन्सरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाद्यियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः "-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

मकान समेत 4 को-8छ. जमीन मोजा-जानग्रा, थाना-राजा-रहाट, जिला-24 परगणा पर स्थित है। दस्तावेज नं.-1981 का 2191

> को. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकता-16

तारील : 8-9-1981

मोहर 🖫

प्रकृप आई॰ डी॰ एन॰ प्रस०-

भौंयकर बिविनिवन, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के बिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य सहायक आयुक्तर आयुक्त (निर्द्रीक्षण), अर्जन रेज, लखन्उन

लखनका, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं. जी. आर्ड .आर. आर-106/अर्जन---अत्: म्रुफे, अमरसिंह विसेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनान् 'उनत श्रीमियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मक्षम गाधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ ये श्रीसक है

और जिसकी सं. 510/200 है तथा जो न्यू हैं बराबाद लखनक में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित् है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनक में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगित का उचित बाजार मूल्य, उस के दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षत निम्तिवित उद्देश्य स उका अन्तरण जिख्या में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त आधि: नियम हे अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने राउपसे बनी में रुविया के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राप या किसी धन या ब्रन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उन्त श्रोधनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलिकिस व्यक्तियों स्थास स्न- (1) श्रीमती संपान कृवर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेश्वरी दोवी (2) प्रवीप करुमार रस्तोगी (3) दिलीप करुमार रस्तोगी (4) अवधेश करुमार रस्तोगी

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती सूजान कुवर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस' मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने में किसी बाक्ति द्वारा;
- (ब) इन सूचना के राजनेत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के नास निश्चित में किए जा सकेंगें।

स्वध्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पक्षों का, जो उक्त ग्रिश्वित्यक्का, के ग्रंडवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंच हाता, जो उस ग्रंडवाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान ''प्रेम निवास'' 510/200 स्थित न्यू हेदराबाद लख-नऊ क्षेत्रफल 19883 नर्गफिट तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो संलडांड और फार्म 37-जो संख्या 165/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार लखनऊ के कार्यालय म दिनांक 6-1-1981 को किया जा चुका है।

> अमर सिह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखुनक

तारीच 7-9-1981 मो**हर**ः प्ररूप नाइं. टी. एन्. एस.—— ग्रायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 42) की जारा 269क (1) क प्रकीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज**न रेज, लखन**उठ

लखनऊ, दिनाक 7 सितम्बर 1981

सं. जी आहं आर एस-216/अर्जन--अत. मुक्ते, अमर सिष्ट बिसने,

आवकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनिवस' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को बहु विश्वास कप्रने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- बनवे से अधिक हैं और जिसकी स प्लाटन 7 है तथा जो कम्पाउन्ड न एस 20/56 न्यू म्यूनिसिपल न . एस 20/56 सी-2 आराजी लेन वाराणसी सिटी उप में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, द्विनाक 27 जनवरी 1981 को पूर्वक्त सम्पत्ति के अथव बाजार भूल्य से नम के दश्यमान प्रसिक्त के लिए धन्तरिक भी नई है और मुझे यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वीनम सम्पत्ति का रेचित क्राजार मृत्य, उसके बृश्यपान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परपूर्व प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्नरिती (अन्त रंतिमीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया अति-पन विम्तानिवास परेश्व से उक्त कानरक सिकास में बास्यविक रूप से कियत नहीं किया गया है।---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रींश-नियम के ग्रीमन कर देने के ग्रन्सरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य मास्तियों को, जिल्हें भारतीय धायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्स्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था मा किया जाना चाहिए चा, छिषाने में सुविधा ने लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में; में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन किन्निमिश्चित व्यक्तियों, प्रवीत :--- (1) श्री भृषनेश्वर सिह

(अन्तुरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र के. शाह

(अन्तरिती)

(3) (1) सर्वश्री भुवनरेवर सिह (2) विनय कृष्ण सिह (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

(4) श्री विनय कृष्ण सिंह (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के स्निए कार्यवाहियों करना हूं।

उक्त सम्यक्ति के भ्रात्रेत के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में बकाशन की तारीज से 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तासील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में पनाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इग सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संाति में हितबद किसी प्रन्य अधावन द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्यडबोकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दां ग्रौर नदा का, जो उक्त ग्रिश्वित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं दोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट न 20/56 आराजी लेन प्लाट न 7 पूराने मकान का जिसका नहर एस/20/56, न्यू भ्यूनिसिपल नं एस/20/56 सी-2 है स्थित आराजी लेन बाराणसी क्षेत्रफल 11700 वर्गफीट तथा वह सम्पूर्ण सपस्ति जिसका वर्णन सेल डीड और 37 जो फार्म संस्था 7220/80 कलकत्ता में वर्णित है और जिनका पजीकरण रिजस्ट्रार कलकत्ता के कार्यालय में विनांक 27-1-1981 को दिया जा चुका है।

असर सिह विसेन् स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणी) अर्जन रेज, लखनउउ

तारील 7-9-1981 मोहर: प्ररूप् आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अधीन सूचना

भारतः तरकार

कार्यांक्य, सुद्रायक भायकर आयुक्त (निरीक्ण) अर्जन भेज, लखन्डन

लंबनंदर, दिनांक 10 सिसम्बर 1981

सं. जी. आर्ड. आर. एस-217/अर्जन 81--अतः म्भे, अमरसिंह बिसेन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं 102/51-टी है तथा जो 51 शिवाजी मार्ग, सिखनज में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनज मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 जनवरी 1981

करे पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृत्वह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती मृंबन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक स्था से किथात नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त जीभीनवम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त निभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निक्मलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्:——

- (1) (1) श्री लिलित कुमार अग्रवाल, (2) शग्द कुमार अग्रवाल (3) सतीश कुमार अग्रवाल, (4) श्रूशील कुमार अग्रवाल और (5) सुनील कुमार अग्रवाल (अन्तरक)
- (2) मैंसर्स एस एन सनडरसन (मिनरल्स) लिमिटेड कलकत्ता

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

क्षेत्रह सुचना जारी करके पूर्वों क्स सम्बद्धि के अर्जन के लिए कार्यकाहियाँ करता हूं।

उक्क सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष:--

- (क) इस त्वा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी स्वित ह्वारा !

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गृथा हैं।

नग्स्ची

एक किता भवन संख्या 102/51-टी मय टिन रोड, गोवाम भवन व भूमि क्षेत्रफल 3254 वर्गफिट स्थित 51 शिवाजी मार्ग लखनक तथा वह संपूर्ण संपत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 538/7/81 में दर्णित हैं जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार लखनक के कार्यालय में दिनांक 23-1-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज,लकनऊ

तारीख: 10-9-1981

मोहर:

· शारूप आर्द. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, लखनउर

लरूनक, दिनाक 10 सितम्बर 1981

निद्या मं जी. आई. आर. सं एस-218/अर्जन--अनः मुफ्ते, अमर सिष्ठ बिसोन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संस्था 68/334 है तथा जो छितवापूर पजाया भेरी मन्दी, नखनऊ से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से गणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 जनवरी, 1981

की 16) के अधान, दिनाक 6 जनवरा, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में ठाम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके हज्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उबत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण् से हुई किसी आय की शावत; उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, सी, सक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मर्वश्री के. के. हान्डा, (2) श्रीमती प्रकाश सोधती, (3) बी एस हान्डा, (4) श्रीमती सुदर्शन, (5) श्रीमती कैलाश और (6) श्रीमती संगीता (अन्तरक)
- (2) श्री सुशील कुमार

(अन्तरिती)

(3) श्री सुशील करुमार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपरित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपीति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर- सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गैया है।

अनुसूची

एक मकान नम्बर 68/334 पैमाइश 5625 वर्गफूट वाकें मोहल्ला छितवापुर पजावा भेरी मन्डी थाना हुसेनगंज शहर लखनउज मय भवन व भूमि को तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 139/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनउज के कार्यालय में दिनांक 6-1-81 को किया जा चुका है।

असर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनज्ज

तारील 10-9-1981 **मोह**र : प्रकप चाई• टी• एन• एस•----

आयकर ग्रिशिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनउठ

नसन्डा, विनांक 10 सितम्बर 1981

निदोश सं. जी. आर्इ. आर. सं. वी-52/अर्जन---अतः मुभ्के, अमर सिंह विसेन,

हार्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रूपये से प्रधिक है, और जिसकी सं. सी-126 है तथा जो टी. जी. नार्थ चांदगंज हाखिलंब स्कीम लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्व रूप से विर्यत्त हैं), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 जनवरी 1981

हो पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्वमान प्रतिफल के लिए अग्लरित की मई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (श्वन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उद्दत ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उवस ग्रीश्वनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिक्षिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिक्षिनयम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:--

(1) श्री बृजनन्दन लाल श्रीवास्तवा

(अन्तरक)

(2) श्रीमनी विमला श्रीवास्तवा

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में संपत्ति हैं)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की ध्रविध;
 जो भी उर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पष्टीकरणःं → इसमें प्रमुक्त मन्दों भीर पदो का, की समत अधिनियम के जञ्जाय 20-क में परिपम्सकित हैं, कही अयं हीमा, की उस अध्याय में दिया मना है।

वर्ष्ण्यी

लीजहाल्ड प्लाट संख्या सी-126 क्षेत्रफल 3966 वर्गफिट स्थित टी. जी. नार्थ चांदगंज हाउसिंग स्कीम वखनऊ तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 640/7/81 मे वर्गित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विसंक 8-1-81 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लखनऊ

तारीख : 10-9-1981

मोहर:

11-266GJ/81

प्ररूप बाई .टी. एन्. एस . ------

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-^६ (1) के अधीन सूचना

श्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1981

निष्कं सं पि. आर. नं 1162/एक्वी 23-11/81-82—अतः म्फो, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन आर. एस. नं. 454/1-ए, महादिवा नगर है, तथा जो डोसरा, बिल्लीमोरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, गनाई दी में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-1-1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती जीनीबेन जल भाई पानतकी, अलुबेन मानंकशाह पानतकी, जमशेदजी मानंकशाह पान-तकी, महादेवनगर, देसरा, बिल्लीमोरा। (अन्तरक)
- (2) जलनगर को .-ओ .-हा .-सोसायटी का प्रमुख, श्री-मती कुसुमबेन सुमन्तराय दोसाई, कासबे-बिल्ली रोड, राधाकृष्ण मन्दिर के सामने, दिल्लीमोरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं॥

उक्त सम्मित्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई जी बालेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य ब्युदित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकट से किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्य होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकात जो आर. एस. नं. 454/1-ए पैकी जमीन दोसरा, महादोव नुगर, बिल्लीमोरा में स्थित है, जो यथा-विधि तारीक 8-1-1981 में रिजस्टीकृत की गयी है।

> जी. मी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 5-9-1981

मोहर:

प्रकृप भाई० टी॰ एन• एस०-----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1981

निंदोश सं. पी. आर. नं. 1163/एक्बी./23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर मिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इत्र के पश्वात् 'इक्त पिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,00 ∮- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. मूनी. नं. 3/1131, नं. 3/1891 और जमीन सी. एस. नं. 74/बी है तथा जो जवाहर रोड, बिल्लीमोरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूषी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-1-1981 को पूर्वोक्स संपर्तित के उजित बाजार मून्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्तित का उचित बाजार मून्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चत में वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रश्तरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्टिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए;

- (1) श्री बाबूलाल हीराचन्द शाह, जवाहर रोड, टेलीफोन एक्सचन्ज के सामने, बिल्लीमोरा। (अन्तरक)
- (2) श्री लल्लुभाई भीखाभाई महेता, जभुना क्रंज रोड, भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप ।----

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की धविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी भविष्ठ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन के किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

'पब्टीकरगः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अयं होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूघी

मिलकत जो न्यू नं 3/1891, सी. एस. नं 74/बी, बिल्लीमोरा में स्थित हैं, जो यथाविधि तारीख 13-1-1981 में रिफस्ट्रीकृत की गई है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमबाबाद

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जुभीन निम्मृतिविक स्पृतिक्यों, स्थाय डिल्ल

तारीख : 5-9-1981 **मोहर**ः

प्ररूप धाई० टी० एन० एव०----आयकार विश्वनियम 1961 (1061 का 43) श्री धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) कर्जन् रोज-११, अहमवाबाद

अहमदाबाद, विनांक 7 सितम्बर 1981

निविध सं. पी. आर. नं. 1164/एक्वी./23-11/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है और जिसकी सं टिका नं 19, सी एस नं 7, आर एस नं $11/1 \div 2 \div 4$ पैकी जमीन जबेरी साबाक, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, 2-1-1980 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रसिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और पन्तरक (जन्तरकों) और पन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निक्रनिवित प्रदेश्य से उक्त घरतरण लिखित में वास्तविक रूप

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए।

बता, सब, उन्त मिसिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त पिसिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मसीन निम्मलिखित व्यक्तिमों, खर्चातु:-- (1) श्रीमती भिक्तबेन महोन्द्र कुमार, कुल मुख्तयार श्री नरोन्द्रा कुमार जगुभाई पटोल, जवेरी सादाक, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) प्रमुख (1) श्रीमती हंसाबेन पेराजभाई ठक्कर, दिजय अपार्टमेंट, दूसरा माला, आशा नगर नवसारी, (2) सचिव श्रीमती मीनाश्रीबेन बचुभाई देसाई, नागवाड, रतीलाल आंखों के अस्पताल के सामनं, नवसारी, सीधेकरा कोआपर टिव हाउसीं ग सोसाइटी, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति ने मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घार्क्षय: ---

- (क) इस सुचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी धनिध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों सें से किसी ध्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास खिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्होकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 11/1 3 4 पैकी जमीन, जबेरी सावाक, नवसारी में स्थित है, जो जनवरी 1981 में रिजस्ट्रीकृत की गयी है।

> जीं. सीं. गर्ग सक्तम प्राप्तिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

तारीख : 7-9-1981

मोहरू 🛭

र् के प्रधिक है

प्रकृप माई० डी० एत**० एत० ---**-

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^चज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निद्या सं. पी. आर. नं. 1165/एक्वी./23-11/81-82--- मतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के पश्चीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्मायब संप्रति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

और जिसकी सं. टिका नं. 18, एस. नं. 60, कारसाप रोड है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-1-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे अह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, असके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रविषत से प्रक्षिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (श्रुश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-

पन निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिवित में भारतिक

कम से क**चित नहीं किया नया है**ः →--

- (कं) भ्रम्तरण से दुई किसी भाय की बाबत उक्त संबि-नियम के भवीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं आसा गया या या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अत: अत, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खनत अधिनियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नौस्तित व्यक्तिया, अभृति :--- (1) श्री खेमझन्द कुंगूमल तारवाणी, आशा नगर, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) ट्रस्टीस——के. के. तारवाणी ट्रस्ट : (1) श्री खेमचन्द्र कुगुमल तारावाणी, आशा नगर, नवसारी, (2) श्री मृद्यनलाल मियामल, सिन्धि कालोनी, नवसारी, (3) श्री रवाचन्द्र पानायन्द्र, तराटा बाजार, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी
 धविष्ठ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारंग भ्रमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

नगुत्रुची

जमीन जो काशप रोड, टिका नं. 18, एस. नं. 60 में स्थित है। जो यथाविधि तारील 7-1-1981 में रीजस्ट्रीकृत की गयी है।

> जीं सीं गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज्-।।, अहम्दाबाद

तारीच : 7-9-1981

मोहर :

प्ररूप बाई•डी•इन•एस•--

आमकर विविवयन; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रंज-।।, अहमदांबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1981

आर. नं. 1166/एक्**वी**./23-।।/81-पि . 82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयनर घधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ज के भन्नीन सक्तम प्राजिकारी की वह विकास करमे का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्**ल्य 25,000/- च**+ से धर्धिक है और जिसकी सं टिका नं 18, एस नं 60, कारबोप रोड है, तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-1-1981 को एवर्षिक सम्मत्ति के छचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रस्तरित की गई है गीर नुझे यह विख्वास करते का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रशिक्षल के पन्त्रह प्रतिकत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (झन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वबा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धश्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- िष्ठ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण म, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती नीलाबेन मोतीराम, विधवा करूंज के सामनं, लुनसीक्वी, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) ट्रस्टीस——के. कें. तारवाणी, ट्रम्ट, (1) खेमचन्द कुनगुमल, तारवाणी आशानगर, नवसारी, (2) श्री मदनलाल मियामल, सीधी कालोनी, नवसारी, (3) श्री रेवाचन्द पानाचन्द, तारोटा बाजार, नवसारी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस नूजना के राजरत में प्रकासन की तारोख से 45 दिन की प्रविध या तस्त्रें क्षी क्ष्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें का व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में
 हितबद किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त गण्यों और पदों का, जो 'उक्त पधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परिभाषित. हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कारसाप रोड, टिका नं. 18, एसं. नं. 60, नवसारी में स्थित है, यथाविधि तारीख 7-1-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 7-9-1981

मोहर 🔃

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1981

सं. पि. आर. नं. 1167/एक्वी./23-11/81-82--अतः म्भे, जी. सी. गर्ग, श्रायक्षर श्रविनियन, 1961 (1961 हा 43) (जिने इसमें इसके पश्चात 'उक्त पश्चिनियम' हहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये मे श्रधिक है और जिसकी सं नोंद नं 1824, किरपाराम महेता है, तथा जो कानचा, गोपीपुरा, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-1-1981 को पुर्वीभत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का गन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उकत ग्रन्तरण तिखित में। वास्तवित रूप में कथित किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं अचने में स्विधा का लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के. प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं नियम गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उपन अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (11 के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

(1) श्री सतीश मनोहरलाल महता, जय गुजरात बिल्डींग, दूसरा माला, रोड नं. 7, सांताकुज, पूर्व, बम्बर्द।

(अन्तरक)

(2) श्री सलील मनहरलाल महता, पूर्व, बम्बई, (2) श्री सलील मनोहरलाल महता, (3)श्री डा. अशीतवनदन रमनभाई देसाई, कुलमुकत्लार, श्री अशोक देसाई, पिरामल नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-63।

(2) श्रीमती कं सुमबन ताकोभाई देसाई, 8/1824 किपाराम महता, कानचो, गोपीपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहेस्ताक्षरी के एम निस्तित में किए जा सकोंगे.

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं. 8/1824, किपाराम मोहता, कानचो, गोपीपुरा, सूरत, यथाविधि तारीख 27-1-1981 मे रजिस्टी की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-१।, अहमदाबाद

तारीख : 8-9-1981

मोहर :

प्ररूप आह^र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजन्।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1981

नं पी. भार नं 1400/एक्बी /23-1/81-82—-आतः मुक्ते, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित **बाजार मू**ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म्यूनी. वार्ड. नं. 10, ब्लोक नं. 2, हाउस नं. 76/32-41 है, तथा जो स्टोशन रोड, भूज में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, भूज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-1-1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पटोल धनाभाई शीवजी, गांव—कथामगी स्वपुर, तालुक—नंत्रशाणा, भूज (कच्छ)। (अन्तरक)
- (2) श्री सोनारा हुरभाई जाफर हाजी जामद जीर दूसरे, गांव--जलन, तालुक--अब्दासा (कच्छ)। (जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अंविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्वीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जो 444-4-0 वर्ग गज जमीन पर म्यूनी. बोर्ड नं. 10, ब्लोक नं. 2, घर नं. 76/32-41, संस्टोशन रोड, भूज में स्थित है, ये मकान रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय, भूज में, बीकी खत नं. 84/13-1-1981 से यथाविधि रिजस्ट्री किया गया है, जो उसमें संपूर्णतः विर्णित है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।, बहुमवाबाद

तारीब : 5-9-1981

मोहर :

प्रकष भाई। डी। एतः एस।----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के खधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1981 पी. आर. मं. 1401/एक्वी./23-।/81-82 -- अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, बायकर मौबनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उला मिलियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- र• से अधिक है और जिसकी सं. एस. नं. 211-215, फौक्टरी बोड हैं, सी-10, एम पी शाह उद्योग नगर, इन्डस्ट्रीयल एस्टटे, जामनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-1-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार. मुख्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रसु प्रतिशत पश्चिक है घौर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

> (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए, और/या

तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरक

जि**खित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है**:---

(ख) ऐंसी किसी आय या किसी धन या अभ्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रविष्:--12—266G1/8I

(1) मैंसर्स डीलक्स फुड श्रोडक्टस्, सी-10, एम. पी. शाह, उद्योगनगर, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) सीराज आईस एण्ड कोल्ड स्टोरेज, सी-10, एम. पी. शाह, उद्योगनगर, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्निए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्मम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि₁ जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितय क
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए बासकेंगे।

रूपव्टीहरण--इसमें प्रयुक्त एव्दों श्रीर पदीं का, जो उपत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

फेक्टरी शंड जो 9750 वर्ग फूट जमीन पर एसं. नं. 211-215 सं, सी-10, एम. पी. शाह उद्योग नगर, इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, जामनगर में स्थित हैं, ये शेंड रिजस्ट्रीकर्सा कार्यालय, जामनगर में बीकी खत नं. 114/12-1-81 से रिजस्ट्री किया गया है, जो उसमें संपूर्णतः वर्णित हैं।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, अहमवाबाद

तारीख : 5-9-1981 गोन्द

मोहर:

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारर 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१।, अहमवास्राद

अहंमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1981

सं. पी. आर. नं. 1402/एक्वी./23-।/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए. से अधिक है

और जिसकी सं. एस नं. 66, आर. नं. 40/2002- सुली जमीन है, तथा जो दातार रोड, जूनागढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में, रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिबित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय 'या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिथाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री घरीफखान एच पठान, दातार रोड, नीचला दातार के सामने, विवेकानन्द कालोनी के ने प्रदीक, जुनागढ़।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स चन्दन टीम्बर्स, हिस्सेवार श्री मगनलाल करसनभाई वार., खारा कुवा रोड, गांव---शापुर, ज़िला अ जुनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्तित स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त काक्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

752-1-0 वर्ग गज खुली जमीन जो एस. नं. 66 आर. नं. 44/2002 से दातार रोड, काल्आ नौक के नजदीक, जुनागढ़ में स्थित है ये जमीन रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय, जुनागढ़ में बीकी खत नं. 2134/जनवरी, 1981 से यथा-विधि रिजस्ट्री की गुई है, जो बीकी खत में सप्णित: विणित है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हा**युक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{र्}ज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 7-9-1981

मोहरु:

प्ररूप आर<u>्षः</u> टी<u>ः</u> एन<u>ः</u> एस*्----*

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहम्वाबाद, दिनांक 8 सितम्बुर 1981

सं. पा. अपर. नं._य 1168/एक्**नी**./23-।।/81-82--अत् मुक्ते, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख वं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण किः स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्यु 25,000/-रुक. से अधिक ह² और जिसकी सं प्लाटनं एफ/9, दूसरा माला है, तथा जो विश्वनगर, एस्टेट, नानपुरा, सुरत में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वृणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, सुरत मे, रिजस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अधीन्, 31-1-1981 प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ लू, निम्नुलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुबिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं..--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्स, अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नु लिखितु व्यक्तितुर्यों सुर्धास् :--- (1) श्रीमती कुंजलता के. कापडिया, सोस् प्रोप्राइटर, मेसर्स विगनेश्वर, कार्पोर्शन, 83, नुर्मवानगुर, अतया लाइस, सुरत।

(अन्तरक)

(2) (1)नीरंजन बीठलदास व साई, (2) श्रीमती निलनी नीरंजन व साई, एफ/9, विगनदेवर एस्टटेंट, नानृपुरा, सुरत्। [(अन्तरिती)]

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकेंगे।

स्थ्यकोकर्णः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषिता है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

मिलकत जो प्लाट नं. 9, दूसरा माला, विगनेश्वर एस्टोट, नानपुरा, सूरत यथाविधि तारीख 31-1-1981 में रुष्णिस्ट्री की गृथी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेपा-।।, अहमदाबाद

तारींच ः 8-9-1981 मोहर प्रस्प आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमवाधाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्देश सं. पि. आर. नं. 1169/एक्वी/23-11/81-82---अतः म्फे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं. नं. 1470/2, फाइनल प्लाट नं. 560 है, तथा जो सब प्लाट नं. 2, टि. पि. एस. 2, आनद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, आनद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिप के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्युद्देश्य से उत्रत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अयिक्सयों स्थित् :---

 श्री पटोल भावरभाई बकोभाई, सामारखा में रहता है, गांव रोवालोपुरा, तालुका आनंद, जिला कोयरा।

(अन्तरक)

2 श्री पटोल गोर्धनभाई अमबालाल, कौलासुनगर को-, ओु-हा-सोसापियुटी, आनंद।

(अन्तुरिती)

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिसन और मकान जो एसं. नं. 1470/2, फौनल प्लाट नं. एस. -60 सब-प्लाट नं. 2, टि. पि. एस. नं. 1, आनंद में स्थित है और जो बिकलिस नं. 334 पर आनंद सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 27-1-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

सारी**स**ः 9-9-19**81**

मोहरः ∙

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. पि. आर. नं. 1170/एक्वी/23-।।/81-82---अतः म्भे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 403, संक्टर नं. 29 है तथा जो गांधीनगर टाउनिधाप में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-1-1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्टिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करन का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियुगें अर्थात् :---

- श्री रमेशभाई हरिकृष्णु दोवे, तस्तोश्वर, प्लाट 1, भावनगर-2।
- (अन्तरक) 2. श्री साधू प्रमेवास लागारवास, संक्टर न. 29, प्लाट नं. 403, गांधीनगर (गुजरात)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्धितत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के रोजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो प्लाट नं. 403, सेक्टर नं. 29, गांधीनगर टाउन्निशप में स्थित हैं और विक्रीसत नं. 49 पर गांधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 15-1-1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्क (निरक्षिण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीख : 9-9-1981

मोहरः

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक बायकर बायुक्त (निर्धिम्प)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदानाद, दिनांक 9 सितम्बर् 1981

निव^रश सं. पि. आर. नं. 1171/एक्वी/23-i।/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. बेरोडा कासबा विभाग 'बी', ढिका नं. 13/5 में हैं तथा जो बालाजीपूरा विस्तार बरोडा सिटी में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को। 16) के अधीन 8-1-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तर्ण से हुई जिल्ली आयु की बाब्त्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुक्त दु अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृत्या में निष्

क्तः ज्व, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के, अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व् की उपभारा (1) के अधीम निक्निसिखित व्यक्तियों, अधीतः --

- श्री रमेशचन्द्र मालतीरावु मलहोकोर, पुलुहरेकर्,। पागा-1, बाबाजीपुरा, बेरोडा-390001। (अन्तरक)
- सचीन प्रिमैसस आंणसे को-ओ-सोसैयिटी लिमिटेड, सिचव (पर्टमेन्डस्), मुल्हेरकर पागा-1, बाबाजीपुरा, बेरोडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्य सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंगसची

मिलकन जो बेरोडा कासबा विभाग 'बी' दिका नं. 13/5, सर्वें नं. 4/5/1, 4/21, 4/20, 4/10, 4/8 और 4/7 में जिसका माप 441-00 वर्ग मीटर्स पर स्थित है। जो बिकीसत नं. 99 पर संपूर्ण वृणित पर बेरोडा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 8-1-81 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 9-9-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. पि. आर. नं. 1172/एक्वी[/]23-11/81-82--अतः मभ्हे, जी. सी. गर्ग, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. फीनल प्लाट नं. 353, सी. एस. नं. 405 है तथा जो दि. पि. एसं., आनद में स्थित है (और इसमें जेपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-1-1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार. म्स्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2/) के प्रयोजनार्थ अल्पिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;
- ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की तरा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) कौलाशबेन ्मालिसचन्द अम्बालाल,
 - (2) श्रीमती उमाबेन चितरजन अम्बालाल,
 - (3) श्रीमती रंखाबेन अशोकभाई अम्बालाल, सब मोग्री गाव में रहते हैं, आनंद तालुका। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती भावनाबेन जानते हैं पूष्पाबेन महोन्द्रकुमार एलीयास चतृरभाई, 'भावना' मोग्रीवाला मकान, पायनियर हाईस्कूल के पास, आनंद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके • पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति गः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसुची

जिसन और मकान जिसका एक.. पि. नं. 353, सी. एस. नं. 405, दि. पि. एस. नं. 1, आनद में स्थित है और जो बिकशियत नं. 111 पर संपूर्ण वर्णित पर आनद सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीय 8-1-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी भृहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-।।, अहमदाबाद

तारील : 9-9-1981

. मोइट :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ंघ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय , सुहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) थर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बैर 1981

निद्देशनं. पी. आरं. नं. 1494, एक्वी 23-।/81-82 – – अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रत. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 375 पैकी टी. पी. एस. 6, है तथा जो मणी भवन के पास, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इसरों उपाबद्ध अन्मुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजि-स्ट्रीकरण अधिन्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1981

को पूर्वाक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार, मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक **रूप से कथित नहीं किया गया ह**ै:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियो को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया कियाजाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातुः--

- (1) श्री होमन्तक मार चीमनलाल ब्रोकर 'दिलख्झ', ला गार्डन के पीछ ओलीसब्जि, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री मुभाष शंकरलाल शाह, 13-बी सहकार निकेतन नवरंगपुरा पोस्ट ओफिस के पास, नवरंगप्रा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित: बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ₹ 1

अमुसूची

जमीन (प्लीन्थ के साध) जिसका माप 524 24 वर्ग मीटर है और जो एफ पी. नं 375 पैकी टी. पी. एस. 6, से मंणी भवन, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है, ये जमीन यथाविधि रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय, अहमदाबाद, बिक्रीसत नं 1322 मील, और 1325 में राजिस्ट्री की गई है, उसमें संपूर्णतः वर्णीत है।

> जी.सी.गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज-।।, अहमदाबाद

तारीस : 9 सितम्बर, 1981 मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

पायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, 9 सितम्बर 1981

निवंश सं. पी. आर. नं. 1403, एक्वी. 23-।/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे मसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं एस पी. न 378 पैकी टी पी. एस. 6 हैं, तथा जो मणी भवन के नजबीक, पालडी, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर प्रम्तरक (भ्रम्तरकों) पौर भ्रम्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से ठुकै किमी प्राय की बाबन, **उक्त** श्रिष्ठितयम के प्रधीन कर देने के **श्रन्तरक** के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ग्रौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 13--266GI/81

- (1) श्री होमन्तकामार **जी**मनलाल बाकर, 'विलख्या', लाकालेज गार्डन के पीछो, अलीसब्रीज, अहमधाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री अशोक शकरलाल शाह, 13-बी, सहकार निकेतन सोसायटी, नवरगपुरा पोस्ट ओफिस् के पास; नवरगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का जो खक्त अधिनियम के ग्रध्याय-20क में परिभाषित है, वही भ्रष्ट होगा जो छस भ्रध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

जमीन (प्लीन्थ के साथ) जिसका माप 545.98 वर्ग मीटर याने 654 वर्ग गज है और जो एम. पी. 378 पैकी टी. पी. एस. 6 से, मणी भवन के नजदीक, पालडी, अहमुवाबाद में स्थित है, ये जमीन यथाविधि रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय, अहमवाबाद मे तीन बीक्षी खत नं. नील, 1321, 1324/जनवरी, 1981 से रिजस्ट्री की गई है और उसमें संपूर्णतः वर्णीत है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, अहमदाबाध

तारीख 9 सितम्बर, 1981 मोहर प्रारूप आई.टी.एन्.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 9 सितम्बर 1981

निदंश नं. पी. आर. नं. 1404, एक्वी. 23-।∕81-82. --अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकों सं. एस. नं. 4, एम. प्. जमीन है, तथा जो गांव त्राजपर, मोरबी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरबी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

नतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के वर्धीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री कोली जेसंग जीवा, गांव वाजपर, तालुका मोरबी, जिला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) योगीनगर को . ओप . हाउसींग सोसायटी लिमि-टेड, प्रमुख : श्री ज्यंतीलाल लवजीभाई पुजारा गांव : त्राजपर, तालुका : मोरबी, जिला अ राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा है
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14107-04 वर्ग मीटर जमीन जो एस. नं. 6 से गांव : त्राजपर, तालुका : मोरबी, जिला : राजकोट में स्थित है। ये जमीन रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय, मोरबी में बीकी सत नं. 7869/जनवरी से यथाविधि रिजस्ट्री की गई है जो उसमें संपूर्णत: वर्णित की गई है।

जी .सी .गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आंयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

ता्रीय : 9 सितम्बर, 1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना ँ

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1981

ं निवरेश नं पी. आर. नं. 1173/एक्बी./23-।।/81-82---अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. आर. एस. न. 2414-बी. सी. एस. न. 410, है तथा जो एफ पी. न. 395/1, ढि. पी. एस. न. 1, आनद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मृस्य, उसके दूरयमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकत प्रशिक है और अन्तरिक (यन्तरिकों) और अन्तरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐसे अनाम के लिए ता गाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निखित में वास्तविक क्ष्य से कचित नहीं गया है :~ :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/सा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पटोल क्षेत्रवलाल छोटाभाई बीन दारुवाला, नान् अडाद, आनंद।

(अन्तरक)

(2) श्री वोरा कालीमुदीन हाजी वाबुदभाई उन्कवाला, (2) वोरा युसफभाई सालहभाई काचावाला, दोतों नुनननगर में रहते हैं, आनंद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पह्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दिकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन जो 5-10-81-25 वर्ग मीटर्स, फौनूल प्लाट न. 395/1, ढि. पि. एस. न. 1, आनद में स्थित है और जो संपूर्ण वर्णित में बिकिश्वत नं के 279 और 280 पर सब रिजस्ट्रार, आनंद के कार्यालय में जनवरी, 1980 में रिजस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारील: 10-9-1981

मोहर:

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, अहम्दाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सि्तम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1174, एक्वी. 23-11/81-82—यतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गयः हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस. नं 236 पैकी है तथा जो विजलपुर, नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तृविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बुधीन निम्नृतिष्ठित व्यक्तियाँ सर्थातः--

- (1) श्री कवरभाई कावसजी कोदवाला, (2) श्री कावसजी खुरशवजी कोटवाला पुस्टीकर्ता श्री मनभाई काकाभाई नायक और श्री कान्तिलाल उर्फे सुमन्तरोम फीफाभाई नायक, (3) श्री भनुभाई रणछाडेली बेसाई, (4) श्री बलवंतराय डाह्याभाई, बेसाई, (5)श्री ईश्वरलाल गांडाभाई नायक-स्थान, तालुका-नवसारी और (6) श्री ठाकोरभाई डाह्याभाई नायक--कलीलपुर, तालुका, नवसारी। (अन्तरक)
- (2) श्री बयनजी अलसीभाई: कुकडीया लूनसीक्ई, नवसारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी. व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

्राप्तः. नं. 236 (पैकी) विजलपुर में स्थित मिल्फत महीना जनवरी, 1981 में यथाविधि रजिस्ट्री की ग**र्इ ह**ै।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।। अहमदाबाद

तारीख : 10-9-1981

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सिंतम्बर 1981

निवरेश सं. पी. आर. नं. 1175, एक्की. 23-।।--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 150, 151/1, 151/2, 152/2 और 153/2 है तथा जो कबीलपुर, नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यम्मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) सुखाभार्द्य लल्लुभार्द्य पटाल, गांव : अमनपार, तालुका : नवसारी।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री शमाबेन भलाभाई पटोल, गांव : सपाटीया तालुका : गणवेबी
 - डा. भलाभाई दंलपतराम
 11, कल्पना सोसायटी, कबीरपार, नवसारी।
 - लताबेन, बल्लभभाई पटोल, निशाल महाल्ली, न्वसारी
 - 4. श्री दोवजीभाई भीसाभाई पटोल गांव : अंभेडी, ताल्का : पससाग।
 - 5. वजीआबेन देवाभाई पटेल, गांव : अंभेडी।
 - दयानजीभाई मणीभाई पटोल पटोल मोसायटी, छपरा रोड नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन-क्री अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस. नं 150, 151/1, 151/2, 152/2, 153/2 से कबीलपोर में स्थित मिलकत यथाविधि, जनवरी, 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग संक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-।।, अष्टमदाबाद

तारील: 10 सितम्बर 1981

मोहर :

प्ररूप् आहरे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 10 सितम्बर 1981

निवोधानः पी. आर. नं. 1176, एक्वी. 23-11,/ 81-82--- अतः म्फे, जी. सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्चात्र उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं. एस. नं. 198 ही तथा जो शंदोर मी स्थित ही (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बॉणित हैं), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-1-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोश्य में उक्त अन्तरण निष्यित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अहर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अत्र, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) 1 श्री गुलाम नबी अस्दालरहमान बाटलीवाला भवेर, हजामबाड, शदार।
 - युसुफ अब्दुलरहमान, शंदर, हजामबाड शंदर।
 - अब्बास अब्दालरहमान, शवर, हजामबाड शंदोर।

(अन्तरक)

(2) श्री बीपीनचद्र गुलाबदास दलाल हरीप्रा, मेईन रोड, सुरत।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्ब्ष किसी जन्म अयिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

शदोर स्थित भिल्काल एस .न. 198, जनवरी, 1981 में यथाविधि रिजिस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्जिन्।, अहम्दाबाद

ता्रीख : 10 सितम्बर 1981

भोहरः

प्ररूप आर्इ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, अहमुदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1981

नि**दर्श सं. आर बी**. 1177/एक्वी. 23-।।**/**81-_{-82—}अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. नोदंनं. 2885 - क 2885 - के-1-4-1 है तथा जो सालाबतपुरा, बार्ड नं. 3, सुरत में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-1-81 को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री पपुतलाल हीरालाच पटल, मालीनीवाडी, सालाबतपुरा, सुरुत।

(अन्तरक)

- (2) । श्री धनस्खलाल कछराभाई,
 - 2. श्री मनहर लाल कछरा भाई,
 - 3 श्री गाँविन्दभाई कछरा भाई,
 - 4. श्री अथनमिलाल कछराभाई,
 - 5. श्री प्रवीण चंद्र णेणेरा भाई,
 - 6. श्री दिनेशभाई गणेरा भाई,
 - 7 श्री महोन्त्रा गणेश भाई,
 - श्री नरोशकाुमार गणेश भाई, वंगामपुरा, मापरा शोरी, सुस्त।

(अऋरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृहारा;
- (स) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं 2885-के-1-4-1, सलाबमपूरा, वार्ड नं 3, सुरत, यथाविधी नारील 8-1-1981 में रजिस्ट्री की गर्ड है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहम्दाबाद

तारीख :: 10-9-1981 मोहर

प्रकप आईं टी॰ एन॰ एस॰-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयेकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहम्दाबाद, दिनाक 10 सितम्बर 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1178 / एक्वी. -23-।। / 81-82---अत: मुक्ते, जी मीगर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कीरण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी स. नं 390 और 264-कारेली है तथा जो कारेली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेज भे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-1-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-च के अनुसरण मे, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--

- (1) 1. श्री मन्तु भाई दोया भाई पटोल ईना, ताल्का पालसाना।
 - श्री कालीदास नागभाई पटोल, संथानी, तालुका : पालसाना।

(अन्तरक)

(2) श्री मानंजीज डथरकडर, श्री रामनभाई हरीभाई पटले -हरीओं पेपर फिल, गाव मना, तालुका पालसाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :~-इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स् ची

मिलकत जो कारली, तालुका पालसाना एस नं. 390 और 264 यथाविधि तारील 5-1-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

. जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज-।।, अहमवाबाद

तारीय . 10-9-198ृ1 **मोहुद**३

प्ररूप आहाँ दी. एन . एस . -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1981

चिद्रोश सं. पी. आर. नं. 1177, एक्की.-23-ा। ∕ 81-82-–अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उषित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है है तथा जो लाथन, धरमपुर कांस लेन, बलसाड में स्थिह है है तथा जो लाथल, धरमपुर कार्स लेन, बलसाड में स्थित है (और इसमें उपायद्धें अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1981 को पूर्वोक्त संपरित के अचित बाजार मूल्य से काम के बस्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्सि संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफर्लसे, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्यवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;' आर्ट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

लतः सव, उक्त ऑधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में माँ, उक्त ऑधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री पंकर्ज डाहयाभाई शाह, महावीर सांसायटी, क्भारशाला नं. 1 के सामने, वलसाड।

(अन्तरक)

- (2) 1 डा. कंचनलेन एच. सोनी 'वंद्यीवट', टेलीफोन एक्सचोंज के सामने वलसाड।
 - 2. डा. नलीन परीख परीख होस्पिटल, मदनवाड वलसाड।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारींच से 45 दिस की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

आर. एस .नं. 59/1, सी. एस. नं. 2273 से वलसाड मं स्थित मिल्कल 20-1-81 को यथाविधि रजिस्ट्री की गर्इ है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद

तारील : 11-9-1981

मोहरः

प्ररूप ग्राई∙ टी• एन० एस०------

त्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

' अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद.

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निविध नं. पी. आर. नं. 1180, एक्वी 23-11/81,-82--अतः मुफ्ते, जी. सी गर्ग, आयशर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है. कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी मं. एस. नं. 355/2/2 पैकी जमीन है तथा जो वापी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

जनवरी 1981
को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यभान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन उक्त मधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः मन, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित :---

- (1) 1. श्री जयंतिलाल धरमचंद, खुद और मुख्तार-नामा धारक श्री चमनलाल धरमचंद, वीपी।
 - श्री शाह नानचंद्र बलाखी गांव : कांपराली, तालुका : वापी।
 - श्री शाह बाबुभाई नेम चंद वि वापी ,तालुका : पारडी।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपालभाई कल्याणभाई टडोल नानी दमण, दमण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रार्भन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो उक्त अग्नि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस. नं. 355/2/2 से वापी में स्थित जमीन जनवरी, 1981 को यथाविधि रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, अहमबाबाद

तारीख : 10 सितम्बर 1981

मोहर :

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 सित्म्बर 1981

नं. पी. आर. नं. 1181∕एक्वी.∕23-≀≀∕ 81-82--अतः मभ्ते, जी. सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं नं 74 है तथा जो गांव वाशीरा, तालुका वलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1981 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितों (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफाल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनिमय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) एकसेल प्रोसेस प्रैवड लिमिटेड, 117-118, अनतरी, कुली रोड, ज़कला, अनुतरी (पूर्व), बाम्बे।

(अंतरक)

- (2) श्री मुखल्यारनामा का :
 - 1 माणी जे रोतनशाह,
 - 2. रासना जे. रतनशाह,
 - हावंली जे. रोतनशाह, भागीदारों: आर मे. इलैक्ट्रिकल्स, वाझीर, तालका बेलसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंकत सम्वृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

बिन <mark>सेती का जमीन जो वाझीर, एस</mark>. नं. 74 यथाविधि जनवरी महिने, 1981 में रिज़िस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज-।।, अहमदाबाव

तारख: 10 सितम्बर 1981

मोहर:

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •-

आयुकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) को अभीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद ,दिनांक 11 सितम्बर 1981

निद्येष नं. पी. आर. नं. 1182/एक्की./23-।।/ 81-82--अतः मुक्तें, जी. सी गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25000/- र॰ से अधिक है

और जिसकी सं. आरन्द सिम, एस. न. 785 है तथा जो ज्यानंद में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जानंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अभित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की । जिन्हें भारतीय मायकर धिंतियम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिंतियम, या धन-कर घिंतियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रभुलभार्ष जीवाभार्ष पटल और दूसरो, नानू, अडद, आनव।

(अन्तरक)

(2) श्री चिमनभार्षः मोतीभार्षः पटोल गामडीबाह पासे, आनद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आप से 4.5 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनः की तामी क से 3.0 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अञ्चोहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पन्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो एस अध्याय में दिया गया है-।

अनुसूची

खुल्ला जमीन जो आनद सिम सर्वों नं. 785 में स्थित है। जो बिकासित नं. 325 पर सब रजिस्ट्रार, आनन्ध के कार्यालय में तारीख 23-1-1981 में संपूर्ण वर्णित पर रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गुर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमवाबाद

तारीख: 11-9-1981

मोहर:

प्रकृप भाई० टी० एत० एस०-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याखय, सहायक प्रायक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, बस्क्हर्

बंबई, दिनांक 9 सितम्बर 1981

निद^{क्ष}ण सं. ए. आर.।।/3130-17/जन. 81--अतः मुक्ते, सन्ताष दत्ता,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्न प्रधिनिया' कहा गया है), की धारा 269-ख ए अधोन उभन प्रधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- स्पर्य में प्रधिक है

और जिस्की सं. सी टो सं. नं. बी/357 बी/369 बी/360 एसं. नं. 363 है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (और इसंसे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बान्द्रा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशंत से भिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में वास्तिक रूप में किया नहीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में मुविधा के लिए; घीर/या
 - (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः भव, उक्त यमिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु '---

- श्रीमती मार्था व्ही, डायस और मेरी पी. डायस (अन्सरक)
- 2. फारक इबाहीम और इकबाल इबाहीम। (अन्तरिसी)
- स./श्री धोबी भिकारी शारदा पाठक सायमन नरान्हा, एल. संतोष, संजीव पूजारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजँन के लिए कार्पवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रजंत के मम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की लारीख से 5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्ववदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-निमम के अध्याय 20-क में गरिमाणित हैं, बहो अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमृत्वी

जैसा कि विलेख सं. 1075/79 जौइन्ट सबरजीस्ट्रार, बान्द्रा अधिकारी द्वारा दिनांक 6-1-1981 को रजीस्टर्ड किया गया द्वीर

> संतोष बत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अभिग्रहण इलाका-।।, बम्बई

सारीख: 9-9-1981

मोहर:

प्ररूप आइर्.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, स**हा**यक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निर्दाश स. ए आर । । /3115-3/जन-81--अतः मुभ्ते, सन्तोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 16 एसं न 287 (पीटी) है तथा जो बम्बई मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई मो रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1-81

के अधीन, तारील 3-1-81 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के रूर्यमान प्रतिकल के अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यान प्रतिकल से एमे रूप्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अर्ध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- . 1. श्री पी. के. भन्माली और श्री एम के भन्साली (अन्तरक)
 - थी पी. के. विश्वास और श्रीमती गीता विश्वास ,(अन्तरिती)
 - मैससे ग्रीव्हज कार्टन लिमिटेड आर. बी. एम. बल्डे ट्रंड कार्पारिशन

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बीद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जैसा कि विलेखन संग्या 597/79 बम्बर्श उपरिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 3-1-1981 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> संतोष दत्ता **सक्षम् प्राप्तिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अभिग्रहण इलाका-।।, बस्बर्झ

तारीय 10 9-1981 मो**हर**ः प्ररूप आहर.टी.एन्.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्याचय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, बम्बई

बम्बद्दं, 10 सितम्बर 1981

निद³श सं. ए. आरं.-।।/3114-2/जन 81--अतः म्भे, संतोष दत्ता,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं. 16 एसं. नं. 287 (पीटी) है तथा जो विलोपालों ज व्ही पीडी में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बर्ड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 जनवरी, 1981

को नुर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धुन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सृष्धा के लिए।

अतः अब, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्रीमती पी. के. बन्माली, भी एम के. बन्माली (अन्तरक)
- 2 श्री पी के विष्वास, श्रीमती गीता विश्वास (अन्तरिती)
- मैमर्स ग्रीव्हज काटन क. लिमिटोड और आई. वी. एम. वर्ल्ड ट्रोड कार्पोरोशन।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के भूर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्∴—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध कि मी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन से किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं. एम 598/79 बम्बर्झ उपरिजस्ट्रार अधि-कारी द्वारा विजांक 3-1-1981 को रेजिस्टर्ड किया गया है।

> संतोष घत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, बम्बई

ना**री**ख : 10 **-**9-198**1**

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनित्रम, 1961 (1961 का **43) की धा**रा 269-**ष** (1) के **अधीन पू**षना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, बम्बर्ड

बम्बर्घ, विनांक 10 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. ए. आरं. १।/3115-3/जन्. 81---अतः मुक्ते, सन्तोष दृत्ता,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थापर मंत्रति, जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक ही

और जिसकी सं. प्लाट नं. 16 एस. न. (287/पी.टी.) है तथा जो विलेपालें जे व्ही पी डी में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 3-1-81 की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण के के यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है प्रार अग्तरक (प्रान्तरकों) और अग्तरिती (प्रान्तरिकों) के बीच ऐसे अग्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अग्न अगारण निखित ने बालनित हुए से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अस्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में कमो करने या उत्तसे बबने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

शतः, भव, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रंधीन, निम्निसि**खत व्यक्तियों, अर्थात्** :—

- श्रीपी. के. भन्साली, और श्री एस के. भन्साली (अन्तरक)
- 2. श्री पी. के. विस्वास, श्रीमती गीता विश्वास (अन्तरिती)
- मैसर्स ग्रीव्हजु काटन लिमिटडे आई. बी. एम्. बेल्ड ट्रेड कार्पोरोशन।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपरित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की जबधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों
 में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पास निकार में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जैसा कि विलेख सं. एस 599/79 बस्बई उपरजिस्ट्रार अधि-कारी द्वारा दिनांक 3-1-1981 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

> संतोष दरता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, बम्बर्झ

तारीख: 10-9-1981

महर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (196; का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरद ?

कार्यालय, सहायक अन्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-। वम्बई

बम्बर्इ, दिनांक 14 सितम्बर 81

निर्देशिस ए. आर -1/4527/1/81-82---अत[.] नकी,

सुधाकर वर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रन. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. के 19 है तथा जो रिरगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी ले कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

21-1-1981 विलेख नं. 125/78/बम्बई
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
मे बान्तिवक रूप से ट्रिथत नहीं किया गया हैं---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अ।य को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें तचने में सविधा कलिए, और/या
- (स) गोसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1902 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रकार अधिनियम 1957 (1957 का 07) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था छिन्न में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
15——266GI/81

 श्री हमीदा गुलामली एफ करोमभाय 2 हवीब अह-मइभाय करोमभाय, रहोमनुल्ला करोमभाय ट्रस्ट के ट्रस्टीय अनुसूची 'अ' के अनुसार

(अन्तरक)

11513

- 1. मोहमद कासम अली मोहमद जुमानी
- 2. अब्दुल अजीज जुमानी
- 3. मोहमद इकवाल जुमानी
- 4 जीनत अबद्रल अजीज जुमानी
- 5. रफीया मोहमद इकबाल जुमानी
- 6. उमर मोहमद कासम जुमानी
- 7. शाकील मोहमद कासम ज्मानी
- 8. अली मोहमद एस. कासम जुमानी
- 9. सोमा अब्दल अजीज जुमानी
- 10 . अमीस अब्द ल अजीज जुमानी

(अन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया

अनुसूची

जैसा कि निलेख नं . 125/78 बम्बर्ड उपरिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 21-1-1981 को रिजस्टर्ड किया है।

स्थाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे-।, बम्बई

तारीख: 14-9-81

मोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, बम्बद्ध

बम्बर्ड, विनांक 14 सितम्बर 81

निदांश सं. ग्. आर. 1-/4528/81-82— अतः मृभ्ते, सृधाकर वर्मा,

कायकर जोधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं सी. एस. नं 73 है तथा को औफ प्रिन्सेस डॉक, एलफीसटन रोड में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन-सूची में और पूर्ण रूप से दिणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रति-रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुइ. किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर, दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः बर्ब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों स्थातः -

1. श्री बेहराम मुर्झबान तफटी।

(अन्तरक)

2. स्भाषचंद्र शामजी

(अन्तरिती)

3. मैसर्स गोरधनदास रणछाडेदास

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्षन् के प्रिष्ण कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी. व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही-अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

जैसाके विलेख सं. 2296/79/डी और जो उपरिकास्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-1-1981 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ो]ज-।, **बम्बद्**

तारीख: 14-9-81

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रंज-3, बम्बर्घ

बम्बर्ड, दिनांक 14 सितम्बर 81

निविध्या सं. ए. आर./ए.पी. 377/81-82——अतः मुक्ते, सुधाकर वर्मा,

भायकर, ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 2 ओफ स्वर्बन गिल्बर्ट हिल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांद्रा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 6-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रभ्तरक (अन्तरकों) धौर प्रम्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण सिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचन में सुविधा के लिए; और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः सन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरज में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- अन्त्रकांत टी कान्तावाला सूरोन्द्र टी कान्तावाला प्रकाश सी कान्तावाला दीपक सी कान्तावाला रमेश एस शाह महोन्द्र एस शाह

(अन्तरक)

2. म्युनिसिपल कार्पोरोशन आफ ग्रेटर बाम्बे स्टाफ गिल्बर्ट को. आप. हा. सो. लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जैसा कि विलेख सं. 169/1979 बांद्रा जाईन्ट उपरिजस्ट्रार 4 अधिकारी द्वारा दिनांक 6-1-1981 को रिजस्टर्ड किया गया।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, सम्बद्धाः

ता्रीख : 14-9-1981

मोहर:

प्रस्प याः वाक्षक एतक--

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) डी घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजीन राज, भुवनेश्वर

भुबनेश्वर, दिनांक 31 अगस्त 1981

निर्देश सं. 3/81-82/आर्ड.सी. (ए/आर)--अतः म्भे, पी. के. सिश्र,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इयमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की सारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,900/- ६० से स्रधिक है

और जिसकी सं. 62 है, जो शहीदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्बनेश्वर, जि. प्री में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लियें अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिहत विन्नानिवित उर्जा ने उचन अन्तर लिखित में बामाधिक का स्वीत स्वीति हा स्वीति का स्वीत

- कि। अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त प्रिक् नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए औरकृया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा क लिए,

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री प्रभाकर भट्ट, जदनी, जिला पूरी। (अन्तरक)
- (2) श्री बाला निधि साहु, 461 सहिद नगर, भूवनेश्दर, जि.—-उड़िसा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण हैं

अनुसूची

र्मीजा सहिद नगर, भुवनेश्वर, जमीन एरिया, ए.--13 जि.--पुरी।

पी. के. मिश्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भृवनेश्वर

तारीख : 31-8-1981

मोहन्र :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th August 1981

No. P/1744-Admn.II(Vol.IV).—Shi Chand Kiran, a permenant Research Assistant (Hindi) of the office of Union Public Service Commission and at present officiating as Junior Research Officer (Hindi) on ad hoc basis in the Commission's research Omeer (Andil) on an noc basis in the Commission's office is hereby relived of his duties in this office with effect from the afternoon of 28th August, 1981 with instructions to report for duty to Shri M. P. Singh, Under Secretary to the Government of India. Ministry of Law, Justice & Company Affairs, Legislative Department (Vidhi Sahitya Prakashan), New Delhi immediately.

The 31st August 1981

No. A. 32014/3/80-Admn.Π.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 5-3-81, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following officers to officiate as Superintendent (DP) in the scale of Rs. 650-30-740-35as Superintendent (Dr) in the scale of Rs. 636-36-740-52-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on an ad hoc basis for a further period of six months with effect from 1-9-1981 or until further orders whichever is earlier. •

- 1. Shri M. M. Sharma
- 2. Shri Jagdish Lal
- 3. Smt. D. J. Lalwani
- 4. Smt. Raj Sethi
- 5. Miss Sudarsban Handa
- 6. Shri R. R. Bhardwai
- 2. The above mentioned persons should note that their ad hoc appointment to the post of Superintendent (DP) will not automatically entitle them to regular absorption or for seniority in the grade.

P. S. RANA Section Officer, for Secy. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 21st July 1981

No A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Kailash Chandra Section Officer of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission for the further period w.e.f. 5-7-1981 to 10-7-1981.

2. Shri Kailash Chandra shall draw special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS (1) dated 11-12-1975.

The 31st August 1981

No. P/1818-Admn.I.—In continuation of Union Pu Service Commission Notifications of even No. dated August, 1978 and 14-9-79, the appointment of Dr. Public Súbramanayan as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission has been continued for a further Union period of six months with effect from 1st September, 1981 or until further orders whichever is earlier, in terms of the Department of Personnel & Administrative Reforms OM No. 39/70/PP dated 9-1-79; with the concurrence of the Ministrative Affair try of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms vide their letter No. 39017/19/9-Estt(B) dated 27-8-81

The 4th September, 1981

No. A. 32014/3/79-Admn. 1-The President is pleased to appoint the following permanent Senior Personal Assistants (Gd. B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd. A of CSSS) in the same care on a purely provisional, temproary and ad hoc basis with effect from the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S.			Poriod		
No.			 		
1. Shri. Joginder Singh			7-9-81 to 6-11-81		
2. Shri R.L	. Thakur		27-8-81 to 26-10-81		

No. A. 32014/1/31-Admn. I—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants of the Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P. S. (Grade B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below: -

S. Name No.	Period
1. Shri T.R. Sharma	7-9-81 to 6-11-81 or until further orders whichever is earlier
2. Shri Sham Parkash	27-8-81 to 26-10-81 or untill further or- ders whichever is earlier

2. S/Shri T.R. Sharma and Sheam Parkash should note that their appointment as Sr. P.A.(Gd, B. of CSSS) is purely temporsary and on an-hoc basis and will not confer on them, any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade. Further, the aforesaid ad hoc appointments are also subject to the approval of the Department of Personnel & Administrative Reforms.

> Y. R. GANDHI, Under Sec. (Admn.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi, the 8th September 1981

No. O.II-1578/81-Estt,—The Director General CRPF pleased to apopint Dr Surender Singh as Junior Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 6-8-1981 (FN) to 17-8-1981 (FN).

The 9th September 1981

No. O.II-1524/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Balvinder Singh Sarcen, GDO; Gd-II of Base Hospital-I, CRPF New Delhi with effect from the forenoon of 24 August 1981 on expiry of one month's notice under Rule5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

No. F.2/22/81-Estt.(CRPF).—The President is pleased to confirm the following Doctors as General Duty Officer Grade-II in the Central Reserve Police Force:

- 1. Dr. (Mrs) Sharda Sirohi
- 2. Dr. Mohan Charan Scthi
- 3. Dr. Lalit Kumar Shrivatri
- 4. Dr. Jatindra Kumar Swargari
- 5. Dr. (Mrs) R. P. Balani
- 6. Dr. Kapil Bhalla
- 7. Dr. Linga Raj Jena
- 8. Dr. Bhola Shanker Mishra
- 9. Dr. Mohd. Elias Ali Khan
- 10. Dr. M. G. Limaye 11. Dr. S. D. Kinikar
- Dr. Swarupanand Naik
 Dr. Ramakant Behera
- 14. Dr. H. R. Patil
- 15. Dr. Umesh Gautam 16. Dr. Ishwar Dayal
- 17. Dr. Sunharilal Nimesh

The 14th September 1981

No. O.II-1601/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. S. S. Sankhari as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st September 1981 subject to his being medically fit.

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE New Delhi, the 10th September 1981

No. E-16014(4)/2/77-PERS—On attaining the age of superannuation, while on deputation, Shri H. Natarajan Relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. Southern Zone HQrs, CISF, Madras with effect from the afternoon of 30th June, 1981.

No. F-38079(4)/5/81-PERS.-On transfer from Rasayani, Shri Inder Mohan assumed charge of the post of Assistant Commandant, CJSF Unit, M.P.T. Goa with effect from the afternoon of 16th June 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On his transfer from Goa Shri B. A. Devaya assumed the charge of the post of Asstt: Commandant Southern Zone Training Reserve Force, Madras with effect from the forenoon of 27th June 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On his transfer to Thumba Shri M. N. Murmu relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant C.I.S.F. Unit, SHAR Center with effect from the afternoon of 30th June 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On transfer to Rasayani Shri Isham Singh relinquished the charge of the post of Asstt:Commandant, CISF Unit, B.I.L. Bhilai with effect from the forenoon of 29-6-81.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On transfer from Madras Shri P. K. P. Nair assumed the charge of the post of Asstt: Comdt. CISF Unit, H.Z.L. Tundoo with effect from the forenoon of 28th May 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS,—On transfer from Thumba Shri L. V. Joseph assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, SHAR Centre with effect from the forenoon of 8th July 1981.

SURENDRA NATH Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 10th September 1981

No. 11/15/80-Ad.I.—In partial modification of this office Notification of even number dated 7-4-1981, the President is pleased to apopint, by transfer on deputation, Shri P. Vasudeva. an officer belonging to the Karnataka Civil Service, as Deputy Director of Census Operation in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, with effect from the afternoon of the 3rd March, 1981 to the 31st December, 1982 or until further orders, whichever is carlier.

2. The headquarters of Shri Vasudeva will be at Hassan.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA GOVERNMENT MINT.

Calcutta-88, the 10th July 1981

No. P-55/6491.—Shri N. C. Banerjee, Permanent Dy. Accountant, India Government Mint, Alipore, Calcutta-88, Accountant, those Government Mint, Alipore, Calcutta-8s, is appointed on an ad-hoc basis, to officiate as Accounts Officer (Group 'B' Post Gazetted) in the scale of pay of Rs, 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 2nd March, 1981, for a period of six (6) Months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier, vice Shri M. L. Mitra, officiating Accounts Officer, retired with effect from 1-3-1981 from 1-3-1981.

No. P-86/6492.—Shri P. K. Goswami, Permanent Dy. Accountant, India Government Mint, Alipore, Calcutta-88, is appointed to officiate on an ad hoc basis, as Administrative Officer (Group 'B' Post Gazetted), in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- against the newly created post vide Government of India, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, New Delhi's Order No. F.3/23/80-Cy dated 24-12-80, with effect from 2nd March, 1981, for a period of six (6) months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier. regular basis, whichever is earlier.

H. N. GUPTA General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR

New Delhi-110002, the 11th September 1981

No. CA.I/56-77.-Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has a permitted Shri G. T. Sampath Kumarachar, Audit Officer (Commercial) to retire voluntary from Govt. Service under provisions of rule 48-A of CCS (Pension) Rules 1972 with effect from 17-8-1981 (AN).

M. A. SOMESWARA RAO Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi the 9th September 1981

CORRIGENDUM

No. Admn I/O.O. 212.—In partial modification of this office order No. Admn. I/199 dt. 24-8-81, it is hereby notified that the date of promotion of Shri Y. S. Gupta as Audit officer appearing at Sl. No. 2 thereof, may be read as 2-9-81 instead of 24 8 81.

Joint Director of Audit (Admn)

OFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 7th September 1981

No. Admn.1/8/132/81-82/223.--Sri V. Daraiswami Naiddu Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31-8-81 AN.

No. Admn. 1/8/132/81-82/223.—Sri Jayarao Pathki Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-II, Hyderabad, has retired from service w.e.f. Pathki 31-8-81 AN.

> R. HARIHARAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 19th August 1981

1MPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/2/81-Admn(G)/4953.—The President is pleased to appoint Shri Radha Kishan, CSS (Grade I Select List 1980) and Controller of Imports and Exports to officiate in grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office for the period from 29th January, 1981 to 30th June, 1981.

2. The above appointment of Shri Radha Kishan, in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports is subject to the decision on the Writ Petition pending in the Hamble Supreme Court and Hamble tion pending in the Hon'ble Supreme Court and Hon'able Delhi High Court in this connection including the Civil Write Petition No. 511 of 1980 of Mr. Thomas Mathew and 2 other Vs Union of India.

No. 6/1192/77-Admn (G)/5252.—The President is pleased to accept the resignation of Shri T. K. Chowdhury, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports. Calcutta with effect from the afternoon of the 29th June,

2. Shri T. K. Chowdhury is entitled to all the benefit as admissible under C.S. R. 418-B.

A. N. KAUL Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports.

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONFR FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 22nd August 1981

No. A-32013/6/80-Admn.JI(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 10th August, 1981 and until further orders Shri J. N. Supakar a regular Assistant Director Grade-I (Designs) as Deputy Director (Designs) in the Weavers Service Centre, Varanasi.

No. A-32013/6/80-Admn,II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 10th August, 1981 and until further orders Shri S. K. Das, a regular Assistant Director Grade-J (Designs) as Deputy Director (Designs) in the Weavers Service Centic, Calcutta.

P. SHANKAR Addl. Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 10th September 1981

No. 12(669) /70-Admn.(G).—Consequent upon reversion to his permanent post of Section Officer of the C.S.S. Cadre of the Department of Industrial Development, Shri M. P. Gupta, relinquished charge of the post of Deputy Director (General Administrative Division) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the afternoon of 26th August, 1981, on completion of his ad-hoc deputation.

The 11th September 1981

No. 12/360/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri C. Radhakrishnan, Deputy Director (Electrical) Regional Testing Centre, New Delhi as Director (Grade II) (Electrical) on ad-hoc basis in the office of Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 22nd August, 1981.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRFCTORATE GENERAL OF SUPPLIES*AND DISPOSALS

New Delhi-110001, the 10th September 1981

No. A-17011/193/81-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri D. Bandyopadhyay, Examiner of Stores (Engg) in the Calcutta Inspection Circle of officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Engg) in the same Inspection Circle with effect from the forenoon of 13th July, 1981 and until further orders.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
For Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 5th September 1981

No. 5559B/A-32014(2-AG)/79/19B.—Shri Ch. V. V. Satyanarayan Murthy, Senior Technical Assistant (Geophy.). Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity we f the forenoon of 4-7-81.

No. 5546B/A-19012(1-MFA)/80-19A—Shri Mohd Faiz Ahmed is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 17th July, 1981, until further orders,

V. S. KRISHNASWAMY, Director General,

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th September 1981

No. A. 19012(83)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. S. Nogia, officiating Assistant Administrative Officer is promoted to officiate as Administrative Officer in Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 13th August, 1981.

S. V. ALI, Head of Office. Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi......1981

No 2/32/60-S.11—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. N. Kundu, Administrative Officer, Betar Jagat All India Radio, Calcutta to officiate as Senior Administrative Officer at Doordarshan Kendra Calcutta with effect from 27-8-81.

S. V. SESHADRI, Deputy Director of Administration For Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th September 1981

No. A. 31013/3/81(AIIPMR)/Admn.J.—The President is pleased to appoint Shri T. P. Mirajkar to the post of Prosthetic Engineer, All India Institute of Physical Medicine & Rehabilitation, Bombay, in a substantive capacity with effect from the 30th June, 1978.

T. C. JAIN, Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 4th September 1981

No. A-19027/1/78-A.III.—Consequent on his selection to the post of Asstt. Director in the National Sample Survey Organisation at Calcutta under the Department of Statistics, New Delhi, Shri A. K. Srivastava, Statistical Officer, Faridabad, relinquished charge of his post under this Directorate in the afternoon of 31-7,1981.

The 5th September 1981

No. A-19025/10/81-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Dipak Ranjan Ray has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Bombay w.e.f. 10-8-1981 (F. N.), until further orders.

No. A-19025/18/81-A.III.—Shri P. P. Mukhopadhyay, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Gauhati, on ad hoc basis, we.f. 3-8-1981 (F. N.), until further orders.

No. A-19025/20/81-A.III.—Shri K. T. Rajurgar, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur, on ad hoc basis, w.e.f. 14-7-1981 (F. N.), until further orders.

No. A-19025/211/81-A.III.—Shri S. O. Garorkar, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Bombay, on ad hoc basis, w.e.f. 25-7-1981 (F. N.), until further orders.

The 8th September 1981

No. A-19023/1/80-A.III.—Consequent on his selection to the post of Block Devt. Officer under the Government of Himachal Pradesh at Nurpin (Distr. Kangra), Shri M. C. Johri, relinquished charge of the post of Marketing Officer under this Directorate at Aboha w.e.f. 6-8-1981 (A.N.).

No 4-19023/9/81-A III.—Shri N. I. Pillai, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay w.e.f. 27-6-1981 (F. N.) on purely short-term basis for a period of 3 months

or till the post is filled up on regular basis, whichever

2. Consquent on his promotion as Marketing Officer, Shri Pillai relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Alleppey in the afternoon of 15-6-1981.

No. A-19023/10/81-A.III.—Shri E. S. Paulose. Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Unjha w.e.f. 27-7-1981 (F.N.) on ad-hoc basis for a period of 3 months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Paulose relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Bodinayakanur in the afternoon of 10-7-1981.

The 9th September 1981

No. A-31014/2/78-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Government of India is pleased to appoint Shri Rajendra Singh substantively to the permanent post of

Assistant Marketing Officer (Group II) in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 6-10-1974.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEJ DIVISION) Bombay, the 27th July 1981

Ref. No. K-197/Estt.JI/3171.—Shri Laxaman Hiranand Karamchandani, a permanent Security Officer in this Research Centre retired on superannuation from Government service on the afternoon of May 31, 1981.

The 29th July 1981

No. M/242/Estt.II/3212.—Shri Manohar Keshav Mogre, a permanent Assistant Accounts Officer and officiating Accounts Officer II, appointed to officiate as Accounts Officer III on an ad hoc basis, in this Research Centre retired on superannuation from Government service on the afternoon of March 31, 1981.

The 30th July 1981

No. Ref. 5/1/81/Estt. II/3236—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names—

Sl. Name and Designation No.		Appointed to officiate as	Period		
			oniciate 43	From	То
1. Shri J.V. Naik, Assistant			APO	2-3-81	10-4-81 AN
2. Shri D.S."Ingle, Assistant			APO	4-5-81	12-6-81 AN
3. Shri P. V. Deshpande, Assistant .			APO	25-5-81	10-7-81 AN
Shri B.V Bhagunde, Assistant .			APO	30-4-81	30-5-81 AN
<u>-</u>				8-6-81	10-7-81 AN

The 5th August 1981

No. H-71/Fstt.II/3317.—Shri E. Hazavilal, a permanent Security Officer in this Research Centre, retired on superannuation from Government service on the afternoon on June 30, 1981.

Kum, H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES)

Bombay-400001, the 1st September 1981

No. DPS/23/1/81-EST/17696.—The Director, Directorate of Purchse and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. P. Wadia, a permanent Assistant Accounts Officer of this Directorate, to officiate as Accounts Officer-II (ad hoc) in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from April 27, 1981 (FN) to May 30, 1981 (AN) vice Shri L. B. Chandragiri, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 7th September 1981

No. AMD-2/2897/79-Adm.—The resignation tendered by Shri S. L. Ghatge, from the temporary post of Scientific Officer/SF in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from July 31, 1981 (AN).

The 10th September 1981

No. AMD-2/3003/81-Adm.—The resignation tendered by Shri D. C. Srivastava from the temorary post of Scientific

Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Fnergy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from 28-8-1981 (afternoon).

The 11th September 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. Suresh as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of July 20, 1981 until further orders.

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Syed Zakaulla, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of August 17, 1981 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE (ISRO: SHAR CENTRE)

SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES: P&GA DIVISION

Sriharikota-524124, the 26th July 1981

No. SCF: P&GA: ESTT.1.72.—The Director, SHAR Centre is pleased to accept the resignations from service of the following Sci/Fngrs. SB in SHAR Centre. Sriharikota of the Department of Space with effect from the dates noted against each:—

S/Shri

- 1 N, Kumar-31-3-81 A. N.
- 2, K. K. V. S. Raghuram--30-6-81 A, N.
- 3. R. Suryaprakash—30-6-81 A. N.

4. A. S. Jagannadha Rao—28-7-81 A. N. 5. M. V. L. Prasad—6-8-61 A. N.

ILLEGIBLE
Head, Personnel & General Admn.
Divn. for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th September 1981

No. A.32013/8/80-EC.—In continution of this Department Notification No. A.32013/11/79-EC, dated 24-12-80, the President is pleased to appoint Shri J. B. Danwar, Technical Officer at present working as Senior Technical Officer on ad hoc basis in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi to the grade of Senior

Technical Officer on regular basis with offect from 31-3-81 and to post him in the same office.

2. Shri J. B. Danwar, Senior Technical Officer will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer for higher promotion, according to the date of his regular appointment in the grade subject to the maintenance of his inter-se seniority in the grade of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer, and subject to the condition that in the case of officers appointed in the Civil Aviation Department on the basis of Engineering Services Examination, their interese seniority in the said examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

PREM CHAND

Asstt. Director of Administration for Director General of Civil Aviation

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE Pune, the 8th September 1981

No. 1/C. Ex. PN/81—Statement showing names, addresses and other particulars of persons who have contravened the provisions of Central Excise Rules, 1944 and on whom penalty of ten thousand rupees or more has been imposed by the Collector of Central Excise and Customs, Pune.

S. No·	Name and address of the assessec.	e and address of the assessee. Provisions of penalty impose		Authority	
1	2	3	4	5	
	M/s Shree Dyes & Chemical Industries, Ahmednagar	Rues 175-B, 173-C, 173-F, 173G (1) read with Rule 9 (1), 173G (2) read with Rule 52 And Rule 173G (4) read with Rule 53 of Central Excise Rules, 1944 Punishable under Rule 173 O ibid.	Rs. 25,000/-	Urder (original) No. V. (14D) 15-88/Adj/79 dated 3-4-1979 passed by the Collector of Central Excise and Customs, Pune.	
	M/s Laxson Dyes and Chemical Pvt Ltd. Ahmednagar	Rules 173B, 173C, 173F, 173G (1) read with Rule 9 (1), 173G (2) read with Rule 52A and Rules 173G (4) read with Rules 53 of C. Ex. Rules, 1944 puni- shable under Rule 173 Q ibid.	Rs. 50,000/-	Order (original) F. No. V (14D) 15-99/ Adj/79 of 13-10-1980 passed by the Collector of CEX & Customs, Pune	
	· — — — — — —	— —— —————————————————————————————————	Collector	'H. M. SINGH, of Central Excise & Customs	

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras, the 6th July 1981

No. 8/81.—Shri A. B. Niranjan Babu, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Director Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 3-7-81 F.N. in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA Collector of Customs

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 29th August 1981

No. 22/1/81-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri Shushil Kumar, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the CEA in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th August, 1981 until further orders.

S. BISWAS Under Secretary

MINISTRY OF RAILWAYS

RESEARCH DESIGNS AND STANDARDS ORGANISATION

Lucknow-11, the 31st August 1981

No. BII/ES/CEM/O/Arch—The undermentioned Officers are confirmed in the Architectural Directorate of Research Designs and Standards Organisation. Lucknow with effect from the date and in the post shown against each:

SI. No.	Name	Present designation	Dt, from which confirmed	Post against which confirmed.
	Sushil Kumar Panjratna K.K. Setia	Offig. SEN/Arch (Sr. Scale) Offg. DD/Arch (Sr. Scale)	1-5-79 25-10-79	Asstt. Arch (Cl. II) Asstt. Arch in Cl. II

L. F. X. FREITAS, Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Rapsin Oll Production Equipment Co. (India) Pvt. Ltd.

New Delhi, the 23rd May 1981

No. 8589/10038.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at expiration of three months from the date hereof the name of the Rapsin Oil Production Equipment Co. (India) Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Z. S. NEGL Assit. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Manasi Enterprises Private Limited

New Delhi, the 30th July 1981

No. 4689/14267.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Manasi Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Steam & Mining (Switch Gear) Limited

Calcutta, the 7th September 1981

No. 25910/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Steam & Mining (Switch Gear) Limited

has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Asstt. Registrar of Companies West Bengal

Gwalfor, the 5th September 1981

No. 1039/Liqn/3228.—Whereas M/s. Speedrun Rubber & Tyres Private Limited; having its registered office at 359/1, Gohalpur, Jabalpur (M.P.), is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to bebelieve that no liquidator is acting.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-Section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Speedrun Rubber & Tyres Private Limited (In Liqn.) will unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 1st September 1981

(INCOME-TAX DEPARTMENT)

No. 108.—Shri Syed Zuber Ahmad, Income-tax Inspector, Lucknow charge has been promoted to officiate on ad hoc basis as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the leave arrangement w.e.f. 4-3-81 and continued as such upto 31-8-81 F.N. On promotion he joined as Income-tax Officer, Raebarell. The appointment of Shri Zuber Ahmad as ITO (Gr. B) has been regularised in the retirement vacancy of Shri Ram Kumar Gupta, ITO (Gr. A) w.e.f. 31-8-81 A.N.

DHARNI DHAR Commissioner of Income-tax FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, VRINDAVAN, GANGANAGAR, UNIT-VI, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 4th September 1981

No. 3/81-82/IAC(A/R)/BBS.—Whereas, I, P. K. MISHRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 8 situated at 62, Satyanagar, Bhubaneswar (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 2-1-1981

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Workh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Prabhakar Bhatt, O/o D.R.M., S.E. Rlys. Jatna.

(Transferor)

(2) Shri Balanidhi Sahoo, 461 Sahidhnagar, Bhubaneswar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 62 Satyanagar, Bhubaneswar, Dt. Puri.

P. K. MISHRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date: 4-9-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1981

Ref. No. RAC 137/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-524/3 situated at Domalgunda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Swastik Builders, 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad.

(2) Sri P. Prakash S/o Sri P. Rajalah 15-8-417/1 Feelkhana, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 320 (50%) on 3rd floor in Sagarview Building No. 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad area 1,218 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 326/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th August 1981

Ref No 138/81-82,—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Factory & Building situated at Adoni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adoni in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

- Sri S. Nageswar Rao S/o Sri S. Venkateswarulu Branch Manager, For Andhra Pradesh State Financial Corporation, Kurnool.

 (Transfevor)
- (2) M/s Rajani Enterprises Room No. 214 Rewa Chambers, 31, New Marine Lines, Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory, Building and land belonging to M/8 Adoni Solvents Private Limited, Adoni, registered with Sub-Registral, Adoni vide Doc. No. 121/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydersbar

Date: 17-8-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd August 1981

Ref. No. RAC 139/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agl. Land Sy No. 27/1, 2, 3, situated at Habsiguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sri P. Madhusudhan Reddy S/o P. V. Reddy
 - Sri P. Jaganmohan Reddy S/o P. V. Reddy
 Smt. Rani Kumudini Devi
 - W/o Raja Ramdev Rao Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri K. Buchaiah S/o Sri Mattayya H. No. 7-63 Indira Nagar, Ramanthour.
 - Hyderabad.
 2. Sri Bhoja Venkateswarulu S/o Sri Sivayya
 H. No. 4-104, Sanitorium Ramanthpur, Hyderabad.
 - 3. Sri K. Krishna S/o K. Muthaiah
 - Ramanthpur, Hyderabad,
 4. Pasnuri Madhav Reddy S/o Chilka Reddy,
 H. No. 8-112, Ramanthpur, Hyderabad,
 5. B. Shyam Manohar S/o B. Kamraj,

 - 1-7-660 Ramnagar Hyderabad, 6. K. Muthyalu S/o K. Durgaiah H. No. 2-1-396/3 Nallakunta, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 27/1, 27/2 & 27/3 at Habsigada, Hyderabad area 4 Acres 23 guntas registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 324/80.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 22-8-1981

FORM I.T.N.S.---

NCTR'E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1. Sri Yedati Yeshwant Rao S/o Late Y. Satyanarayan 2. Sri Yedati Srinivas Rao S/o Late Y. Satyanarayan H. No. 11-6-842 & 11-6-845 Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Najcebunnisa Wo Mohd Sirajuddin, H. No. 5-6-631, New Agapura, Hyderabad. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th August 1981

Ref. No. RAC 140/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11-5-454/1 situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifted per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land bearing M. No. 11-5-454/1 area 1298 sq. yards at Red Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Khairatabad vide Doc. No. 30/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 24-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri D. Sitaram S/o Lakshminarasayya H. No. 12-10-92, Sithafalmandi Secunderabad.

(Transferor)

(2) Dr. T. V. Narayana S/o Sri Venkayya H. No. 58/M.I.G./3RT Potti Sri Ramulu Nagar Hyderabad-500457.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th August 1981

Ref. No. RAC 141/81-82.--Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 58/M-8-3RT situated at Mallepally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 58/M8-3RT at Mallepally M.C.H. No. 10-2-289/120/31 Hyderabad area 497.22 sq. yards registered with Sub-Registrar, Khairatabad vide Doc. No. 18/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-8-1981

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th August 1981

Ref. No. RAC 142/81-82.-Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Portion 3-6-760 situated at Himayath Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

17-266GI/81

- (1) 1. Rachala Thirupathamma W/o R. Narayan Goud
 - 2. Rachala Balraj Goud, S/o R. Narayan Goud
 - 3. Rachala Sayanna Goud S/o R. Narayan Goud
 - 4. Rachala Meghanath Goud S/o R. Narayan Goud R/o Kotha Kota village, Wanaparthy Taluk,

Mahaboobnagar Dt.
I. No. 3-6-760 Himayathnagar, 13th Street, Hyderabad).

(Transferor)

(2) 1. Chennamaneni Venkata Rao

S/o Venkata Rao

R/o Mannegudam village, Metapalli Taluk,

Karimnagar Dt. 2. Allineni Jagan Mohan Rao

S/o Laxminarayan Rao,

R/o Mathe Village, Jagitial Taluk,

Karlmnagar Dt.

(H. No. 3-6-760 Himayathnagar, 13th Street, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in H. No. 3-6-760, 13th Street, Himayathnagar, Hyderabad with area 143 sq. yards registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 394/80.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-8-1981

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th August 1981

Ref. No. RAC 143/81-82,-Whereas, J. S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

Portion 3-6-760 situated at 13th St., Himayathuagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Rachala Thirupathamma
 - W/o R. Narayan Goud 2. Rachala Balraj Goud S/o R. Narayan Goud
 - 3. Rachala Sayanna Goud S/o R. Narayan Goud
 - 4. Rachala Meghanath Goud

S/o R. Narayan Goud R/o Kotha Kota village, Wanaparthy Taluk, R/o Kotha Kota village, Wanaparthy Taluk, Mahaboobnagar Dt. (H. No. 3-6-760 Himayathnagar, 13th Street,

Hyderabad). (Transferor)

(2) 1. Alliuini Laxminarayan Rao S/o A. Venkata Ram Rao

R/o Motha village, Jagitial Taluk,

Karimnagar Dt.
2. Chennamaneni Venkata Rao S/o Venkata Rao R/o Mannegudam Villago, Metpalli Taluk. Karinagar Dt. (H. No. 3-6-760 Himayathnagar, 13th Street, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in H. No. 3-6-760, 13th Street, Himayathuagar. Hyderabad with area 347.20 sq. yards registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 416/80.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th August 1981

Ref. No. RAC 144/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion 3-6-760 situated at 13th St., Himayathnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Rachala Thirupathamma
 W/o R. Narayan Goud
 - W/o R. Narayan Goud 2. Rachala Balraj Goud S/o R. Narayan Goud
 - Rachala Sayanna Goud S/o R. Narayan Goud
 - Rachala Meghnath Goud
 S/o R. Narayan Goud
 R/o R. Kothacota village, Wanaparthy Taluk,
 Mahaboobnagar Dt.
 (H. No. 3-6-760 Himayathnagar, 13th Street,
 Hyderabad).
 (Transferor)

(2) Allineni Jagan Mohan Rao S/o Laxinarayan Rao R/o Motha village, Jagitial Taluk, Karimnagar Dt. (H. No. 3-6-760 Himayathnagar, 13th Street, Hyderabad).

(Transferee)

(2) Shri Ajay Kumar Jain, S/o Shri Kailashchand Ji Jain, C/o Paras Medical Stores, Kampoo Road, Tiraha, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor portion of building 3-6-760, 13th Street, Himayathnagar, Hyderabad area 137.7 sq. yards registered with SubRegistrar, Hyderabad vide Doc. No. 422/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st August 1981

Ref. No. RAC 145/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1-18 situated at Habsiguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the efor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

- (1) 1. Sri P. Madhusudhan Reddy S/o P. V. R. Reddy
 - Sri P. Jagan Mohan Reddy S/o P. V. R. Reddy 2.
 - 3. Rani Kumudini Devi W/o Raja Ramdev Rao Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri V. Prabhakar Reddy
 - Ramanthpur, Hyderabad 2. Sri B. Venkateswarulu, 4-104 Opp. Sanitorium,

Ramanthpur, Hyderabad.

3. Sri K. Sivaiah S/o Muthaiah,

Ramanthpur, Hyderabad.
4. Sri I. Malla Reddy S/o Narayan Reddy, Ramanthpur, Hyderabad.

5. Sri Shyam Manohar 1-7-660

Ramnagar, Hyderabad. Sri Venkalah S/o M. Laxmalah, 2-1-396/3 Nallakunta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-18 Habsiguda, Hyderabad area 1826.55 sq. ards registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd September 1981

Ref. No. RAC 146/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

22-7-557 situated at Mandi Miralam, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belice that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Yawarunnisa Begum W/o Late Nawab Fakher, Nawaz Jung.
 - Smt. Jahan Parvarunnisa Begum, W/o Nawab Mehdi Ali Khan 6-3-891, Samajiguda, Hyderabad.
 - 3. S. M. Zaki S/o Late S. M. Taqui 4. Sri S. H. Askari S/o Late S. M. Taqui
 - Smt. Rafat Jahan Kazim W/o Mr. Kazim Hussain 6-3-1102/A Somajigudu, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohd Abdul Khader S/o Md. Jahangir, House No. 17-5-203 Allawa Bibi Inside Daberpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 22-7-557 area 375-68 sq. yards at Mandi Miralam Hyderabad registered with Sub-Registrar Azampura vide Doc. No. 179/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-9-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **HYDERABAD**

Hyderabad, the 3rd September 1981

Ref. No. RAC 147/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

22-7-557 situated at Mandi Miralam, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair marbet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1 Smt. Yawarunnisa Begum W/o Late Nawab Fakher, Nawaz Jung 6-3-1102/A Somajiguda, Hyderabad
 - 2. Smt. Jahan Parwarunnisa Begum, W/o Nawab Mehdi Ali Khan H. No. 6-3-891 Somajiguda, Hyderabad. 3. Sri S. M. Zaki S/o Late S. M. Taqui
 - R/o Iram Manson Somajiguda, Hyderabad
 - Sri S. H. Askari S/o Late S. M. Taqui R/o 6-3-1102/A Somajiguda, Hyderabad
 - 5. Smt. Rafat Jahan Kazim W/o Kazim Hussain G.P.A. Sri Manohar Presad Mathur 6-3-530/532 Panjagutta, Hyderabad

(Transferor)

- (1) 1. Zainab Bee W/o S. M. Ghazi Saheb,
 - 22-4-594 Yakutpura, Hyderabad.
 2. Fouzia Sultana W/o Mohd Abdul Khadeer.

3. Kalija Tasneem W/o Mohd Abdul Raoof.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 22-7-557 area 422.52 sq. yards at Mandi Mir Alam Hyderabad registered with Sub-Registrar Azampura vide Doc. No. 102/80.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-9-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd September 1981

Ref. No. RAC 148/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

22-7-557 situated at Mandi Miralam, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as regreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Yawarunnisa Begum W/o Late Nawab Fakher, Nawaz Jung 6-3-1102/A Somajiguda, Hyderabad
 - Smt. Jahan Parwarunnisa Begum, W/o Nawab Mehdi Ali Khan H. No. 6-3-891 Somajiguda, Hyderabad
 - Sri S. M. Zaki S/o Late S. M. Taqui R/o Iram Manson Somajiguda, Hyderabad
 - Sri S. N. Askari S/o Late S. M. Taqui R/o 6-3-1102/A Somajiguda, Hyderabad
 - Smt. Rafat Jahan Kazim W/o Mr. Kazim Hussain G.P.A. Sri S. Manohar Prasad Mathur, 6-3-530/532 Panjagutta, Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt. Noor Jehan W/o Mohd Abdul Qader, 17-5-203 Alawa Bibi, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Portion No. 22-7-557 at Mandi Mir Alam Hyderabad area 346.17 sq. yards registered with Sub-Registerar Azampura vide Doc. No. 91/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-9-1981

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th September 1981

Ref. No. RAC 149/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Open plot No. 9 situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 M/s. Dhana Laxmi Co-operative Housing Society 1td.; TAB 109, Shop No. 16 Indoor Stadium, Fathemaidan Hyderabad. Sri D. Ramakrishna Reddy S/o D. Pullareddy Secretary Chikadpally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri N. Narender Piasad
 S/o Satyanarayana
 3-4-663/22/1
 Narayanguda, Hyderabad.

2. Sri D. Ramesh S/o D. Mallaiah Akulamylavaram

 Sri M. Ganesh Rao S/o Krishna Swamy Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 9 area 1020 sq. yards M.C.H. No. 6-3-1186 Begumpet Near Blue Moon Hotel Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 444/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-9-1981

Scal:

 Shri Samzal Bastawala S/o Zal Rustumji Bastawala 4-1-824 Jawaharlal Nehru Road, Hyderabad.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Diamond Builders, 4-1-824 J. N. Road, Hyderabad-1 Managing partner Sri Shahbuddin S/o Late Murad Ali 2-3-66, Ramgopal pet, Secunderabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1981

Ref. No. RAC 150/81-82—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

4-1-824 situated at Jawaharlal Nehru, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Premises No. 4-1-824 (old No. 8-2-824) Jawaharlal Nehru Road Hyderabad area 940 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 436/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderahad

Date: 5-9-1981

Seal:

18--266GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th September 1981

Ref. No. RAC 151/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21-7-468 and 469 situated at Sakar Kotta Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohd Suleman S/o Mohd Ramzani 21-7-436 and 437 Shakar Kotha, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Mithlesh W/o Laxmandas Agarwal 22-5-780 Chowk Maidan Khan (21-7-468 & 469 Sakarkotta Hyderabad) Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (Double storied) 21-7-468 & 469 at Sakarkotta Hyderabad area 1748 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. 426/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th September 1981

Ref. No. RAC 152/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 6-3-1186 situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Dhana Laxmi Co-operative Housing Society Ltd., TAB 109, Shop No. 16 Indoor Stadium, Fathemaiden Hyderabad. By Secretary Sri D. Ramakrishna Reddy S/o D. Pulla Reddy R/o Chikadpally, Hyderabad.
- (Transferor)
 (2) M/s N. V. Investment Company Pvt. Ltd..
 India House, 5th floor Opposite to G.P.O. Fort
 Bombay-400001
 By Director
 M. M. Khemani S/o Moolchand H. Khemani
 Plot No. 30 Narsapur Road, Balanagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Hyderabad.

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Building, structure, Boundry wall M. No. 6-3-1186 Begumpet Hyderabad consisting of 1/3rd of main building and out houses having area 2333 sq. yards out of 7000 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 386, 80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date · 10-9-1981

FORM IT'NS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th September 1981

Ref. No. RAC 153/81-82.—Whereas, J, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Sy. No. 182/9/A Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

 Smt. Azmathunnisa Begum W/o Late Abdul Kayyam Khan 8-3-960 Ameerpet Hyderabad,

(Transferor)

Mrs. Pushpa Devi Tibrewala
W/o Chandra Prakash
H. No. 5-2-355 Hyderbasti, Secunderabad.
 Dilip Kumar Tibrewala
S/o Omprakash Tibrewala
H. No. 5-9-22/41/B Adarshnagar,
Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquission of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land area 837.20 sq. yards at Begumpet Hyderabad in Sy. No. 182/9/A registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 140/80,

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-9-1981

FORM ITNS...

- 1. Sri Marella Venkatachala (Senior)
 Zamindar of Kasimkota, Near Anakapally.
 (Transferor)
- Sri Batchala Ramanayya, S/o B. V. Subbayya, Ongole.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1981

Ref. No. RAC No. 24/81-82.—Whereas, J, S. GOVIN-DARAIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site sivated at Beach Road Visakhapatnam— (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 15-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site—614 sq yards, Beach Road, Visakhapatnam, Waltair was registered with the SRO, Visakhapatnam during the fort-night ended 15-1-81 vide doucument No. 272/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1981

Ref .No 25/81-82.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Asst. 20934 and 20824 Vijayawada Town

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Vemuri Sivajirao
 S/o Satyanarayana Rao,
 Principal Scientic Officer,
 Defence Electronics, Applications Laboratory,
 Raipur Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Sri Kanka Durga Enterprises, Buckinkhampeta, Vijayawada—Rep. by its Mg. Pr. Sri Veeramachaneni Subba Rao. Congress Office Road VZA-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1300 sq. yards with 2 storied building in NTS No. 357-Revenue Ward No. 9—Block No. 9—Vijawada—Town Asst. Nos. 20934 and 20824 was registered with SRO, Vijayawada during the fortnight ended 30-1-81 vide document No. 554/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabati

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Nimmagadda Suryapiakasa Rao S/o Venkatappaiah Donepudi Village, Near Kothuru Guntur Dt. (Transfeior)

(2) 1. Smt. Venka Challa Ratnam W/o Chendrasekara Rao, Bordipeta, Guntur.
2. Smt. Vanka Subba Rajya Laxmi S/o Sundakararao, 6th Luie, Bordipeta, Guntur.

(Transferee)

OF FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1981

Ref. No. RAC Nos. 26&27/81-82 —Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incame-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4-4-91 situated at 2nd Line Chendramoulinagar GTR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 15-1-81 and 15-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 4-4-91, 2nd line D. No. 210, Chendramoulnagar—Municipal Asst 4817—356-84 Sq meters—was registered with the SRO, Guntur during the fort-nights ended on 15-1-81 and 15-2-81 vide documents No. 769/81 and 1068/81

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. GOVINDARAJAN
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1981

Ref. No. RAC. Nos. 28 & 29/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. Nos. 462 situated at Pedamiram Village

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offict of the Registering Officer at

Bhimayaram on 15-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Dantuluri Satyavathi W/o Prakasaraju, Konsili Bhimayaram Ta
- Kopalli Bhimavaram Tq.
 2. Sri Dantulari Koteswara Raju
 S/o Prakasa Raju, Kopalli, Bhimavaram Tq.
 3 Smt. Indukuri Madhavi
 - W/o Vijayarama Raju, Pippara, Tadepalligudem Taluk.
 - Smt. Dantuluri Neelamma W/o Venkatarama Raju, Kopalli, Bhimavaram Tq.
 - Sri Dantuluri Satyanarayana Raju S/o Krishnam Raju, Kopalli.

(Transferor)

(2) Dr. M. Bapi Raju S/o Laxminarasimha Raju, Chairman, Mahatma Gandhi Memorial Trust, Bhimayaram

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land R.S. No. 462-Ac. 4-19 cents at Pedamiram Village, Bhimavaram Taluk, West Godavari Dt. was registered with the SRO, Bhimavaram during the fortnight ended 15-1-81 vide document Nos. 40 & 53/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1981

Ref. No. RAC No. 30/81-82./Kakanada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7th Ward situated at Khatib Street Kandukur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 o) 1908) in the office of the Registering Officer at Kandukur on 31-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that that the consideration for such transfer as agreed to betparties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following personsuancely:—

19—266GI/81

 Sri Shaik Basha S/o Miya Saheb, Khatib Street, Kanduku-Prakasam Dt.

(Transferor)

 1. Sri Peruri Venkata Subbaiah S/o Narasimham, Kanduku.
 2. Smt. P. Dhanalaxmamma W/o P. V. Subbaiah, Kandukur.
 3. Sri Peruri Venkateswarlu S/o P. V. Subbaiah, Kandukur.
 4. Smt. Peruri Venkata Subbaratnam W/o Sri Venkateswarlu, Kanduku.
 5. Sri Peruri Mala Kondaiah S/o Narasimham, Baddipudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Rice Mill—2420 Sq. yards with construction—7th ward, Khatib Street, Kandaku S. No. 765 with Ac. 0-50 cents of land with registered with the SRO, Kanduku during the fortnight ended 31-1-81 vide document No. 149/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-9-1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th September 1981

Rtf. No. RAC No. 31, 32, 33, 34, 35/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open site situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenals on 31-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- I. Sri Sammata Nageswara Rao, S/o Venkateswarlu Avulapalem.
 Smt. Tumma Seshamma W/o Venkataswamy Avulapalem.
 Smt Sammata Durgamba W/o Venkateswarlu Avulapalem.
 Smt. Bavireddy Seetharavamma W/o Venkateswarlu Avulapalem.
 Sri Thumma Naga Malleswaramma W/o Venkata Subbaiah Avulapalem.
- Sri A. Pani Chakravarthi
 S/o A. Remaiah,
 Tenali, Doorno 14-13-20(1), Tenali,
 M. G. Partner Krishna Theatre,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Site of 2282 sq. yards with compound wall—2nd ward, 3 Block—T.S. No. 20—at Tenali Town was registered with the SRO. Tenali during the fortnight ended 31-1-81 vide documents No. 90, 91, 92, 93 and 94 of 1981.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

Date: 7-9-1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 9th September 1981

Ref. No. 24/Acq/81-82/KNP.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Compesent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-1-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nirmal Chand Chaterji S/o late Shri Saurabind Chaterji, 113/62, Swarupnagar, Kanpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Abinash Chandra Sukhiya, Smt. Manjula Sukhiya, Jagjit Kumar Sukhiya, H/o 90/240. Iftkarabad, Kanpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 579 measuring 800 Sq. yds. situated at Block N, Kakadeo, Kanpur.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 5th September 1981

Ref. No. 51/Acq/81-82/Gzb.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 8-1-81

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kamla Rajdan w/o late Shri L. L. Rajdan, B/67, Surya Nagar, Ghaziabad, President: Greater Kailash Enclave IInd, New Delhi-48. President: B/8.

(Transferor) (2) Shri Kunwar Sanjaya Kumar S/o Shri Jagendra Nath Kumar, R/o, 9801, Nawabganj, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property, measuring 355-55 Sq. yds., No. situated at Surya Nagar, Ghaziabad, Distt., Ghaziabad. 182 Date: 5-9-1981

> BIBEK BANERJI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-8-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 11329.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15/8, South Alagesan Road, situated at Sanganur, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 172/81) in January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) V. N. Narayanan, 11, III Cross Trust Madras-28. (Transferor)
- (2) Shri K. N. Palanivel, 27/41, Ramachandra Road, RS puram Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15/8, South Alagesan Road, Sanganur, Coimbatore (Doc. 172/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-9-1981

Scal:

(1) Shri C. M. Lakshmipathi L. Sakedharam 14, Lake Avenue, Cheput, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Jayappan, S/o K P. Balakrishnan 11/57, Shastri Road, Ramnagar, Coimbatore. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 1318.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 21/10, Vysial St., situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Coimbatore (Doc. 6496/81) in January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21/10, Vysial St., Colmbatore (Doc. 6496/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-9-1981 Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 11354.—Whereas, J RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 1/1402/1, Krishnarayapuram situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1565/81) in March 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- S/Shri B. M. Narasimhan, B. S. Balavenkatram B. N. Natarajan, B. N. Damodaran, B. N. Gokuldas, Prassannadas and B. N. Rajkumar, 358, Lalltha Bavan, Vysial St., Coimbatore Town.
 (Transferor)
- (2) Shri V. Rajagopul S/o Venkatesalu Naidu 4/125, Bharathipuram, Pappanaickenpalayam, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1/1402/1 Krishnarayapuram, Coimbatore (Doc. 1565/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II **MADRAS**

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 11354.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 1/1042/1, Krishnarayapuram situated at Colmbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1564/81) in March 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to btlieve that the fair market value of the property as afo said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. B. M. Narasimha Chettiar.
 - B. S. Balavenkataram.
 - 3. B. N. Natarajan.
 - B. N. Damodaran. 5. B. N. Gokuladas.
 - Pressannadas.
 - B. N. Rajakumar.

358, Lalithabavan, Vysial St., Colmbatore.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Rajan S/o Venkataswamy Naidu Alan-dur, Avanashi Tk Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1/1042/1, Krishnarayapuram, Coimbatore. (Doc. 1564/81).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Southern Conduits C. 16, C.17, Industrial Estate, Madras-32. (Transferor)

(2) M/s Shanbro Refinery (P) Ltd. 43, Kiishna Talkies Road, Erode-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th September 1981

Ref. No. 16210—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12NP Industrial Estate situated at Madras-32,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Saidapet (Doc. 45/81) in January 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of sch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- to) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—266GI/81

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 12NP industrial Estate, Madras-32. (Doc. 45/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-9-1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-6, the 7th September 1981

Ref. No. 9278.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11, North Car St., situated at Chidambaram, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Doc. 76/81) in January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sambandam Pillal, S. Sabarathinam and Nadanasundaramurugan 10, North St., Chidambaram.

 (Transferor)
- (2) Shri K. Rathina Mani Ammal 23, South St., Chidambaram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, North Car St., Chidambaram. (Doc. 76/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-9-1981

Beal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-6, the 7th September 1981

Ref. No. 11270.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Railway Station Road Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offict of the Registering Officer at Madras North (Doc. 38/81) in January 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 John G. Naidu, Annce Winfred Joy Rosalind Siggers, Eva Elzabeth Ranganath 9, I Floor, Montieth Lane, Madras-8.

(Transferor)

 E. P. Kolandaiswamy, D. Janaki 47, Park Road, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 22, Railway Station Road, Erode. (Doc. 38/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-9-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-9, the 7th September 1981

Ref. No. 11271.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 55B, Vice Chairman T Veerabadra situated at Chettiar Road, Erode,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Erode (Doc. 162/81) in January 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sulochana Sampath, Nagammal Venkatesh Gowthaman Madhiyanan Iniyan, Anbu Ezhil Sampath 62 E.V.K. Sampath Road, Madras.

(Transferor)

(2) M/s P. Ramaswamy Gounder & Co. 56, Vice Chairman T. Veerabadra Chettiar Road, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 56, Vice Chairman T. Veerabadra Chettiar Road, Erode.
(Doc. 162/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-9-1981

FORM ITNS----

Dayakar Reddy 9, () T Krishnammal Rep by T Chowdry Colony, Madras 34

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K Mohamed Ghouse Sahib 28 V V Koil St Periamet, Madras 3 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

ACQUISITION RANGE II. MADRAS

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Madras-6, the 7th September 1981

Ref No 16229 - Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

> EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2, Sterling Road, 1st St situated at Madras-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at T Nagar (Doc 131/81) in January 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforc-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Land and building at No 2, Sterling Road 1st St., Madras-(Doc 131/81).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date 7 9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 7th September 1981

Ref. No. 9324.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Iluppakudi, situated at Karaikudi,

(and more fully described in the Schedule annexed kereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 346/81) in March 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sree Arulmighu Swayamprahas Eswarar Thirukoil, Iluppakudi Karaikudi. (Transferor)
- (2) Karaikudi Co-Op. House Building Society 23, College Road, Karaikudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Iluppakudi, Karaikudi, (Doc. 346/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-6, the 7th September 1981

Ref. No. 9324.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 25.000/- and bearing

No. Jluppakudi situated at Karaikudi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Reistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 338/81) in March 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shree Arulmighu Swayamprahas Eswarar Thirukoll, Huppakudi, Karaikudi.

(Transferor)

(2) Karaikudi Co-op. House Building Society 23, College Road, Karaikudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Iluppakudi, Karaikudi. (Doc. 338/81),

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th September 1981

Ref. No. 16212.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 24, II Main Road, Gandhinagar situated at Madras-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saidapet (Doc. 121/81) in January 1981.

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Premasekhar and Nagarathnamma, Surendra Reddy, 4, Anna Pillai St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Jayasekhara Reddy, 12, Malayaperumal St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 24, II Main Road, Gandhinagar, Madras-20. (Doc. 121/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th September 1981

Ref. No. 16252.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38, VI Main Road, RS puram situated at Madras-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 396/81) in March 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-21-266GI/81

(1) Dr. C. Venkatesan, Ravi Venkatesan Anuradha, 1st Floor, T.P.S. IV, 1st Floor Road Bandra, Bombay-50. (Transferor)

(2) K. G. Ramamurthy Iyer, R. Rajagopalan rep. by K. G. Ramamurthy, R. Sriraman, 28, VI Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 38, VI Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28. (Doc. 396/81).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 8th September 1981

Ref. No. 16189.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 137, RK Mutt Road, situated at Nanjunda Colony, Madras-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 32/81) in January 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of, any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) A. K. Govindarajulu 229, R. K. Mutt Road, Madras-4. (Transferor)
- (2) Chandramma 14, Fourth Main Road, New Colony Chrompet, Madras-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 137, R. K. Mutt Road, Nanjunda Colony, Madras-4. Colony, Madras-4. (Doc. 32/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-9-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/188.—Whereas, I, R. B. SINHA IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Ktr. Ahluwalia situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at SR Amritsar in Jan. 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Parkash s/o Gokalchand r/o Katra Aluwalia inside Kucha Sobha Ram.
- (Transferor)
 (2) Smt. Kailash Rani w/o Sh. Rajinder Pal r/o
 Kucha Sobha Ram Ktr. Aluwalia, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 893/2 old No. 1194/2 (area 220sq. mtr. situated in Kucha Sobha Ram Ktr. Aluwalia, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3102/I dated 9-1-81 of the registering authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/189.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land in village Muhdal situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in Jan 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kartar Singh s/o Chuhar Singh r/o Mundal, Teh. Amritsar.
- (2) Sh. Varinder Pal Singh, Smt. Mohinder Kaur w/o S. Sewa Singh Sarhaddi, Smt. Baljit Kaur w/o S. Satwinder Pal Singh and Bikramjit Singh s/o . S. Jatinder Pal Singh r/o Hall Bazar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Anyother.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals situated in village Muhdal, Teh. & Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9389 dated 30-1-81 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/190.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land at New Court Road, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in Jan 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gurcharan Singh s/o Harbans Singh r/o 8/13 Meharoura. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Anup Singh and Amar Singh ss/o Hazara Singh village Bachiwind Distt. Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Anyother.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 756 Min situated on New Court Road, Thakur Mahachand St., Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3321/I dated 30-1-81 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/191.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot o fland G.T. Road Amritsar near Partap Nagar, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Jan., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Harpritpal Singh e/o S. Gurpal Singh r/o Gate Hakiman through S. Gurbakhash Singh e/o Gurpal Singh r/o G.T. Road, Amritsan mukhtar aam.

(Transferor)

(2) Sh. Sain Dass s/o Sh. Nathu Ram r/o Katra Parja, Amritsar. (Transferce)

(3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).

(4) Anyother.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 750 sq. mtrs. situated on G.T. Road near Partap Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9162 dated 27-1-81 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. 81-82/192.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land in Basant Avenue, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer et SR Amritsar in Jan. 1981

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Chairman Improvement Trust, Amritsar. (Transferor)

- (2) Sh. Ayudhya Parkash s/o Sh. Sukhdayal & Smt. Prem Watl w/o Sh. Ayudhya Parkash, r/o 86-Basant Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Anyother.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 517.27 sq. mtrs. situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3194/I dated 21-1-81 of the Registering Authority Amritsar.

> R. B. SINHA, IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsus

Dated: 8-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Rcf. No. ASR/81-82/193.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land in Krishna Square situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hari Dev Raj s/o Chuhar Chand r/o Shivala Road Amritsar.
- (2) Sh. Rajesh Bhalla s/o Satish Bhalla r/o Lawrance Road, Amritsar.
- (3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Anyother.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 55 (area 1147, MOfa.) s'a ated in Krishna Square Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3311/I dated 29-1-81 of the registering Authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Dated: 8-9-81 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/194.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

. (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land in East Mohan Nagar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, iz respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—266GI/81

(1) Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Pritam Singh Kanwarjit Singh r/o plot No. 265 East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Anyother.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land (measuring 713.74 sq. mtrs) No. 265 in East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3314/1 dated 29-1-81 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 8-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/195.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Joshi colony ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Jan 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Harjit Kaur Gulati w/o S. Man Singh Gulati 1/0 Sharifpura, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Smt. Balbir Kaur w/o Sh. Surjit Singh 1/o Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Anyother.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 116 area 113 sq. mtrs situated in Joshi colony Amritsar as mentioned, in the sale deed No. 3115/I dated 14-1-81 of the registering Authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 8-9-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/196 —Wheeras, I, R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot in Joshi colony Amritsar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in Jan. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Harjit Kaur Gulati w/o S. Man Singh Gulati r/o Sharifpura, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Balbir Kaur w/o Surjit Singh r/o Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Anyother.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 116 min area 113 sq. mtrs. situated in joshi colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3047/1 dated 8-1-81 of the registering authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 8-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/197.—Whereas, J,

R. B. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot on mall road, Amritsar situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. S. Mohan Singh s/o Bhagwan Singh r/o Bazar Keserian, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Charanjit Kumai s/o Maniram r/o Charusti Attari Gali Nayian Bharaian Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overall and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 1316/2 situated on Mall Road, Amritsan as mentioned in the sale deed No. 3095/I dated 9-1-81 of the registering authority Amritsan.

R. B. SINHA, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

FORM I.T.N.S.-

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUNSITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No ASR/81-82/198 — Whereas, I, R, B, SINHA, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot at Mall Road, Amritsar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsai in Jan 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mohan Singh s/o Bhagwan Singh r/o Bazar Keserian Amritaar.

(Transferor)

- (2) Sh. Aiun Kumar s/o Sh. Mani Ram r/o Charasti Attari Gali Nayian Bharhaian, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land khasra No. 1316/2 situate on Mall Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3056/I dated 6-1-81 of the registering authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amutsai, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/199.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS.

veing the competent authority under section 269B of the Income Tax. Act, 1961_(43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land at Lawrance Road, situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in Jan 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfeet for the 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Mohan Singh s/o Bhagwan Singh r/o Bazar Keserian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Mani Ram s/o Sh. Mohan Lal r/o Charusti Attari Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 110 Measuring 122.22 sq. mtrs situated on Lawrance Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3034/I dated 5-1-81 of the registering authority Amritsar.

R. B. SINHA, 1RS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/200.—Whereas, J. R. B. SINHA, 1RS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land in Sultanwind Usban situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumeth of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Charanjit s/o Bala Mal r/o Model Town, Amritar.

(Transferor)

(2) Smt. Kartar Kaun d/o Sh. Amar Singh & Smt. Ranjit Kaur w/o S. Partap Singh, S. Jarnail Singh s/o S. Kirpal Singh 1/0 village Panjurai, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person in occupation of the property).

to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1158 sq. yds. situated in Sultanwind Urban, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3171/I, dated 20-1-81 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/201.—Whereas, I, R, B. SINHA, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land in Sultanwind urban situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Manohar Lal 8/0 Bala Mal r/o Rani Ka Bagh Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kartar Kaur d/o Amar Singh & Smt. Ranjit Kaui w/o S. Partap Singh, Sh. Jarnal Singh 5/o Kirpal Singh r/o Vill. Panjurai, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person in occupation of the property).
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1159 sq. yds. situated in Sultanwind Urban, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3172/I, dated 20-1-81 of the registering authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3 Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Dated: 8-9-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/202.—Whereas, I,

R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in shop at Dhab Vasti Ram situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on Jan. 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—23—266GI/81

- Smt. Pritam Kaur wd/o Sunder Singh r/o 7/Tylor Road, Amritsar through S. Surinder Singh S/o Shri Lehna Singh r/o 2-Tylor Road, Amritsar (mukhtar).
- (Transferor)
 (2) Sh. Gopal Dass s/o Sh. Ghanya Lal r/o Dhab
 Wasti Ram Lakkar mandi Bazar Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 232/5 situated in Dhab Wasti Ram Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3135/I dated 16-1-81 of the registering authority Amrit-nr.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,

3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Dated: 8-9-81

Scal:

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/203.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in shop at Dhab Wasti Ram situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Pritam Kaur wd/o S. Sunder Singh r/o 7-Tylor road, Amritsar through Surinder Singh s/o Lehua Singh r/o 7-Tylor road Amritsar mukhtar aam.
- (2) Sh. Ghanya Lal s/o Sh. Ram Chand r/o Dhab. Wasti Ram Bazar Lakkar Mandi Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 232/5 situated in Dhab Wastl Ram, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3134/L dated 16-1-81 of the registering authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 8-9-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/204.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land situated at Tung Pai Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amuitsar on Jan. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a sagreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S. Joginder Singh s/o Sh. Sangat Singh, R/o village Majitha Teh. & Distt. Amritsar.
- (2) Sh. S. Sardul Singh Gill s/o S. Deva Singh Gill r/o village Dodhala Teh. & Distr. Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 and fenants if any.
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One plot No. 42 situated in Tung Pai Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8899 dated 19-1-81 of the registering authority Amritsar.

R. B. SINHA, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/205.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot situated at Maqbul Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Jan. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. S. Jaswant Singh S/o Bhagwan Singh r/o Nawen Nag Teh, & Distt. Amritsar.
- (2) Smt. Sawinder Kaur d/o Sh. Kirpal Singh r/o Marhi Megha Tehsil Patti Distt. Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person in occupation of the property).
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 285 sq. yds. (Khasra No. 325 Min) situated on Maqbul road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 8832 dated 16-1-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. So. ASR/81-82/206.—Whereas, 1, R. B. SINHA, 1RS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land on Albert Road, Estate of Majitha House, Amritsar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more such transfer as agreed to between the parties has not been the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 L. Col. Kulwant Singh Gill s/o S. Mal Singh, Sh. Surinder Singh Gill s/o Kulwant Singh r/o Rani Ka Bagh Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur w/o Ajmer Singh & Ajmer Singh s/o Hargopal Singh r/o Jadgev Kalan Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 411 sq. yds. situated on Albert Road, in Estate of Majitha House Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3033/1 dated .5-1-81 of the registering authority, Amritsar.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Dated: 8-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/207.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land in Gurdaspur situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Gurdaspur on Jan. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Indu Mati d/o Sh. Kirpa Nath r/o Gurdaspur. (Transferor)
- (2) S. Dalip Singh s/o Sewa Singh r/o Chautra P.O. Darangala Distt. Gurdaspur.

 (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 22 marlas situated in Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 7057 dated 22-1-81 of the registering Authority Gurdaspur.

R. B. SINHA, 1RS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Dated: 9-9-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/208.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. land at Kahnowan Teh Gurdaspur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on Jan. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Raghbir Singh Karam Singh ss/o Dhirt Ram, Kashmir Singh s/o Khajan Singh r/o village Kahnowan tehsil & Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Singh s/o Girdhari Lal, Rai Singh s/o Raghbir Singh, Shivcharan Dass s/o Hari Ram r/o Kahnowan Teh. & Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 kanals land situated in Kahnowan Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 6615/I dated 5-1-81 of the registering authority Gurdaspur.

R. B. SINHA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 8-9-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th September 1981

Ref. No. 944/Acq.R-III/81-82.—Where I, I. V. S. JUNEJA

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 21, 21/1, 93/2 and 93/B, situated at Karkulia Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 3-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Kamala Devi w/o Late Kumar N. K. A. Charya Chowdhury, 18/6, Dover Lane, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Co-operative Housing Society, 188/44, Prince Anwar Shah Road, Çalcutta-45.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 8 cottah together with structure errected thereon at premises No. 21, 21/1, 93/2 & 93/3B, Knakulia Road, Calcutta. Date: 7-9-1981.

I. V. S, JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Calcutta

Date: 7-9-1981.

at Alipore on 3-1-1981

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) Sri Jiban Kishore Acharya Chowdhury, 18/6, Dover Lane, Calcutta-29.

(Transferor)

Co-operative Housing Society, 188/44, Prince Anwar Shah Road, Calcutta-45.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th September 1981

Ref. No. 945/Acq.R-III/81-82.—Whereas I, J. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 25 000/c and hearing

Rs. 25,000/- and bearing 21, 22/1, 93/2, & 93/B, situated at Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule tannexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair mbarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 pf 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-266GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 8 cottabs together with structure errected thereon at premises No. 21, 21/1, 93/2 & 93/3B. Kankulia Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
- Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcut ta-700016

Date: 7-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th September 1981

Ref. No. 946/Acq.R-JII/81-82.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 21, 22/1, 93/2 & 93/3B, Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Alipore on 3-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the bject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Narayan Acharya, 18/6, Dover Road, Calcutta-29, (Transferor)

Co-operative Housing Society, 188/44, Prince Anwar Shah Road, Calcutta-45.

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 8K together with structure crrected thereon at premises No. 21, 22/1, 93/2 & 93/3B, Kankulia Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcut ta-700016

Date: 7-9-1981,

Sree Harsha Rakshit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

'Shabnam Shiuli' Co-operative Housing Society Ltd. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th September 1981

Ref. No. 950/Acq.R-III/81-82.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 25A, situated at Jatin Bagchi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 16-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share part or portion of the piece or parcel of revenue free land containing an area of 9K 12Ch 8 Sq. ft. together with one storied building situated, lying at and being premises No. 25A, Jatin Bagchi Road, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 8-9-1981

Seel:

FORM I.T.N.S.-

Dr. Subha Rakshit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 'Shabnam Shiuli' Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th September 1981

Ref. No. 951/Acq.R-III/81-82.—Whereas I, I, V. S. IIINEIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 25A, situated at Jatin Bagchi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 16-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sale immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share part of portion of the piece or parcel of revenue free land containing an area of 9K 12Ch 8 Sq. ft. together with a one storied building situated, lying at and being premises No. 25A, Jatin Bagchi Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcut ta-700016

Date: 8-9-1981

- (1) Nripendra Nath Ghosh, 77-Bidhan Sarani. Calcutta. (Transferor)
- (2) Sri Jamini Mohan China, 29-Sastri Narendra Nath Ganguly Road, Distt. Howrah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcútta, the 8th September 1981

Rtf. No. AC-48/ACQ/R-IV/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35, situated at Sastri Narendra N. Ganguly Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 9-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Cottahs 13 Chattacks 21 sq. ft. situated 35, Sastri Narendra Nath Ganguly Road, Shibpur, Distt. Howrah. Deed No. 113 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta-700016

Date: 8-9-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Rajat Goswami, Jangra, P.S. Rajarhat, Distt. 24-Pargs. (Transferor)

(2) Smt. Rita Basak, Smt. Reba Basak, 19/5, Chhaku Kharsama Lane, Calcutta-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th September 1981

Ref No. AC-49/Acq.-R-IV/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Jangra, Rajarhat (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Cossipore (Dum Dum) on 16-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Sertion 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 K 8 Ch. with building situated at Mouza-Jangra, P.S. Rajarhat, Distt. 24-Pargs. Deed No. 215 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay,
Acquisition Range IV, Calcutta-700016

Date: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-JAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th September 1981

G.I.R. No. R-160/Acq.-Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Prem Niwas bearing No. 510/200, situated at New Hyderabad, Lucknow

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Lucknow on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Lucknow, the 7th September 1981 (1) Smt. Sujan Kunwar.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Rajeshwari Devi

(2) Shri Suresh Chand Rastogi.
(3) Shri Pradeep Kumai Rastogi.
(4) Shri Dileep Kumar Rastogi.

(5) Shri Avadhesh Kumar Rastogi.

(Transferee)

(3) Smt. Sujan Kunwar.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property knownss "Perm Niwas" bearing Municipal No. 510/200, area-19883 sq. ft. lease-hold, situate at New Hyderabad, Jucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37G No. 165/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 6-1-1981.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th September 1981

G.I.R. No. S-216/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 7, in Compound No. S. 20/56 situated at Arazi Lane, Varanasi City (U.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 27-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 'Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhubaneshwar Singh S/o Late Beni Madho Singh through his duly constituted Attorney and son, Shri Vinay Krishna Singh R/o P-30. Raja Basanta Roy Road, Calcutta.
- (Transferor)

 (2) Shri Subhas Chand K. Shah S/o Shri Kalyan Das Shah C/o. M/s. Shriram Fibres Ltd., Industrial Estate, Manali, Madras R/o Dalip Oil Mills, Dharangaon, District Jalgoan, Maharashtra.

 (3) Shri Bhubneshwar Singh and Vinay Krishna Singh.

(3) Shri Bhubneshwar Singh and Vinay Krishna Singh. (Person in occupation of the property) (4) Shri Vinay Krishna Singh.

(4) Shri Vinay Krishna Singh. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 20/56 Arazi Lane, Plot No. 7 of old house No. S/20/56 New Municipal No. S/20/56C-2 measuring total area 117000 sq. ft. (North to South 130 ft. and East to West 90 ft. as per plan, situate at Arazi Lane, Varanasi City (UP) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7220/80-Calcutta, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Calcutta, on 27-1-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lanknow the 10th September 1981

GIR No S 217 Acq - Wher as I A & BIST > being the Comptent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

House No 102/51 T situated at 51 Shivajee Marg Luck

(and more fully described in the Scheduled annxed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1909 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any necme or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 26°C of the said section (1) of Section 2019 of h so ' A t to the follow

Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons namely -25-266GI/81

- (1) 1 Shri Lalit Kumar Agarwal
 - Shri Shaid Kumar Agarwal
 - Shii Satish Kumai Agaiwal
 - 4 Sushil Kumar Agarwal 5 Sunil Kumar Agarwal
- (Transferor) M/s S N Sunderson (Minerals) Ltd, I/A, Vansitiart Row Calcutta through their Attorney holder Shir S D Lamba for S N Berry, Manag-(2) M/s S N
- ing Director. (3) Above Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the d te of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of rotice on the rispective persons · whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said tuiniov able p operty, within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Lyplanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX \ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 102 51-T including building and land measuring 3254 sq ft situate at 51, Shivajee Marg Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed a d form 37G No 538/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 23-1-1981

> A S BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Comm ssioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

10-9-1981 Date Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th September 1981

G.I.R. No. S-218/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 68/334 including building situated at Chitwapur Pajawa, Bheri Mandi, P.S. Husaingani, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri K. K. Handa.
 - 2, Smt. Prakash Sobti.
 - 3. Shri B. S. Handa. 4. Smt. Sudarshan.
 - 5. Smt. Kailash.
 - 6. Smt. Sangeeta through Attorney, Holder, Smt. Prakash Sobti.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar.

(Transferce)

(3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a periodof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectives persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 68/334 including building situate at Chitwapur l'ajawa, Bheri Mandi, P.S. Husainganji, Lucknow, and that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 139/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 6-1-1981,

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-9-1981

Scal:

(1) Shii Biij Nandan Lal Siivastava

(Transferor)

(2) Smt Vimla Srivastva

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above Scller (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THI INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th September 1981

GIR No V 52/Acq —Whereas I A S BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No C-126, situated at TG North, Chandganj Housing Scheme, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

at Lucknow on 8-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'aid Act Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Lease-hold plot No C-126 measuring 3966 sq ft situate at T G North, Chandganj Housing Scheme Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 640/81 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Lucknow, on 8-1-1981

A S BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 10-9-1981 Seal 11596

FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmadabad-380009, the 5th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1162/Acq.23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Land at R.S. No. 454/1-A, Mahadevnagni, Desra, situated at Bilimora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer.

at Gandevi on 8-1-1981

from apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesmall exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

(1) Ziniben Jalbfiai Panthaki; Aluben Maheksha Panthaki; Jamshedji Maneksha Panthaki; Mahadevnagar, Desra, Bilimora.

(Transferor)
(2) President of Shri Jalnagar Coop. Housing Society,
Smt. Kusumben Sumantrai Desai; Kasbe-βıli Road,
Opp. Radhakıishna Temple. Bilimora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 454/1-A paiki land situated at Desia, Mahadevnagai, Bilimota, duly registered on 8-1-81.

G. C. GARG.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated :5-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD Ahmedabad-380009, the 5th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1163-Acq.23-11/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Muni No. 3/1131, New No. 3/1891 & land C. S. No. 74/B situated at Jawahar Road, Bilimora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandevi on 13-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ipstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Babulal Hirachand Shah; Iawahar Road, Opp. Telephone Exchange, Bilimora.

(Transferor)

(2) Shri Lallubhai Bhikhabhai Mehta; Jamuna Khuj Road, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at New No. 3/1891, C. S. No. 74/B. at Bilimora; dully registered on 13-1-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 5-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1164 Acq. 23-II/81-82 —Whereas I, G, C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Tika No. 19, C.S. No. 7, R.S. 11/1 4-2-4 paikt land situated land situated at Zaveri Sudak, Navsari

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer

at Zaveri Sadak, Novsarı

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 P A Holder of Smt Bhaktiben Mahendrakumar Shri Narendrakumar Jagubhai Patel; Zaveri Sadak, Navsari,

(Transferor)

(2) Chairmán I Smt. Hansaben Perajbhai Thakkar; Vijay Apartment, 2nd Floor, Ashanagar, Navsari. Secretary Smt Minaxiben Bachubhai Desai; Nagaiwad, Opp. Di. Ratilal Eye Hospital, Navsari Sidhehakra Coop Housing Society, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at R. S. No 11/1+3+4 paiki land, situated at Zaveri Sadak, Navsaii, duly registered in the month of January, 1981.

G. C. GARG
†Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range-II. Ahmedabad.

Dated: 7-9-81

PART III—SEC 1]

FORM I.T.N.S-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. AHMFDABAD

Ahmedabad-380 009 the 7th September 1981

Ref No PR No 1165 Acq 23-If/81-82 --- Wheteas, I, G C GARG

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Tika No 18, S No 60, Karsap Road, situated at Navsari

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 7-1 81

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

(1) Sh. Khemehand Kungumal. Thatwam, Ashanagar, Navsari (Transferor)

(2) Trustees of K K Tharwani Trust 1 Sh Khemchand Kungumal Tharwani, Ashanagai, Navsaii 2 Shii Madanlal Miyamal, Sindhi Colony, Navsari 3 Shri Revachand Panachand, Tarota Bazar Navsari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Kar hap Road, Tika No 18, S No 60 duly re gistered on 7-1 1981

> G C. GARG. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition, Rangè-II, Ahmedabad

Dated 7 9-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1166 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 18, S. No. 60, Karshap Road, situated at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Navsari on 7-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Nilaben Motiram; Opp. Vidya Kunj, Lunsikui. Navsari.
 - (Transferor)
- (2) Trustees of K. K. Tharwani Trust; J. Sh. Khemchand Kungumal Tharwani;
 - Sh. Khemchand Kungumat Tharwani: Ashanagar, Navsari.
 - 2. Sh. Madanlul Miyamal;
 - Sindhi Colony, Navsari.
 3. Sh. Revachand Panachand;
 Tarota Bazar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Karsap Road, Tika No. 18, S. No. 60, Navsari duly registered on 7-1-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range-II, Ahmedabad.

Dated: 7-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1167 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1824, Kirparam Mehta Khancho.

Gopipura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 27-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—26 6GI/81

(1) 1. Shri Satish Manharlal Mehta;
Jai Gujarat Bldg., 2nd Floor, Road No. 7, Shanta
Cruz, Fast, Bombay.
2. Sald Manharlal Mehta 2nd Floor, Road No.
7. Shanta Cruz, East, Bombay.
3. Dr. Ashitvandan Ramanbhai Desai, his P. A.
Holder; Shri Ashok Desai, Piramalnagar,
Goregaon, West, Bombay-63.

(Transferor)

(2) Smt. Kusumben Thakorbhai Desai; 8/1824, Kirparam Mehta Khancho, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 8/1824, Kirparam Mehta Khancho Gopipura, Surat duly registered on 27-1-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range-II, Ahmedabad.

Dated: 8-9-81

Village Athamani Sukhpur, Faluka Nakhatiana, Bhuj (Kutch),

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Sonara Hurbar Jafar Haji; Amad & others; Village Jakhan, Lal. Abdasa (Kutch).

(1) Sh. Patel Dhanbai Shivii:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-, SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1400 Acq 23-I/81-82 —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Muni Wd. No. 10, Block No. 2, House No. 76/32-41 situated at Station Road Bhuj

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Bhuj on 13-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following bersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovsible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building on land 444-4-0 sq yds. bearing Muni. Wd. No. 10, Block No. 2, House No. 76/32-41, situated at Station Road, Bhuj, duly, registered by Registering Officer. Bhuj vide sale-deed No. 84/13 1-81 re property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 5-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1401 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 211-215—Factory Shed situated at C-10, M. P. Shah, Udhyognagar, Industrial Estate, Jammagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 12-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Deluxe Food Products, C-10, M. P. Shah Udhyognagar, Jamnagar.
- (2) Siraz Ice & Cold Storage; C-10, M. P. Shah Udhyognagar, Jamnagar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed on land 9750 sq. ft. bearing S. No. 211-215, situated at C.10, M. P. Shah Udhyognagar Industrial Estate, Jamnagar, duly registered by Registering Officer, Jamnagar, vide sale-deed No. 114/12-1-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 5-9-81

FORM I.T.N.S.-

 Sh. Sharifkhan H. Pathan & others; Datar Road, Opp. Nichala Datar, Near Vivekanand Colony, Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Chandan Timbers; through partner Shri Maganlal Karsanbhai Varu, Kharakuva Road, Village Shapur, Distt. Junagadh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 7th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1402 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Sec-

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 66-R. No. 40/2002-Open land situated at Datar Road, Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Junagadh on Jan. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 752-1-0 sq. yds. bearing S. No. 66, R. No. 40/2002, situated at Datar Road, Near Kalwa Chowk, Junagadh duly registered by Registering Officer, Junagadh vide sale-deed No. 2134/January, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 7-9-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1168 Acq. 23-II/81-82 —Whereas, 1, G. C. GARG.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. F/9, 2nd Floor, Vigneshwai Estate, situated at Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kunjlata K. Kapadia;
 Sole Prop. of M/s, Vigneshwar Corporation,
 Narmadnagar, Athwa Lines, Surat-1.
 (Transferor)
- 1. Sh. Niranjan Vithaldas Desai;
 2. Smt. Nalini Niranjan Desai;
 F/9, Vighneshwar Estate.
 Nanpura, Surat-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expines later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Flat No. 9, 2nd Floor, Vigneshwar Estate, Nanpura, Surat duly registered on 31-1-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition, Range-II, Ahmedabad.

Dated: 8-9-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1981

Rei No PR No 1169 Acq 23 II/81 82—Whereas, I, G, C GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

S No 1470/2, Final Plot No 560, Sub Plot No 2, situated at Γ P S 2 Anand

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Anand on 27 1 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195/ (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely —

 Sh Patel Jhaverbhai Bakorbhai; Staying at Samarkha, Village Revelapura, Taluka Anand, Kana District

(Transferor)

(2) Sh Patel Gordhanbhai Ambalal; Kailasnagar Coop Housing Society, Anand.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing 5 No 1470/2, Final Plot No. 560, sub-plot No 2 of TP S 1, situated at Anand and as fully described as per sale deed No 334 registered in the office of sub Registrat, Anand on 27-1-1981

G C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated 9-9-81 Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI. INCOMI:-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1981

Ref. No. P. R. No. 1170/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 403, Sector No. 29, situated at Gandhinagai Township

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-1-1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rameshbhai Harikrishna Dave; Takhteshwar Plot, Bhavnagar-2.

(Transferor)

(2) Sadhu Premdas Laghardas; Sector No. 29, Plot No. 403, Gandhinagar (Gujarat)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 403, situated in Sector No. 29, of Gandhinagar Township and as fully described as per sale-deed No. 49, registered in the Office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 15-1-1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMFDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1981

Ref. No. P. R. No. 1171/Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Baroda Kasba Vibhag 'B', Tika No. 13/5 situated at Balajipura area, Baroda City (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on 8-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ramchandra Marutirao Mulherkar; Mulherkar Paga, Babajipura, Baroda-390 001.

(Transferor)

(2) Sachin Premises Owners Coop. Society Ltd., Secretary, Shri L. T. Rao, Sachin Apartments, Mulherkar Paga, Babajipura, Baroda.

(Transferee)

(4) M/s. Haramb Builders;
Khadia Pole, Babajipura, Baroda.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Baroda Kasba in Vibhag 'B' Tika No. 13/5, Survey No. 4/5/1, 4/21, 4/20, 4/10, 4/8 and 4/7 admeasuring about 441-00 sq. mts. and as fully described as per sale deed No. 99, registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda on 8-1-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 9-9-1981.

FORM: I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1981

Ref. No. P. R. No. 1172.Acq.23-11/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Final Plot No. 353, C.S. No. 405 situated at T. P. S. 1; Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 8-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—266GI/81

(1) 1. Smt. Kailasben Lalitchand Ambalal;
2. Smt. Umaben Chitranjan Ambalal;
3. Smt. Rekhaben Ashokbhai Ambalal;
All staying at Mogri village, Anand Taluka.
(Transferor)

(2) Smt. Bhavnaben known as Pushpaben Mahendrakumar alias Chaturbhai; 'Bhavna' Mogriwala Building; Near Pioneer High School, Anand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said proferty may be made in writing to the undersigned:--

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing F. P. No. 353, C. S. No. 405, situated in T. P. S. 1., Anand and as fully described as per sale-deed No. 111 registered in the office of Sub-Registrar, Anand, on 8-1-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-9-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1981

Ref. No. P. R. No. 1404.Acq.23-I/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F. P. No. 375 paiki T. P. S. 6, situated at Near Mani Bhawan, Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now; therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Hemantkumar Chimanlal Broker; 'Dilkhush', Behind Law & Garden, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Shankerlal Shah; 13-B, Sahkarniketan Society, Nr. Navrangpura Post Office, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with plinth) adm. 524.24 sq. mts. bearing F. P. 375 paiki, T. P. S. 6, situated near Mani Bhawan, Paldi, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide three sale-deeds No. 1322, Nil, & 1325 January, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 9-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1981

Ref. No. P. R. No. 1403. Acq. 23-J. 81-82. —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. F. P. No 378 paiki, T. P. S. 6, situated at Near Mani Bhawan, Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hemantkumar Chimanlal Broker; 'Dilkhush', Behind Law College Garden, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Shankarlal Shah; 13-B, Sahkarniketan Society, Near Naviangpura, Post Office, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with plinth)—adm. 545.98 sq. mts. i.e. 654 sq. yds. bearing F. P. 378 paiki, T. P. S. 6, situated near Mani Bhawan, Paldi, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide three sale deeds Nos. Nil, 1321, 1324/January, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 9-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 9th September 1981

Ref. No. P. R. No. 1405.Acq.23-I/81-82.---Whereeas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 8, N. A. land situated at Village Trajpar, Morvi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Morvi on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Koli Jesang Jiva, Village: Trajpar, Tal. Morvi, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Yoginagar Coop. Housing Society Ltd., President: Shri Jayantilal Lavajibhai Pujara; Village: Trajpar, Tal. Morvi, Dist. Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 14109-04 sq. metres S. No. 6, situated at village Trajpar, Tal. Morvi, Dist. Rajkot, duly registered by S. R. Morvi, vide sale-deed No. 7869/January, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-9-1981.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1173 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 2414-B, C.S. No. 410, F.P. No. 395/1 situated a tT.P.S. 1, Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Patel Keshavlal Chhotabhai Bin Darubhai; Nanu Adadh, Anand.

(Transferor)

Vohra Kalimudin Haji Davudbhai Trunkwala;
 Vohia Yusufbhai Salehbhai Kachwala;
 Both staying at Nutannagar, Anand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 510-81-25 sq. mts. bearing Final Plot No. 395/I, situated in TPS. 1, Anand and as fully described as per sale-deeds Nos. 279 an 280 registered in the Office of Sub-Registrar, Anand, in the month of January, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 10-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMED ABAD-380 009

Ahmedabad 380 009 the 10th September 1981

Ref. No. PR No. 1174 Acq. 23 II/81 82 —Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

Rs 25,000/- and bearing
No. S No 236 paiki situated at Vijapui Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer.
at Navsari on Jan 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of 5 ich apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceafment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Sh Kavarbhai Kavasji Kotvala 2 Sh Kavasji Kharsedji Kotvala) Navsari Confirming party 1. Shri Manubhai kikabhai Naik 2 kantilal uife Sumantrai Kikabhai Naik, 3 Manubhai Ranchhodji Desai, 4 Balvantrai Dahyabhai Desai, Navasari 5 Ishvarlal Gandabhai Naik—Fthan, Tal Navsari 6 Thakorbhai Dahyabhai Naik—Kabilpor, Navsari (Transferors)
- (2) Sh Bayanii Alsibhai Kukadia, Lunsikui, Navsati. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 5 No 236 (Patki) at Vijapui duly registered in the month of January 1981

G C GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Dated 10-9-1981 **Seal**:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 4HMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref No P.R. No 1175 Acq 23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S No. 159,151/1, 151/2 152/1 and 153/2 situated at Kahilpor Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Navsari on Jan 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely '—

(1) Sh Sukhabhai Lallubhai Patel, Village Amanpor, Talluka Navsori

(Transferor)

(2) I. Ramaban Bhulabhar Patel. Village Khapatia, Tal Gandevi 2 Dr. Bhalabhar Dalpatram, 11, Kalpana Society, Kabilpoi Navsari. 3. Lataben Vallababhar Patel, Nishal Mahollo, Navsari, 4. Shri Devabhar Bhikhabhar, Village, Ambhedi, Tal. Palsana 5. Vajiaben Devabhar Patel Village, Ambhedi, Tal Palsana. 6 Dayaljibhar Manibhar Patel. Patel Society, Chhapra Road, Navsari.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S No 150, 151 | 151 2, 152/2, 153/2 at Kabilpot, duly registered in the month of January, 1981.

G C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Dated 11-9-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1176 Acq. 23-11/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. S. No. 198 situated at Rander

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bestween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (1) 1. Gulamnabi Abdulrehman Battiwala; Rander—Hajamvad, Rander.
 2. Esuf Abdul Rehman, Rander—Hajamvad, Rander.
 3 Abbas Abdul Rehman Hajamvad, Rander.
 (Transferor)

(2) Sh. Bipinchandra Gulabdas Dalal; Haripura, Main Road, Surat.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Rander, S. No. 198, duly registered in the month of January, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-9-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF- INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1177 Acq. 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Nondh No. 2885 & 2885-K-1-4-1 situated at Salabatpura, Wd. No. 3, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-1-81

fair market value of the aforesaid property and I have reason fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-28-266GI/81

(1) Sh. Mafatlal Hiralal Patel; Maliniwadi, Salabatpura, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dhansukhlal Kachrabhai;

Shri Manharlal . Kachrabhai;

3. Shii Govindbhai Kachrabhai; 4. Shri Jayantilal Kachrabhai;

5. Shri Pravinchandra Ganeshbhai;

Shri Dineshbhai Ganeshbhai;
 Shri Mahendra Ganeshbhai;

8. Shri Nareshkumar Ganeshbhai; Begampura, Mapara Sheri, Surat.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2885-K-1-4-1, salebatpura, Ward No. 3, Surat, duly registered on 8-1-1981.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 10-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1178 Acq. 23-H/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 390 and 264 at Kareli situated at Kareli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Kamrej on 5-1-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mangubhai Dahyabhai Patel Ena, Taluka; Palsana.
 Shri Kalidas Nagarbhai Patel; Scyani, Taluka: Palsana.

(Transferor)

(2) Managing Director, Shri Ramanbhai Haribhai Patel; Hari Om Paper Mill; Village Ena, Taluka; Palsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kateli, Taluka Palsana S. No. 390 and 264 duly registered on 5-1-81,

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Dated: 10-9-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1179 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.S. No. 59/1, C.S. No. 2273 situated at Tithal Dharampur Cross Lane, Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in the office of the Registering Officer at Valsad on 30-1-1981 for an apparent consideration which is less than the

fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Pankaj Dahyabhai Shah; Mahavir Society, Opp. Kumar Shala No. 1, Valsad.

(Transferor)

1. Dr. Kanchanben H. Soni; 'Vanshivat' Opp. Tel. Exchange, Valsad 2. Dr. Nalin Parikh; Parikh Hospital, Madanyad, Valsad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 59/1, C.S. No. 2273 at Valsad duly registered on 20-1-81.

> G. C. GARG. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 10-9-1981

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1180 Acq 23-II/81-82 — Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 355/2/2 paiki land situated at Vapi (and morefully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Jan. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the gaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Jayantilal Dharamchand Self and P.A. Holder of Sh. Chimanlal Dharamchand, Vapi. 2. Shah Nanchand Dalai; Village: Koprali, Taluka; Vapi. 3. Shah Babubhai Nemchand; Vapi, Taluka: Pardi (Transferors)
- (2) Sh. Gopalbhai Kalyanbhai Tandel; Nani Daman, Daman.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vapi S. No. 355/2/2 duly registered in January, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 10-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 11th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1181 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 74 situated at Village Vashier, Taluka Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Valsad on January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesteid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Excel Process Pvt. Ltd., 117-118, Andheri, Kurla Road, Chakla, Andheri (East), Bombay. (Transferor)

(2) P.A. Holder of:
1. Mani J. Ratansha,
2. Rasna J. Ratansha;
3. Havevi J. Ratansha;
Partners: R. I. Electricals;
Vashier, Tal. Bulsar

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A land at Vashier, S. No. 74, duly registered in the month of January, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 11-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Prafulbhai Jivabhai Patel & others; Nanu Adadh, Anand.

(Transferor)

(2) Chimanbhai Motibhai Patel; Near Gamdiwad, Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1182 Acq. 23-I1/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/and bearing No.

Anand Sim, S. No. 785 situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 23-1-81

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Anand sim Sur, No. 785 and as fully described as per sale deed No. 329 registered in the office of Sub-Registrar, Anand, on 23-1-1981.

> G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 11-9-1981

FORM I.T.N.S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1981

No. AR. II/3130-17/Jan. 81.—Whereas, [SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. City Survey No. B/357, B/369, B/360 S. No. 362 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Martha V. Dias & Mary P. Dias

(Transferor)

(2) Faruk Ehrahim and Iqbal Ebrahim.

(Transferee)

(3) Shri Dhobi B. Sharda, Pathak S. Narhana and L. Santas Sanjiva Pujari.

(Person in occupations of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1075/79 with the Joint Sub-registrar, Bandra on 6-1-1981.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9th, September, 1981

(1) Mrs. P K. Bhansali & Shri S. K. Bhansali. (Transferor)

(2) Shri P. K. Biswas & Smt. Geeta Biswas. (Transferee)

(3) M/s. Greeves Cotton Ltd. and I.B.M. World Trade Corpn.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1981

No. AR. II/3113-1/Jan. 81.—Whereas, I SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 16, S. No. 287 (pt) situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 3-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the acresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S. 597/79 with the sub-registrar, Bombay on 3-1-1981.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10th Sept., 1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1981

No. AR. II/3114-2/Jan. 81.—Whereas, I SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 16, S. No. 287 (pt) sitated at Vila Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
29—266GI/81

- (1) Smt. P. K. Bhansali, Shri S. K. Bhansali, (Transferor)
- (2) Shri P. K. Bishwas & Smt. Geeta Bishwas, (Transferee)
- (3) M/s. Greaves Cotton Ltd. & I.B.M. World Trade Corpn.

 (Person in occupations of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by anv other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 598/79 with the Sub-registrar, Bombay on 3-1-1981.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10th Sept., 1981

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1981

No. AR. II/3115-3/3/Jan. 81.—Whereas, I SANTOSH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 16, S. No. 287 (pt) situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. P. K. Bhansali, Shri S. K. Bhansali, (Transferor)
- (2) Shri P. K. Bishwas & Smt. Geeta Bishwas. (Transferee)
- (3) M/s. Greaves Cotton Ltd. & I.B.M. World Trade Corpn.

 (Person in occupations of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. 9-599/79 with the sub-registrar, Bombay on 3-1-1981.

SANTOSH DATTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10th Sept., 1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1981

Ref. No. AR-I/4527-1/81-82.---Whereas, I SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 19 of Girgaum-Division situated at Junction of Rajaram Mohan Roy Marg & Maharashi Karve Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-1981 Doc. No. 125/78/Bom

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hamida Gulamally F. Currimbhoy, 2. Habib Ahmedbhoy Currimbhoy, Trustees of Rahimtulla Carimbhoy Trust.

(Transferor)

- (2) 1. Mohamed Kasam Ali Mohamed Jumani
 - 2. Abdul Aziz Jumani
 - 3. Mohamed Iqbal Jumani
 - 4. Zeenat Abdul Aziz Jumani 5. Rafia Mohamed Iqbal Jumani
 - 6. Umar Mohamed Kasam Jumani
 - Shakil Mohamed Kasam Jumani
 Ali Mohamed M. Kassam Jumani
 - 9. Soma Abdul Aziz Jumani

10. Amis Abdul Aziz Jumani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as menioned in the Registered Deed No. 125/78/Bom and as registered on 21-1-1981 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-9-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1981

Ref. No. AR-I/4528/2/8182.—Whereas, I SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C.S. No. 73 of Princess Dock Divn. situated at Junction of Surat and Argyle Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-1-81 Doc. No. Bom. 2296/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) BEHRAM MARZBAN TAFTI

(Transferor)

(2) SUBHASHCHANDRA SHAMJI

(Transferee)

(3) MESSRS. GORDHANDAS RANCHODDAS.
(Person in occupations of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule as mentioned in the registered Deed No. Bom. 2296/79/D and as registered on 20-1-1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-9-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th September 1981

Ref. No. AR-III/-1956/10 81-82.—Whereas, I, SUDHA-KAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 2 of Subrban Scheme X situated at Gilbert Hill Andheri

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-1-81 Document No. 169/1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Chandrakant Thakorlal Kantawala ·
 - 2. Surendra Thakoralal Kantawala,
 - Prakash Chandrakant Kantawala,
 Deepak Chandrakant Kantawala,
 - 5. Ramesh Shantlal Shah and
 - 6. Mahendra Shantilal Shah.

(Transferor)

(2) Municipal Corporation of Greater Bombay Staff, Gilbird Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferce)

(3) Vendors.

(Person in occupations of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 169/1979 Bandra and as registered on 6-1-1981 with the Joint Sub-registrar IV, Bandra Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-9-1981

Scal: